रविवार
07 जुलाई 2024

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण
आपकी आवाज

बक्सर और पं. चंपारण में सेज बनने का रास्ता साफ: नीतीश मिश्रा

2

राहुल गांधी की बढ़ी मुश्कलें, कांग्रेस सांसद पर चलेगा मुकदमा

- 29 जुलाई को एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में होगी गवाही
- कांग्रेस नेताओं पर इस तरह के 12 केस है दर्ज

एजेंसी/नई दिल्ली

मोदी सरनेम मामले में राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ गई है। कांग्रेस सांसद के खिलाफ अब मुकदमा चलेगा। 29 जुलाई को इस मामले में एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में गवाही होगी। बता दें कि राहुल गांधी पर रांची निवासी प्रदीप मोदी ने वर्ष 2019 में दिए उस बयान को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें

राहुल ने कहा था कि मोदी सरनेम वाले सभी चोर होते हैं। शिकायतकर्ता का आरोप है राहुल गांधी ने पूरे मोदी समुदाय का अपमान किया है। कांग्रेस नेता पर इसी से मिलते जुलते कई मामलों में देशभर में 12 से अधिक केस दर्ज हैं। मामला वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान का है. रांची के मोरहाबादी मैदान में लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करने के दौरान राहुल गांधी ने नरेन्द्र मोदी, नीरव मोदी और ललित मोदी का जिक्र करते हुए कहा था कि ह्यसारे मोदी सरनेम वाले चोर हैं। इसे लेकर अधिवक्ता प्रदीप मोदी ने कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई थी। याचिका में कहा गया है कि राहुल गांधी के टिप्पणी से पूरा मोदी समाज आहत है, इसलिए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। प्रदीप मोदी ने 23 अप्रैल 2019 को राहुल गांधी के खिलाफ रांची सिविल कोर्ट में कंप्लेन केस दायर किया था। 30 सितंबर 2021 को एमपी एमएलए कोर्ट में केस स्थानांतरित किया गया था। जिसके बाद कोर्ट ने राहुल के खिलाफ समन जारी किया था। राहुल गांधी ने याचिका दाखिल कर उपस्थिति से छूट मांगी थी। जिस पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने याचिका खारिज कर दिया था। निचली अदालत से याचिका खारिज होने के बाद राहुल गांधी ने हाईकोर्ट से सशरीर उपस्थिति में छूट की मांग की थी। जिस पर फैसला सुनाते हुए हाईकोर्ट ने उन्हें सशरीर उपस्थित में छूट दिया था। वहीं इस मामले के बाद पुनः राजनीति गरमा गई है। सभी राहुल गांधी को सत्ता पक्ष हर ओर से घेरने का प्रयास करने में जुट गये है।

मनीष सिसोदिया को नहीं मिली राहत, बढ़ी न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति केस में जेल में बंद आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम को एक बार फिर कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने मनीष सिसोदियों की न्यायिक हिरासत की अवधि को बढ़ाकर 15 जुलाई कर दिया है। 6 जुलाई को न्यायिक हिरासत की अवधि खत्म होने के बाद सीबीआई ने उन्हें कोर्ट में पेश किया। जहां अदालत ने उन्हें फिलहाल राहत देने से इनकार कर दिया। दरअसल, दिल्ली में कथित शराब घोटाले में सीबीआई के बाद ईडी ने पूर्व डिप्टी सीएम और आप नेता मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार कर लिया था। पिछले 26 फरवरी से सिसोदिया न्यायिक हिरासत में हैं। मनीष सिसोदिया लंबे समय से जमानत के लिए कोशिश कर रहे हैं लेकिन फिलहाल उन्हें राहत मिलती नहीं दिख रही है। इसी शराब नीति घोटाले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी गिरफ्तार हैं और तिहाड़ जेल में बंद हैं। मनी लॉन्ड्रिग केस में ईडी ने पहले केजरीवाल को अरेस्ट किया था।

संसद सत्र की तारीखों का ऐलान, 23 जुलाई से शुरू

नई दिल्ली। मोदी सरकार अपना पहला बजट पेश करने जा रही है। केंद्रीय बजट 2024 की तारीखों का ऐलान हो गया है। 23 जुलाई को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में बजट पेश करेंगी। निर्मला सीतारमण लगातार सातवीं बार बजट पेश करेंगी। वही 22 जुलाई से 12 अगस्त तक संसद सत्र चलेगा। 18वीं लोकसभा का पहला सत्र समाप्त हो चुका है। जिसमें नवनिर्वाचित सांसदों ने पथ ग्रहण लिया था। वही लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक भी हुई थी। जिसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संबोधित किया था। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इस बात की जानकारी दी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उन्होंने लिखा कि भारत सरकार की संस्तुति पर राष्ट्रपति ने बजट सत्र 2024 के लिए संसद के दोनों सदनों को 22 जुलाई 2024 से 12 अगस्त 2024 तक बुलाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। (संसदीय कार्य की अनिवार्यताओं के अधीन)।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम के फ्रिसल चिंगम में हुई मुठभेड़, एजेंसियों ने सुरक्षा की मुस्दैत

कुलगाम में जवानों और आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़, 4 आतंकी ढेर; एक जवान की गई जान

- सुरक्षा बलों की संयुक्त टीमें इलाके में घेराबंदी और तलाश अभियान (कासो) चला रही है
- सुरक्षा बलों की संयुक्त टीमें पर गोलीबारी की जवाबी कार्रवाई की

केटी न्यूज/जम्मू

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में आतंकवादियों के साथ हुए एनकाउंटर में सेना ने चार आतंकियों को ढेर कर दिया है। इससे पहले आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक सैनिक शहीद हो गया। अधिकारियों ने बताया कि दोनों मुठभेड़ ऐसे समय में हुई हैं जब अनंतनाग जिले के नुनवान-पहलगाम मार्ग और गंदेरबल जिले के बालटाल मार्ग से शुरू हुई श्री अमरनाथ यात्रा के कारण जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। दोनों मार्गों से तीर्थयात्रियों को कुलगाम जिले से होकर गुजरना पड़ता है। उन्होंने कहा कि मुठभेड़ कुलगाम के मोदरगाम गांव में उस समय शुरू हुई जब आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना के बाद सुरक्षा बलों की संयुक्त टीमें इलाके में घेराबंदी और तलाश अभियान (कासो) चला रही थीं।जानकारी के अनुसार, कुलगाम के इलाके में आतंकियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया इनपुट मिला था। इसके बाद सुरक्षाबलों ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान सेना के जवानों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। वहीं, इसके करीब दो घंटे बाद कुलगाम जिले के ही फ्रिसल चिन्निगम क्षेत्र में मुठभेड़ शुरू हुई,

जहां पुलिस और सुरक्षा बल आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं। एक सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि सुरक्षा बलों की संयुक्त टीमें पर गोलीबारी होते ही जवाबी कार्रवाई की गयी और मुठभेड़ शुरू हो गई। मुठभेड़ शुरू होते ही आंतकवादियों की गोलीबारी में एक सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल जवान को एक चिकित्सा सुविधा में ले जाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों को घेराबंदी तोड़ने से रोकने के लिए अतिरिक्त बलों को इलाके में भेजा गया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कहा कि ऑपरेशन जारी है और सुरक्षा बल काम पर हैं। मोदरगाम में ऑपरेशन जारी रहने के दौरान कुलगाम जिले के फ्रिसल चिंगम में एक और मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलिस ने बताया कि फ्रिसल में आतंकवादियों से संपर्क साधा गया था। पुलिस और सुरक्षा बल आतंकवादियों पर नजर रखे हुए है और आगे की जानकारी की प्रतिक्षा की जा रही है। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के मोदेरगाम गांव में संयुक्त बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में चार आतंकियों के ढेर होने की खबर है। बताते चलें कि सेना का पहला अभियान शुरू होने के कुछ ही घंटों बाद चिनिगाम गांव में गोलीबारी की एक और घटना शुरू हो गई। सेना को लश्कर ग्रुप के बारे में वहीं, एक जवान बलिदान हो गया और एक जवान घायल है। घायल जवान को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं दूसरी ओर अधिकारिक सूत्रों का कहना है कि सुरक्षा बलों की अतिरिक्त टुकड़ी को बुला लिया गया है। साथ ही पूरे इलाके की घेराबंदी करते हुए सर्च अभियान चलाया जा रहा है। सुरक्षा बलों को यह इनपुट मिला है कि और भी आंतकी इस इलाके में छुपे हुए है। सभी को खोज निकालने का प्रयास चल रहा है। साथ ही सुरक्षा बल इस बात की भी तहकीकात कर रही है कि आखिर किस रास्ते और किनकी मदद से यह सीमा के अंदर प्रवेश करने के सफल हो गये है।

पूर्वी जैंतिया के नेपाली सहित मिले 4, जांच टीम हुई गठित

एजेंसी/नई दिल्ली

मेघालय के पूर्वी जैंतिया हिल्स जिले के एक दूर दराज के गांव में शनिवार को चार शव मिलने से हड़कंप मच गया। चारों के रसिस्यों से हाथ और शरीर बंधे हुए थे जबकि शरीर पर तेजधार हथियार से कट के निशान मिले हैं। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। चार में से एक की पहचान नेपाल निवासी के रूप में की है जबकि पुलिस अन्यों की पहचान की कोशिश कर रही है। पूर्वी जैंतिया हिल्स के एसपी गिरी प्रसाद ने बताया कि सुबह पुलिस को किसी ने फोन पर जानकारी दी कि उमप्लेंग मार्किट के पास चार शव हैं। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि चारों के हाथ और पैर बंधे हुए थे और गर्दन पर धारदार हथियार से काटे जाने के निशान थे। घटनास्थल पर तुरंत फोरेंसिक टीम और मजिस्ट्रेट पहुंचे। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और स्थानीय चश्मदीद से बातचीत करके हत्या से संबंधित जानकारी प्राप्त की। इसके बाद पुलिस चारों शवों को पोस्टमार्टम के लुए सिविल अस्पताल लेकर आए। एसपी ने बताया कि इस दौरान चार में से एक की पहचान 23 वर्षीय रवि राय, निवासी पस्था इलाम, नेपाल के रूप में हुई है जबकि अन्यों की पहचान की कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है, जो मामले की गहराई तक जांच करेगी। एसपी ने कहा, पुलिस इस बात का भी विश्लेषण कर रही है कि अपराध घटनास्थल पर किया गया था या कहीं और किया गया और फिर शवों को उमप्लेंग में फेंक दिया गया। वहीं इस घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। सभी के बीच इस बात की चर्चा है कि चारों को हाथ-पैर बांधने के बाद हत्या की घटना को अंजाम दिया गया है। हालांकि जांच के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट हो पायेगी।

नीट-यूजी की काउंसलिंग स्थगित परीक्षा का पेपर हुआ था लीक

- अभ्यर्थियों ने परीक्षा में धांधली का आरोप लगाते हुए पूरे देश में प्रदर्शन किया
- बिहार की आर्थिक अपराधिक इकाई ने किया था जांच शुरू

एजेंसी/नई दिल्ली

देशभर में नीट पेपर लीक मामले को लेकर जारी विवाद के बीच बड़ी खबर निकलकर सामने आ रही है। आज से नीट-यूजी की होने वाली काउंसलिंग को स्थगित कर दिया गया है। जल्द ही काउंसेलिंग की नई तारीखों का एलान किया जाएगा। दरअसल, एनटीए ने मई महीने में नीट-यूजी 2024 परीक्षा का आयोजन किया था। बीते 4 जून को परीक्षा का रिजल्ट जारी होने के साथ ही उसको लेकर विवाद शुरू हो गया था। अभ्यर्थियों ने परीक्षा में धांधली का आरोप लगाते हुए पूरे देश में प्रदर्शन किया। पूरे देश में इसको लेकर विवाद बढ़ गया। पेपर लीक का आरोप लगने के बाद बिहार में आर्थिक अपराध इकाई ने मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान पेपर लीक का खुलासा हुआ और कई लोगों को गिरफ्तारियां हुई। इसके बाद केंद्र सरकार ने जांच का जिम्मा सीबीआई को सौंप दिया। फिलहाल सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है। इस बीच मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, हालांकि कोर्ट ने काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था और 1563 संदिग्ध अभ्यर्थियों की के लिए फिर से परीक्षा को आयोजित करने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर एनटीए ने नीट यूजी के 1563 अभ्यर्थियों के लिए 23 जून को परीक्षा आयोजित की, जिसमें 813 अभ्यर्थी ही शामिल हुए और टॉपर्स की संख्या 67 से घटकर 61 हो गई। इस दौरान एनटीए ने सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान कहा था कि 6 जुलाई से काउंसलिंग की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। हालांकि अब खबर आ रही है कि एनटीए ने काउंसलिंग पर फिलहाल रोक लगा दी है। अगली सूचना तक नीट यूजी की काउंसलिंग स्थगित रहेगी। शिक्षा मंत्रालय की तरफ से जल्द ही काउंसलिंग की नई डेट जारी की जा सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आगामी 8 जुलाई से काउंसलिंग शुरू हो सकती है हालांकि इसकी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

हाथरस खुलासा : जान-बूझकर भीड़ के बीच से निकाली गई प्रवचनकर्ता की गाड़ी

केटी न्यूज/हाथरस

हाथरस के सिकंदराराऊ क्षेत्र के ग्राम फुलरई मुगलगढ़ी में घटित दुर्भाग्यपूर्ण घटना में वॉछित मुख्य आयोजक और एक लाख के इनामी मुख्य आरोपी देवप्रकाश मधुकर की गिरफ्तारी के बाद शनिवार को यूपी पुलिस ने एक और बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो अन्य अभियुक्तों रामप्रकाश शाक्य व संजू यादव को भी गिरफ्तार कर लिया है। इस तरह अब तक हाथरस पुलिस ने कुल 9 अभियुक्तों को गिरफ्त में ले लिया है। हाथरस पुलिस के अनुसार अभियुक्तों से पूछताछ में पता चला है कि इनसे विगत कुछ समय पूर्व कुछ राजनीतिक पार्टियों द्वारा संपर्क किया गया था। ऐसे में फंड इकट्ठा करने के सम्बन्ध में गहराई से जांच की जा रही है कि कहीं इस तरह के कार्यक्रम तथा अन्य संसाधन किसी राजनीतिक पार्टी से पोषित तो नहीं है। सिकन्द्राराऊ पुलिस द्वारा शनिवार को अभियुक्त रामप्रकाश शाक्य को कैलोरा चौराहा से तथा अभियुक्त संजू यादव को गोपालपुर कचौरी, सिकन्द्राराऊ से गिरफ्तार किया गया।

पीके के अभियान से राजद में बेचैनी, जन सुराज को बताया बीजेपी की बी टीम

केटी न्यूज/पटना

प्रशांत किशोर के अभियान से राष्ट्रीय जनता दल में बेचैनी बढ़ गयी है। प्रशांत किशोर के जन सुराज पार्टी को लेकर आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने अपने कार्यकर्ताओं के नाम एक पत्र जारी कर दिया है। जगदानंद ने आरजेडी के नेताओं और कार्यकताओं को जन सुराज पार्टी में सदस्य और सहयोगी नहीं बनने की हिदायत दी। उन्होंने जन सुराज पार्टी को बीजेपी की बी टीम बताया। आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने अपने जारी पत्र में कहा है कि आये दिन प्रायः सभी जिलों में ऐसा देखने को मिला है कि हमारे पार्टी के कार्यकर्त्ता, नेता जन सुराज पार्टी, में सहयोगी सदस्य बन रहे है, जो चिंता का विषय है। विदित हो कि जन सुराज पार्टी एक राजनीतिक पार्टी है, इसके संस्थापक प्रशांत किशोर उर्फ प्रशांत किशोर पाण्डेय जी हैं। यह पार्टी भारतीय जनता पार्टी एवं देश के धर्मावलम्बी लोगों के द्वारा संचालित तथा वित्तीय पोषित है अर्थात भारतीय जनता पार्टी का बी टीम है। उन्होंने राजद कार्यकर्ताओं से आग्रह किया है कि ऐसे लोगों के बहकावे में न आवे, उनकी मंशा राष्ट्रीय जनता दल को कमजोर करने और भाजपा की शक्ति को बढ़ावा देने की है।

साइबर सिक्योरिटी के भी चलेंगे कोर्स, प्रशिक्षित युवाओं को मिलेगा रोजगार

नए दौर के अनुरूप चलाने होंगे तकनीकी पाठ्यक्रम : योगी

केटी न्यूज/गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का समय तकनीकी का समय है। समय के अनुरूप ही हमें उन्नत तकनीकी को लेकर आगे बढ़ना होगा। इसके लिए युवाओं को नए दौर के तकनीकी पाठ्यक्रमों की शिक्षा प्रदान करनी होगी ताकि हमारे युवा किसी भी तरह समय से पीछे न हो सकें। सीएम योगी शनिवार को सहजनवा के हरदी में राजकीय पॉलिटेक्निक के आवासीय/अनावसीय भवनों का उद्घाटन करने के बाद यहां आयोजित समारोह में उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इन भवनों के निर्माण पर 21.02 करोड़ रुपये की लागत आई है। कार्यक्रम में सीएम ने कहा कि आज कुछ युवा विभिन्न ऑनलाइन फर्जी कंपनियों की लालच में फंसकर अपना धन और समय दोनो बेकार कर देते हैं। आज दुनिया में साइबर सिक्योरिटी भी एक बड़ा मुद्दा बन चुका है। साइबर सिक्योरिटी के लिए भी डिग्री या डिप्लोमा कार्यक्रम चललाकर प्रशिक्षित युवाओं को तैयार किया जा सकता है। साइबर

सिक्योरिटी में प्रशिक्षित युवा साइबर से संबंधित विभिन्न मुद्दों में अपना योगदान दे सकते हैं और रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। सीएम योगी ने कहा कि उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास होना चाहिए कि हमारा युवा आज की नई तकनीकी जैसे इंटरनेट ऑफ थिंग्स, डाटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि की शिक्षा से वंचित न हो। सीएम योगी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में सुरक्षा के चाक-चौबंद व्यवस्था के कारण बेहतरीन औद्योगिक वातावरण का विकास हुआ है। प्रशिक्षित कार्यबल के लिए लगातार कार्य किये जा रहे हैं। युवाओं को स्किल्ड बनाने के लिए कई डिग्री और डिप्लोमा के कोर्स चलाए जा रहे हैं। आज उत्तर प्रदेश में तीन तकनीकी विश्वविद्यालय हैं जिसमे एक जिसमे एक लखनऊ में, दूसरा कानपुर में तथा तीसरा गोरखपुर में मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय है। प्रदेश में विभिन्न राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, सैकड़ों पॉलिटेक्निक और आईटीआई कॉलेज के साथ निजी इंजीनियरिंग कॉलेज तकनीकी शिक्षा को आगे बढ़ा रहे हैं। प्रदेश सरकार का व्यावसायिक शिक्षा विभाग कई प्रकार न्यू एज कोर्स का संचालन कर रहा है ताकि प्रदेश के युवाओं को दक्ष बनाया जा सके।

बक्सर और पं. चंपारण में सेज बनने का रास्ता साफ: नीतीश मिश्रा

केटी न्यूज/पटना

बिहार में पूंजी निवेश और उद्योग लगाने के लिए कवायद कर रही राज्य सरकार को बड़ी सफलता मिली है। केंद्र सरकार बिहार में दो स्पेशल इकोनॉमिक जोन यानि सेज बनाने पर सहमत हो गया है। बिहार के उद्योग और पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा ने इसके लिए पहल की थी. नीतीश मिश्रा की मांग पर केंद्र सरकार ने सर्वे कराया है और राज्य में दो एऐ बनने का रास्ता साफ होता दिख रहा है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पत्र लिख कर इसकी जानकारी दी है। बता दें कि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सरकार की ओर से स्थापित किए जाने वाले आर्थिक क्षेत्रों को स्पेशल इकॉनामिक जोन यानि एऐ कहा जाता है। भारत सरकार ने 2005 में स्पेशल इकॉनामिक जोन बनाने की शुरूआत की थी। इसके तहत देश के कई राज्यों में सेज बनाये जा चुके हैं। लेकिन, बिहार में इसकी दूर-दूर तक कोई संभावना नहीं दिख रही थी। सेज से होने वाले निर्यात होने वाले सामान पर कस्टम ड्यूटी, एक्साइज ड्यूटी, आयकर , मिनिमन अल्टरनेट टैक्स, डिविडेंड डिस्ट्रीब्यूशन टैक्स कुछ भी नहीं लगता। लिहाजा उद्योगपति वहां निवेश करने को ज्यादा इच्छुक होते हैं। पिछ्ले 17 जून को ही बिहार के उद्योग और पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा ने केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात कर बिहार में दो जगहों पर सेज बनाने की मांग की थी। मंत्री को दिये गये ज्ञापन में नीतीश मिश्रा ने कहा था कि बिहार में 2 विशेष आर्थिक क्षेत्र की स्थापना से आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। पूंजी का निवेश होगा और लोगों को रोजगार मिल सकेगा।बिहार के उद्योग और पर्यटन मंत्री ने पश्चिम चंपारण और बक्सर में सेज बनाने का प्रस्ताव दिया था। बिहार सरकार ने कहा था कि पश्चिम चंपारण के कुमारबाग में राज्य सरकार ने करीब 337 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है. इस स्थान का प्रमुख भारतीय शहरों के साथ साथ नेपाल के साथ भी कनेक्टिविटी है। वहीं, बक्सर के नावानगर में भी राज्य सरकार एऐ के लिए जमीन देने को तैयार है. नावानगर का लोकेशन भी बेहतर है और यह अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक कॉरीडोर के बहुत करीब है अब केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बिहार में सेज बनाने को लेकर केंद्र की सहमति दे दी है। पीयूष गोयल ने बिहार के उद्योग और पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा को लिखे गये पत्र में कहा है कि बिहार सरकार ने जिन दो जगहों पर एऐ बनाने का प्रस्ताव दिया था, इसका निरीक्षण किया गया था और यह पाया गया है कि दोनों साइट प्रस्तावित सेज विकसित करने के लिए सही हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा है कि इन दोनों जगहों पर जमीन को लेकर कुछ जरूरी कागजात अभी भी बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण से मिलना बाकी है। केंद्रीय मंत्री ने अपने पत्र में कहा है कि जरूरी कागजातों की व्यवस्था करने में लगा है। जैसे ही ये दस्तावेज मिल जाते हैं वैसे ही वहां सेज लगाने का फाइनल प्रस्ताव भेजा जायेगा।

अधिकारी व शिक्षकों का वेतन रोकने वाले आईएएस केके पाठक की सैलरी रूकी

केटी न्यूज/पटना

शिक्षा विभाग में अपर मुख्य सचिव रहते हजारों शिक्षकों और शिक्षा विभाग अधिकारियों-कर्मचारियों के वेतन पर रोक लगाने वाले आईएएस केके पाठक की खुद की सैलरी रूक गयी है। पाठक को जून महीने का वेतन नहीं मिला है। हालांकि 2 जून से ही वे लगातार छुट्टी पर हैं। तीन दफे छुट्टी बढ़ा चुके पाठक का दो दफे तबादला भी हो चुका है। बता दें कि केके पाठक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव पद पर तैनात थे। मई के अंत में सरकारी स्कूलों को बंद करने को लेकर सरकार से विवाद हुआ। बिहार में उस समय हीट वेब चल रही थी। भीषण गर्मी में बच्चे बेहोश हो रहे थे लेकिन, पाठक सरकारी स्कूलों को खोले रखने की जिद पर अड़े थे। सीएम नीतीश कुमार ने मुख्य सचिव को आदेश देकर सरकारी स्कूलों को एक जून से 8 जून तक बंद कराया था। उसी दौरान केके पाठक 2 जून से 29 जून तक छुट्टी पर चले गये थे। इस बीच केके पाठक का वेतन रूक गया है। 13 जून को राज्य सरकार ने उनका ट्रांसफर कर दिया था। उन्हें शिक्षा विभाग से हटाकर दूसरे विभाग में भेज दिया गया है।

राजद के 28वें स्थापना दिवस पर लालू प्रसाद ने की थी भविष्यवाणी, अगस्त में गिरेगी एनडीए

बोले चिराग... लालू यादव नहीं करें चिंता, एनडीए करेंगी पांच साल पूरा

- ♦ लालू प्रसाद को इतनी जल्दबाजी करने की जरुरत नहीं, अभी इत्मिनान से रहें
- ♦ पीएम नरेंद्र के नेतृत्व में एनडीए का हर एक घटक दल पूरी मजबूती से इस सरकार के साथ

केटी न्यूज/पटना

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान लालू प्रसाद के उस बयान पर पलटवार किया, जिसमें लालू ने दावा किया था कि केंद्र की सरकार अगस्त महीने में गिर जाएगी। लालू के इस बयान पर चिराग ने कहा कि पांच साल तक सरकार चलेगी, उन्हें परेशान होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद को इतनी जल्दबाजी करने की जरुरत नहीं है, अभी इत्मिनान से रहें। पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए का हर एक घटक दल पूरी मजबूती से इस सरकार के साथ है। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर चिराग ने कहा कि जहां तक बिहार विधानसभा चुनाव की बात है तो हमलोग नीतीश कुमार के नेतृत्व में पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेंगे।

जितना कहेंगे उतनी आयु सरकार की बढ़ेगी: उपेंद्र कुशवाहा

पटना। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के संयोजक और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा काराकाट से लोकसभा चुनाव हार गये। लोकसभा चुनाव में अपनी हार पर उन्होंने कहा कि हमारे हार का कारण सबको मालूम है। उन्होंने कहा कि विधानसभा की तैयारी में राष्ट्रीय लोक मोर्चा जुट गयी है। आरजेडी के लोग मुगालते में है कि 2025 में वो जीतेंगे यह सवाल ही पैदा नहीं होता है। आरजेडी का दाल गलने नहीं देंगे चाहे कितना भी ख्याली पुलाव पका ले लेकिन बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनेगी। बिहार में डबल इंजन की सरकार फिर से 2025 में बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि लालू जी के कहने से सरकार गिरने वाली नहीं है। लालू जितना कहेंगे उतना सरकार की आयु बढ़ते जाएगी। आरजेडी को फिर से बिहार की जनता मौका देने नहीं जा रही है। बिहार की जनता उनके शासनकाल को देख चुकी है। इसलिए आरजेडी की दाल अब बिहार में नहीं गलने वाली। लालू यादव केवल जनता का दिग्भ्रमित करते है अपनी राजनीति के लिए।

लालू यादव से कमजोर नेता कोई नहीं : गिरिराज

पटना। आरजेडी के 28वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए लालू प्रसाद ने भविष्यवाणी की थी कि अगस्त के महीने में नरेंद्र मोदी की सरकार गिर जाएगी। लालू के इस बयान पर बीजेपी ने हमला बोला है। बेगूसराय के बीजेपी सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने लालू पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि लालू प्रसाद से कमजोर नेता कोई नहीं है क्योंकि जो नेता अपने परिवार तक ही सिमट गया उससे बड़ा कमजोर कोई नहीं है। लालू यादव को नीतीश कुमार का पैर छूकर प्रणाम करना चाहिए और नीतीश कुमार का फोटो लगा हुए एक लॉकेट गले में धारण कर लें। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार से 2015 में एक भूल हुई कि उन्होंने लालू फैमिली को नई राजनीतिक जिंदगी दी। इसलिए लालू प्रसाद नीतीश कुमार का फोटो लगा हुआ लॉकेट पहने नहीं तो फिर 22 पर जाकर लटक जाएंगे। इसलिए वह नीतीश कुमार का पैर छूकर प्रणाम करें।

बोले पीके...नीतीश की डबल इंजन की सरकार फेल

केटी न्यूज/पटना

बाढ़ का समाधान खोजने के लिए केंद्र की उच्चस्तरीय समिति ने बिहार के मंत्री से की मुलाकात इस पर प्रशांत किशोर ने तंज कसते हुए कहा कि नीतीश कुमार को डबल इंजन दीजिए या 4 इंजन, ये पूरी तरीके से फेल हो चुके हैं, बिहार का जल संसाधन मंत्रालय सत्ता में बैठी पार्टियों के लिए हजारों करोड़ लूटने का काम करती है। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जोरदार हमला बोला। प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार पूरी तरह से फेल है। जबसे नीतीश कुमार सरकार में हैं तब से डबल इंजन के भरोसे चल रहे हैं। नीतीश कुमार की पार्टी का जो इंजन है वो पूरी तरीके से फेल हो गया है वो खुद फेल हो गए हैं। ऐसे में आप इसमें 4 इंजन भी लगा देंगे तो इससे कुछ नहीं मिलने वाला। समस्तीपुर जिले के पत्रकारों से बातचीत में प्रशांत किशोर ने कहा कि आज बिहार का जल संसाधन विभाग है जिसे सफेद हाथी कहते हैं उसका काम ही यही है कि बाढ़ में पैसा कमाओ, सुखाड़ में पैसा कमाओ और दोनों से जब न हो तो जल जमाव से पैसा कमाओ। बिहार में जल प्रबंधन विभाग नहीं है जल कुप्रबंधन विभाग है। बिहार की 50 प्रतिशत जमीन बाढ़ से प्रभावित है और बची 50 प्रतिशत जमीन या तो सुखाड़ या फिर जल जमाव से प्रभावित है। जल संसाधन बिहार में कमाने का सबसे बढ़िया जरिया है। जो भी सत्ता में रहता है चाहे जिस गठबंधन में रहे वो जल संसाधन मंत्रालय किसी को नहीं देता है, क्योंकि यहां से हजारों करोड़ रुपये कमाने के काम आता है।

ई-रिक्शा से स्कूल जा रही छात्राओं से शिक्षा विभाग के एसीएस ने पूछा.... कितने बजे से चलता है स्कूल

केटी न्यूज/पटना

आईएएस अधिकारी डॉ.एस सिद्धार्थ जब से शिक्षा के अपर मुख्य सचिव बने हैं, तब से वो भी केके पाठक की तरह सुर्खियों में बने हुए हैं। आए दिन वे स्कूलों में औचक निरीक्षण करने पहुंच रहे हैं। यही नहीं सड़क पर ही निरीक्षण करने लगते हैं। कहीं स्कूली बच्चे नजर आते हैं तो वो उनसे बात करने लगते हैं और स्कूल में होने वाली पढ़ाई का फीडबैक लेने लगते हैं। पूछने लगते हैं कि स्कूल में किसी तरह की कोई समस्या तो नहीं है। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव लगातार निरीक्षण करते देखे जा रहे हैं। इस बार वो पटना में राजभवन के पास ई-रिक्शा से स्कूल जाती कुछ छात्राओं पर उनकी नजर पड़ी तो तो उनके पास पहुंच गये और उनसे पूछताछ करने लगे कि कितने बजे स्कूल है। छात्राओं ने कहा कि 9 बजे से है। उन्होंने लेट होने की वजह भी जानने की कोशिश की। ई-रिक्शा में बैठी छात्राएं उन्हें नहीं पहचान पाई। ई-रिक्शा का ड्राइवर उस वक्त अपनी गाड़ी में नहीं था सिर्फ छात्राएं दिख रही थी तब उन्होंने पूछा कि ई-रिक्शा वाला कहां गया। वो भी ड्राइवर को खोजने लगते हैं। तभी थोड़ी देर बाद ई-रिक्शा का ड्राइवर पहुंचता है। जो एस सिद्धार्थ को पहचान जाता है। ई-रिक्शा वाले की नजर एसीएस पर जैसे ही गई वो नमस्ते करने लगा। तब एस सिद्धार्थ उससे पूछते हैं कि स्कूल को स्कूल जाना है देरी क्यों कर रहे हो। बता दें कि दो दिन पहले शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ट्रेन की स्लीपर बोगी में खड़ा होकर दानापुर से भोजपुर के बिहिया गये थे। इस दौरान ट्रेन में सवार यात्रियों से उन्होंने बिहार की शिक्षा व्यवस्था को लेकर राय जानने की कोशिश की। वही बिहिया स्टेशन पर उतने के बाद फुटपाठ के दुकानदारों से भी बातचीत की। फिर स्कूल के लिए पैदल ही निकल गये। इस दौरान भी छात्राओं से उन्होंने बातचीत की। पूछा कि स्कूल टाइम में बाहर क्यों निकली हो। तब छात्राओं ने कहा कि लंच टाइम है इसलिए कुछ काम से निकले थे। उस वक्त भी छात्राओं ने उन्हें नहीं पहचाना था लेकिन जब उसी स्कूल का निरीक्षण करने पहुंचे। लगातार हो रहे निरीक्षणों से सरकारी स्कूल के शिक्षकों में हड़कंप मच गया है।

अंधविश्वास के चक्कर में हो गई बड़ी डकैती, 11 डकैत गिरफ्तार

पटना। कटिहार के आजमनगर थाना क्षेत्र के जजला गांव में बीते 9 मार्च को शेख जगदीश के घर में डकैती की घटना को अंजाम दिया गया था। डकैती के दौरान डकैतों ने ताबड़तोड़ फायरिंग और बमबाजी की घटना को भी अंजाम दिया था। इस मामले में एसपी द्वारा गठित टीम ने 8 अपराधियों को गिरफ्तार किया है जबकि तीन अपराधियों को पूर्णिया पुलिस ने गिरफ्तार किया है।पुलिस के मुताबिक, कुल 29 अपराधियों ने डकैती का इस वारदात को अंजाम दिया था, जिसमें अबतक कुल 11 अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि आजमनगर थाना क्षेत्र स्थित जजला गांव में शेख जरदिश के घर में डकैती की घटना को अंजाम दिया गया था। इस घटना में अपराधियों के द्वारा फायरिंग की गई थी। साथ ही देसी बम भी फोड़ा गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए कटिहार एसपी केद्वारा एसआईटी टीम का गठन किया गया।

दो दिवसीय कार्यशाला सभी चिकित्सकों और प्रतिभागियों को मिला प्रशिक्षण

कटे होंठ और तालु के रोगियों को शल्य चिकित्सा से किया जा सकता है ठीक, नहीं होती परेशानी: श्रीरेंगा

- ♦ संगोष्ठी के दूसरे दिन डॉक्टरों ने क्लेफ्ट के बारे में महत्वपूर्ण मुद्दों पर की बातचीत

केटी न्यूज/पटना

इंडियन ऑर्थोडॉन्टिक सोसाइटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय क्लेफ्ट संगोष्ठी का दूसरा दिन शनिवार को पहले दिन की तरह ही जोश और उत्साह के साथ शुरू हुआ और भव्यता के साथ इसका समापन हो गया। संगोष्ठी के दूसरे दिन की शुरुआत प्रतिभागियों के लिए एक प्रश्नोत्तरी सत्र के साथ हुई, जिसके बाद डॉ. श्रीरेंगा लक्ष्मी का व्याख्यान हुआ। जिसमें कटे होंठ और तालु के रोगियों के लिए व्यापक देखभाल दृष्टिकोण पर चर्चा की गई, जो शल्य चिकित्सा या चिकित्सीय हस्तक्षेप के बिना व्यस्कता तक पहुंच गए थे। इसके बाद डॉ. ओपी खरबंदा का व्याख्यान हुआ। जिन्होंने प्रतिनिधियों और प्रतिभागियों को द्विपक्षीय कटे होंठ और तालु के रोगियों को संभालने में आने वाली चुनौतियों से अवगत कराया और इस बात पर जोर दिया कि महत्वपूर्ण विश्लेषण और विचारशील प्रबंधन से अच्छे परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

वहीं, डॉ. पुनीत बत्रा और डॉ. गजानन शानबाग द्वारा एक और शिक्षण सत्र में संबोधन हुआ, जिन्होंने कटे होंठ और तालु के प्रारंभिक प्रबंधन में महत्वपूर्ण चरणों के बारे में बताया और प्रतिनिधियों और प्रतिभागियों को नेसोलेवोलर मोल्डिंग उपकरण के निर्माण पर प्रशिक्षित किया। इसके बाद डॉ. शेरी पीटर का व्याख्यान हुआ, जिन्होंने प्रतिनिधियों को कटे होंठ और तालु के उपचार के शल्य चिकित्सा पहलू पर प्रकाश डाला। सत्र का अंतिम व्याख्यान डॉ. प्रियंकर सिंह का था, जिन्होंने वेलोफेरीन्जियल अपर्याप्तता वाले बच्चों के उपचार में वर्तमान रुझानों पर चर्चा की और सर्जिकल परिणामों की हालिया रिपोर्ट की समीक्षा की। इसके साथ ही दो दिवसीय समृद्ध और चिकित्सकीय रूप से कुशल राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन क्लेफ्ट से प्रभावित लोगों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में काम करने की आशा के साथ हुआ। संगोष्ठी के अध्यक्ष डॉ. अमेश गोलवारा बताते हैं कि दो दिवसीय कार्यशाला सभी चिकित्सकों और प्रतिभागियों के लिए उनके नैदानिक फांक रोगियों के लिए उपयोगी है। डॉ. नील भरत केडिया और राजीव लाल ने प्रतिभागियों और विजेता प्रतिनिधियों के बीच प्रमाण पत्र वितरित किये। डॉ राशि, डॉ अंजलि, डॉ ऋचा श्री और डॉ पल्लवी ने वैज्ञानिक कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया। डॉ. सुधीर और डॉ. अमित ने पूरे भारत से आने वाले प्रतिभागियों और वक्ताओं को धन्यवाद दिया।

भव्या पोर्टल पर 10 से कम ओपीडी करने वाले डॉक्टरों से शो-कॉज करें: डीएम

केटी न्यूज/बक्सर

जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में शनिवार को स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में की गई। बैठक के शुरूआत में मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम के संबंध में समीक्षा की गई। जिसमें जिलें के संस्थागत प्रसव का प्रतिशत 26.97 है। इस पर जिला पदाधिकारी द्वारा नाराजगी जाहिर करते हुए निजी एवं गैर सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले बच्चों के आंकडों की प्रविष्टि पोर्टल पर करने का निर्देश दिया। साथ ही जिलें में गैर कानूनी तरीके से प्रसव कार्य में संलिप्त व्यक्तियों व संस्थानों की अद्यतन सूची उपलब्ध कराने का

♦ सीएस व डीपीएम को अस्पताल के गेट पर मोबाईल नंबर व दलालों से सावधान का बैनर लगाने का दिया निर्देश

निर्देश दिया। ताकि उनके विरुद्ध प्रशासनिक कार्रवाई की जा सकें।

सम्मानित होंगे टेली परामर्श में बेहतर करने वाले दो डॉक्टर : टेली परामर्श की समीक्षा की गई। बक्सर जिलें का प्रतिशत 97.34 है। टेली परामर्श में बेहतर कार्य करने वाले दो चिकित्सकों को प्रशस्ति पत्र देने का निर्णय लिया गया। साथ ही शून्य टेली परामर्श वाले दो चिकित्सकों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

सदर अस्पताल बक्सर एवं अनुमंडलीय अस्पताल डुमरांव के प्रबंधन की समीक्षा करते हुए उसे और अधिक बेहतर करने का निर्देश दिया गया। वही, महिला बंध्याकरण की समीक्षा की गई। जो वर्ष 2023-24 में 56.86 प्रतिशत था। सिविल सर्जन बक्सर को निर्देश दिया गया कि आशा कार्यकताओं, बीएचएम एवं बीसीएम के साथ समीक्षा कर महिला बंध्याकरण के लिए साप्ताहिक लक्ष्य निर्धारित करते हुए प्रगति प्राप्त करने को कहा गया।

जीविका के माध्यम से कपड़ा धुलाई का काम शीघ्र शुरू करने का निर्देश : सदर अस्पताल बक्सर एवं अनुमंडलीय अस्पताल डुमरांव में जीविका के माध्यम से साफ-सफाई एवं कपड़ा धुलाई के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया गया कि उक्त कार्य को शीघ्र प्रारंभ कराना सुनिश्चित करेंगे। जिला पदाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि स्वास्थ्य संस्थान के सभी कर्मियों को आमजनों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करने के लिए प्रशिक्षित व उन्मुखीकरण करना सुनिश्चित करेंगे। जिला पदाधिकारी ने सदर अस्पताल बक्सर एवं अनुमंडलीय अस्पताल डुमरांव के तर्ज पर सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में भी बायोमेट्रिक उपस्थिति लागू करवाना सुनिश्चित करेंगे। जिला पदाधिकारी द्वारा भव्या पोर्टल पर जिन डॉक्टरों की ओपीडी 10 से कम है, उनसे स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा सिविल सर्जन बक्सर को सप्ताह में दो दिन स्वास्थ्य संस्थानों का औचक निरीक्षण कर समीक्षा करने का निर्देश दिया गया। साथ ही सदर अस्पताल बक्सर के मेन गेट पर सिविल सर्जन एवं डीपीएम का मोबाइल नम्बर एवं दलालों से सावधान का बैनर या पोस्टर लगाने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा पिछले कुछ दिनों में अनुपस्थिति या देर से आने पर कुल छह डॉक्टरों का वेतन रोका गया है। साथ ही सिविल सर्जन बक्सर को स्पष्टीकरण पूछते हुए प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया गया। सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लक्ष्य, एनक्यूएएस, कायाकल्प प्रमाणन के लिए बीएचएम को नोडल बनाया गया है। साथ ही इस कार्य के लिए डीपीएम बक्सर को नोडल नियुक्त किया गया है।

भीम आर्मी ने एनएच जाम कर किया थाने का घेराव, आधा घंटे तक आवागमन बाधित

डुमरांव। शुक्रवार को आजाद समाज पार्टी के बैनर तले भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने डुमरांव थाना के पास एनएच 120 को जाम करते हुए थाने का घेराव किया। यह घेराव भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष सुरेश राम के नेतृत्व में किया गया था। इस दौरान भीम आर्मी ने आरोप लगाया कि अनुमंडल के विभिन्न थानों में दर्ज अनुसूचित जाति व जनजाति के उत्पीड़न के संबंधित मामलों को पुलिस दबा दे रही है। आरोपितों को गिरफ्तार नहीं किया जाता है। कई मामलों को पुलिस ने फॉल्स करार दिया है। जिससे दबंगो का मन बढ़ रहा है तथा अनुसूचित जाति व जनजाति पर अत्याचार के मामले भी बढ़ रहे है। इस दौरान आधा घंटे तक सड़क जाम कर भीम आर्मी ने डुमरांव बिक्रमगंज पथ पर परिचालन बाधित कर दिया था। इसके बाद सभी कार्यकर्ता थाना में पहुंचे। सड़क जाम के दौरान ही डुमरांव थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत ने उन्हें समझाने का प्रयास किया। लेकिन वे डीएसपी से मिलना चाह रहे थे। इसकी जानकारी मिलते ही डुमरांव डीएसपी थाना पहुंचे तथा उनके प्रतिनिधियों से बात कर उन्हें वस्तुस्थिति समझाया। डीएसपी ने बताया कि मामलों का पर्यवेक्षण व अनुसंधान पूरे पारदर्शी तरीके से किया जाता है। डीएसपी ने कहा कि जो मामले जांच में सत्य प्रतीत होते है उनमें आरोपितों पर पुलिस जरूर कार्रवाई करती है। लेकिन जिन मामलों का साक्ष्य नहीं मिलता है वहा पुलिस क्या कर सकती है। डीएसपी के समझाने बुझाने के बाद भीम आर्मी के कार्यकर्ता शांत हुए तथा वहां से वापस घर लौटे। हालांकि इस दौरान करीब एक घंटा तक स्टेशन रोड में परिचालन बाधित रहा।

भ्रष्ट कर्मी पर बीडीओ करेंगे कार्रवाई

डुमरांव। प्रखंड कार्यालय नंदन गांव के लोग जन्म प्रमाण पत्र लेने के लिए गए हुए थे। जन्म प्रमाण पत्र वितरण करने वाले कर्मी ने उनसे प्रति प्रमाण पत्र के लिए एक सौ रुपए का डिमांड किया। प्रमाण पत्र लेने वाले लोग उससे जो पैसा लगता है, उसका रशीद काट देने के लिए आग्रह किया, लेकिन कर्मी कुछ भी सुनने के लिए तैयार नहीं था। फिर वहां आरटीआई एक्टिविस्ट हरेकृरष्ण यादव कुछ साथियों के साथ पहुंच कर्मी से प्रमाण पत्र देने के लिए आग्रह किये, लेकिन कर्मी उनसे भी एक सौ रुपए देने के बाद भी प्रमाण पत्र देने की बात कही। फिर सभी लोग नाराज होकर धरने पर बैठ गए। धरने पर बैठने से पहले उनलोगों द्वारा एसडीओ राकेश कुमार को इसकी सूचना दे दी गई थी। एसडीओ ने तत्काल बीडीओ राकेश कुमार को फोन कर धरना स्थल पर पहुंच जानकारी लेने की बात कह सही बात होने पर कर्मी पर कार्रवाई करने के लिए आदेशित किया। एसडीओ का जैसे ही आदेश मिला बीडीओ पहुंच सारी जानकारी हासिल किये। बीडीओ ने बताया कि यह कर्मी का पहली गलती नहीं है, कईबार इस पर इस तरह के आरोप लग चुके हैं। बीडीओ ने धरना पर बैठे लोगों को आश्वासन दिया की कर्मी पर कार्रवाई होगी, फिर उनलोगों का बना प्रमाण पत्र दिया गया। वहीं पर प्रमाण पत्र लेने के लिए डुमरांव निवासी दीपक कुमार भी अपने भगीनी के साथ पहुंचे हुए थे। उन्होंने ने भी कर्मी की शिकायत की थी। एसडीओ और बीडीओ द्वारा कर्मी पर तत्काल कार्रवाई किये जाने से लोगों में काफी खुशी थी।

राज हाई स्कूल में शिक्षक अभिभावक गोष्ठी आयोजित

डुमरांव। शनिवार को स्थानीय राज प्लस टू उच्च विद्यालय परिसर में शिक्षक अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक अनुराग मिश्र ने किया। गोष्ठी में विद्यालय के शिक्षकों के अलावे सैकड़ो अभिभावक व छात्र उपस्थित हुए। इस दौरान अभिभावकों ने कई बिंदुओं पर विद्यालय प्रबंधन का ध्यान आकृष्ट कराया। मुख्य रूप से अभिभावकों ने बच्चों को अधिक गृह कार्य देने की बात कही। जबकि अभिभावकों ने विद्यालय के पठन-पाठन तथा सरकार प्रायोजित योजनाओं के लाभ मिलने पर संतुष्टि जताई। वही प्रधानाध्यापक अनुराग ने कहा कि उनका प्रयास रहता है कि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाए। उन्होंने मौजूद अभिभावकों से अपने बच्चों को नियमित तथा समय से स्कूल भेजने की अपील की। प्रधानाध्यापक ने छात्रों से स्कूल डेज्स में आने की बात कही और कहा कि स्कूल डेज्स से एकता और अनुशासन झलकता है। मौके पर विद्यालय के शिक्षक ब्रजेश चौबे, रीना सिंह, संतोष उपाध्याय, संजय रंजन सिन्हा, अभयानंद प्रजापति, राजेश कुमार, केबी प्रसाद, उपेन्द्र कुमार, तेज प्रताप सिंह, डॉ. कविता कुमारी, कुमारी श्वेता, नफीशा नाज आदि शिक्षक के अलावे सैकड़ो अभिभावक व छात्र मौजूद थे। गौरतलब है कि शिक्षा विभाग द्वारा प्रत्येक शनिवार को शिक्षक अभिभावक गोष्ठी कराने का निर्देश दिया गया है।

केसठ के ग्रामीणों ने सीओ से नाली के रोके गए पानी के निकास का लगाया गुहार

केसठ। प्रखंड के रामपुर पंचायत अंतर्गत कुलमनपुर गांव में वार्ड नंबर 8 के ग्रामीणों ने अंचलाधिकारी को आवेदन दे नाली के रोके गए पानी की निकासी गुहार लगाई है। वार्ड नंबर 8 के ग्रामीणों ने हस्ताक्षर युक्त आवेदन अंचलाधिकारी को आवेदन दे कहा है कि गांव के गौरीशंकर यादव, राजकुमार गोड द्वारा वर्षो से बह रहे नाली के पानी को रोक दिया गया है। जिससे मुहल्ले में जल जमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। वही इससे मुहल्ले में संक्रमक बीमारी होने की संभावना बढ़ गई है। वही जल जमाव से लोगो को आने जाने में भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दिए गए आवेदन में बताया गया है कि उप सरपंच कबूतरी देवी, रविन्द्र सिंह, काशीनाथ सिंह के घर का पानी वर्षो से बहता था, जिसे रोक दिया गया है। जिससे शांति भंग होने की संभावना बना हुआ है। ग्रामीणों ने अविलंब निदान की गुहार अंचलाधिकारी से लगाई है। आवेदन देने वालों में वार्ड सदस्य गजेन्द्र सिंह, सुमन कुमार, अजय सिंह, संजय सिंह, नेपाली सिंह, रामावती देवी सहित दर्जनों लोगों शामिल है। इस संबंध में जानकारी देते हुए अंचलाधिकारी अभिषेक गर्ग ने बताया की ग्रामीणों द्वारा आवेदन मिला है। संबंधित राज्य कर्मचारी को जांच करने के लिए निर्देश दिया गया है। जांच में पाए जाने वाले लोगों पर कार्रवाई की जाएगी।

खबरें फटाफट

पॉस्को एक्ट के आरोपित की संपत्ति हुई कुर्क

डुमरांव। नया भोजपुर ओपी पुलिस ने शनिवार को पॉस्को एक्ट के फरार अभियुक्त के घर कुर्की जब्ती की कारवाई की है। जानकारी के अनुसार अभियुक्त शिवम कुमार ने अपने पड़ोस की एक 14 वर्षीय किशोरी को बहला फुसलाकर लेकर फरार हो गया था। किशोरी के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर अभियुक्त की गिरफ्तारी का प्रयास किया था, लेकिन वह फरार हो गया। पुलिस ने उसकी मां को भी गिरफ्तारि कर जेल भेजा था। वहीं मामले में न्यायालय के आदेश पर उसकी संपति कुर्क की गई।

नाइट ब्लड सर्वे शुरू

केसठ। प्रखंड के स्थानीय गांव में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत शुक्रवार की रात ब्लड नाइट सर्वे कार्य शुरू हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. विनय कुमार, राजद के वरिष्ठ नेता सुनिल कुमार यादव उर्फ पप्पू यादव और पंचायत मुखिया अरविंद कुमार यादव उर्फ गामा पहलवान ने संयुक्त रूप से किया। चिकत्सा पदाधिकारी ने बताया कि 5 जुलाई की रात से फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत नाइट ब्लड सर्वे कार्य शुरु किया गया है। मौके पर एएनएम, आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी सेविका आदि मौजूद थे।

शिक्षा व्यवस्था पर की गई चर्चा

केसठ। प्रखंड के विभिन्न प्राथमिक विद्यालय व मध्य विद्यालयो में शनिवार को विभाग के निर्देश के आलोक में शिक्षक अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अनुसूचित मध्य विद्यालय केसठ में संगोष्ठी का शुभारंभ विद्यालय के एचएम लालबाबू प्रसाद द्वारा संगोष्ठी में आए सभी अभिभावकों का स्वागत कर किया। शिक्षक सुनील कुमार व सतेंद्र कुमार ने उपस्थित अभिभावकों को टीएलएम किट एवं विद्यालय में संचालित शिक्षण गतिविधियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि अभिभावकों को अपने बच्चों के शिक्षण गतिविधियों का सतत अनुश्रवण करना चाहिए ताकि बच्चे अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सके।

अपराधियों ने मुरार थाना क्षेत्र के चौगाईं पहला मोड़ के समीप दिया घटना को अंजाम

हथियार के बल पर मोबाईल दुकान से दो लैपटॉप की लूट, जांच में जुटी पुलिस

♦ पुलिस का दावा- चिन्हित कर लिए गए हैं लूटेरे, जल्द होगी उनकी गिरफ्तार

केटी न्यूज/चौगाईं

शुक्रवार की देर शाम मुरार थाना क्षेत्र के चौगाईं गांव के पंजाब नेशनल बैंक से कुछ दूरी पर पहला मोड़ के पास स्थित निशा मोबाईल दुकान से हथियारबंद लूटेरों ने दो लैपटॉप लूट लिए। जानकारी के अनुसार तीन की संख्या में लूटेरे ग्राहक बन दुकान में आए थे तथा दुकानदार से मोबाईल पर कवर ग्लास लगाने की बात कह उसे पहले उलझाने का प्रयास किए तथा इसी दौरान उनकी नजर दुकान के अंदर रखे लैपटॉप पर पड़ी। एक लूटेरे ने अपने कमर से देशी कट्टा निकाल दुकानदार के कनपटी पर सटा दिया तथा उसके दो अन्य साथी एक एक लैपटॉप उठा लिए। दुकानदार कुछ समझ पाता तथा मदद की गुहार लगाता तबतक हवा में कट्टा लहराते हुए तीनों अपराधी पतली गली के रास्ते भाग निकले।

घटना के बाद दुकान के बाहर चर्चा करते स्थानीय ग्रामीण।

उनके जाने के बाद दुकानदार ने आस पास के दुकानदारों तथा स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दी। सरेशाम लूट की इस वारदात की जानकारी मिलते ही तत्काल मुरार पुलिस हरकत में आई। थानाध्यक्ष कमल नयन पांडेय खुद मामले की जांच करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने दुकानदार से लूटेरों का हुलिया पूछा। पूछताछ के बाद थानाध्यक्ष ने बताया कि इलाके में आतंक का पर्याय बना कुख्यात मंगरा कमकर गिरोह ने इस घटना को अंजाम दिया है। उन्होंने कहा कि इसके पहले भी वह दिनदहाड़े एक शिक्षिका से लूट की घटना को अंजाम दिया था। इसके अलावे भी वह कई संगीन मामलों में वांछित है। पुलिस जज्दी ही उसे गिरफ्तार कर लेगी। इस संबंध में शनिवार को दुकान संचालक अजय राम ने मंगरा कमकर तथा दो अज्ञात अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराया है। उसने बताया कि अपराधियों ने लेनेबो व डेल कंपनी का एक-एक लैपटॉप लूटा है। जिसकी कीमत करीब 60 हजार रूपए है।

मंगरा के गिरेबां तक पहुंची पुलिस, कभी भी हो सकती है गिरफ्तारी : इस घटना को पुलिस ने चुनौती के रूप में लिया है। घटना की जानकारी मिलते ही डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने तत्काल मंगरा कमकर को गिरफ्तार करने के लिए एक टीम का गठन कर उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी के निर्देश दिए। इस निर्देश पर रात से ही पुलिस उसके ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। पुलिस सूत्रों की मानें तो मंगरा का ठिकाना पुलिस के निशाने पर है, पुलिस कभी भी उसे गिरफ्तार कर सकती है।

लूट की घटना के बाद दहशत में व्यवसायी

चौगाईं तथा आस पास के इलाके में सरेआम लूट की घटना के बाद इलाके के व्यवसाई दहशत में है। हथियारबंद अपराधियों ने जहां लूट पाट की घटना को अंजाम दिया है वहा से कुछ ही दूरी पर पंजाब नेशनल बैंक स्थित है तथा आस पास में कई व्यवसायिक प्रतिष्ठाने भी है। अपराधियों के दुस्साहस से बैंक तथा अन्य प्रतिष्ठानों की सुरक्षा पर सवाल खड़ा हो गया है। यहां बता दें कि शुक्रवार की देर शाम चौगाईं डुमरांव मार्ग पर बड़की बागीचा के समीप ठोरी पांडेयपुर के एक युवक से पांच की संख्या में अपराधियों ने मोबाईल व साइकिल छिनने का प्रयास भी किया था, लेकिन शोरगुल सुनकर सभी अपराधी भाग निकले।

घटना को पुलिस चुनौती के रूप में ली है :

“ दुकान में सरेआम लूटपाट की घटना को पुलिस चुनौती के रूप में ली है। दुकानदार के बयान पर एफआईआर दर्ज कर लिया गया है और गिरोह सरगना को चिन्हित कर लिया गया है। जल्दी ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

- अफाक अख्तर अंसारी, डीएसपी, डुमरांव

लूटकांड में दस दिनों बाद भी नही मिला सुराग

डुमरांव। नया भोजपुर ओपी थाना क्षेत्र में 10 दिन पूर्व हुए फाइनेंस कर्मी लूटकांड में पुलिस को अब तक कोई सुराग नही मिल सका। पुलिस की टीम अज्ञात लुटेरों की पहचान कर रही हैं। लुटेरे पीड़ित से बाइक सहित 1.80 लाख की राशि लेकर फरार हो गये थे। पीड़ित ने इस मामले में नया भोजपुर ओपी में आवेदन देकर तीन अज्ञात लुटेरों के खिलाफ केस दर्ज कराया था। बताया जाता है कि पीड़ित रामेश्वर साह के पुत्र मंटू कुमार भोजपुर जिले के अगियांव बाजार का रहने वाला है। वह भारत फाइनेंसियल लिमिटेड डुमरांव शाखा में फील्ड ऑफिसर के रूप में कार्यरत है।

कुरियर ट्रक से मिली लाखों रुपये की अंग्रेजी शराब, जब्त

केटी न्यूज/बक्सर

वीर कुंवर सिंह पुल स्थित उत्पाद चेक पोस्ट पर उत्पाद पुलिस की टीम ने जांच के दौरान कुरियर ट्रक से कुरियर सामान के बीच रखे तीन लाख रुपए मूल्य की शराब बरामद की। वही, ट्रक चालक तथा सह चालक को गिरफ्तार कर लिया गया। मिली जानकारी के अनुसार कुरियर व उसमे रखी शराब चंडीगढ़ से पटना के लिए चली थी। यूपी के रास्ते बिहार की सीमा में प्रवेश करते ही डीटीडीसी कुरियर ट्रक की तलाशी ली गई।

इस दौरान कुरियर के सामान के बीच उसी समान अंग्रेजी शराब की कार्टून रखी गई थी। शक के आधार पर जब कार्टून खोल कर चेक किया गया तो इसमें शराब की बोतल थी। जिसे जब्त कर लिया गया। शराब की खेप लेकर जा रहे ट्रक चालक ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र निवासी अनिल कुमार एवं सहचालक सुजीत कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। उत्पाद अधीक्षक दिलीप कुमार पाठक ने बताया कि गंगा पुल पर उत्तर प्रदेश के रास्ते से आ रही डीटीडीसी कुरियर वाहन चेक किया गया जिसमें 40 कार्टून शराब बरामद की गई है। इस ट्रक पर कुरियर के करोड़ों रुपए के सामान रखे गए हैं। फिलहाल इसे बरामद किया गया है। कोर्ट के आदेश पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ब्रह्मपुर थाने में जब्त शराब की हेराफेरी करने वाला दरोगा और सिपाही बर्खास्त

♦ एसपी के निर्देश पर पांच पुलिसकर्मियों पर दर्ज हुआ था एफआईआर

केटी न्यूज/बक्सर

थाने में जब्त शराब के हेराफेरी के आरोपी दरोगा तथा सिपाही को जांच के बाद एसपी मनीष कुमार ने बर्खास्त कर दिया है। बर्खास्त पुलिसकर्मियों में दरोगा कुंवर कन्हैया तथा सिपाही विकास कुमार शामिल है। एसपी ने प्रेस रिलीज जारी कर इसकी जानकारी दी है। बता दें कि 12 सितंबर 2023 को ब्रह्मपुर पुलिस ने पुरवा गांव के पास से शराब लदी एक कंटेनर को जब्त किया था। जिसमें बरामद शराब को ब्रह्मपुर थाने के मालखाने में रखा गया था।

18 सितंबर की रात बक्सर एसपी मनीष कुमार व डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी को सूचना मिली थी कि ब्रह्मपुर थाने में जब्त शराब की पुलिसकर्मियों द्वारा हेराफेरी की जा रही है। सूचना पर रात में ही एसपी व डीएसपी मामले की जांच करने ब्रह्मपुर पहुंचे थे। एसपी-डीएसपी की जांच में मालखाने से निकाल शराब की कुछ बोतलों को दूसरे जगह पर रखा पाया गया था। जिसके बाद एसपी के निर्देश पर तत्कालीन थानाध्यक्ष बैजनाथ चौधरी, दरोगा कुंवर कन्हैया, सिपाही विकास कुमार व दो चौकीदारों शशिकांत यादव व रविशंकर राय के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज किया गया था तथा दरोगा कंवर कन्हैया व सिपाही विकास कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। इस घटना से पूरे जिले में पुलिस महकमे की किरकिरी हुई थी। मामले की जांच में शराब के हेराफेरी में उक्त दरोगा तथा सिपाही की भूमिका संदिग्ध मिला। जिसके बाद दोनों को बर्खास्त कर दिया गया है। एसपी ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे गलती करने वाले पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई होना तय है। गौरतलब है कि अभी हाल ही में बक्सर के वीर कुंवर सिंह चेकपोस्ट पर तैनात होमगॉर्ड के दो जवानों को शराब तस्करों के सांट-गाठ के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

डिहरी में आयोजित आईवीबीएस बॉडी बिल्डिंग मेस चौंपियंसशिप 2024 में मंटू ने लिया हिस्सा

डुमरांव के बॉडी बिल्डर ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पाया चौथा स्थान

केटी न्यूज/डुमरांव

आज की इस भागदौड़ भरी और मोबाइल के इर्द-गिर्द सिमट चुकी जिंदगी के बीच लोग इस कदर उलझ चुके हैं कि वे खुद की सेहत के प्रति भी फिक्रमंद नहीं है। वहीं इन सबके बीच एक ऐसे शख्स भी है, जिन्होंने न केवल फिटनेस को अपनाया है, बल्कि इसी के बूते उन्होंने नाम और शोहरत हासिल करने की तमन्ना पाल रखी है।

हम बात कर रहे हैं, डुमरांव के दक्षिण टोला के रहनेवाले सुदामा राय के बेटे मंटू राय की। 27 वर्षीय मंटू राय ने हाल ही में डिहरी में आयोजित आईवीबीएस बॉडी बिल्डिंग मेस चौंपियंसशिप 2024 में हिस्सा लेकर पूरे बिहार में चौथा स्थान हासिल किया है। प्रदेश स्तरीय इस प्रतियोगिता में इस उपलब्धि के जरिए मंटू राय ने बक्सर जिले और मां डुमरेजनी की धरती डुमरांव को गौरवांन्वित किया है।

60 किलोग्राम भार वर्ग में अजमाया हाथ

बॉडी बिल्डिंग चैंपियंसशिप के सफर के बारे में मंटू ने बताया कि उन्होंने पहली बार किसी बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लिया है। हालांकि उन्हें यकीन नहीं था कि उन्हें चौथा स्थान हासिल होगा। उन्होंने कहा कि पुरस्कार पाकर जिंदगी में आगे बढ़ने और नए मुकाम हासिल करने की प्रेरणा मिली है। लक्ष्य के बारे में कहा कि अब अगला फोकस 70 किलोग्राम भार वर्ग में हिस्सा लेकर जिले का नाम रौशन करना है। उन्होंने बताया कि चैंपियंसशिप का सफर आसान नहीं है। इसके लिए प्रतिदिन करीब दो घंटे की कठिन मेहनत, अच्छी डाइट को जीवन का हिस्सा बनाना पड़ता है। बॉडी बिल्डिंग के लिए बॉडी के हर शेप पर ध्यान देना होता है। इसका फायदा यह होता है कि इससे न केवल आपकी बॉडी दिखने में आकर्षक हो जाती है, बल्कि आप खुद को तंदरूस्त बनाते है।

युवाओं को दिया फिटनेस मंत्र : डुमरांव के फिटनेस फॉर यू जिम में फिटनेस ट्रेनर के रूप में सेवा दे रहे मंटू राय ने लोगों को संदेश दिया है कि आप चाहे जिस भी आयु के हो, अपने शरीर को रोगों से बचाने के लिए इसे फिट बनाए। एक्सरसाइज को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाए, अच्छी डाइट लें। बेहतर होगा कि आप जिम ज्वाइन करें। इससे आपको दूसरों को देखकर एक्सरसाइज करने की प्रेरणा जगेगी। आपके शरीर को स्वस्थ्य बनाने में ट्रेनर भी आपका साथ देंगे।

लक्ष्य की प्राप्ति नहीं होने पर फ्रंट लाइन वर्कर पर होगी कार्रवाई, पखवाड़ा के बाद होगी समीक्षा

विकास मित्र तीन-तीन तथा जीविका दीदियां व सेविकाएं कराएंगी एक-एक बंध्याकरण: बीडीओ

- मिशन परिवार विकास योजना के तहत जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा के संचालन को लेकर नावानगर बीडीओ ने की बैठक
- बोले बीडीओ... महिला बंध्याकरण के साथ साथ पुरुषों को नसबंदी के लिए करें प्रेरित

बैठक में शामिल नावानगर बीडीओ, एमओआईसी, मुखियागण, कर्मचारी व अन्य।

केटी न्यूज/नावानगर

मिशन परिवार विकास अभियान के तहत जिले में जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रयास किये जा रहे हैं। जिसके तहत 27 जून से लेकर 10 जुलाई तक सामुदायिक उत्प्रेरक पखवाड़ा मनाया जा रहा है। वहीं, 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस के साथ साथ जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का संचालन किया जाएगा। इस क्रम में शनिवार को नावानगर प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार की अध्यक्षता में ब्लॉक लेवल टास्क फोर्स की बैठक संपन्न हुई। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने सभी विकास मित्र, जीविका दीदियों व आंगनबाड़ी सेविकाओं को ज्यादा से ज्यादा लोगों को प्रेरित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी विकास मित्रों द्वारा तीन-तीन महिला बंध्याकरण तथा जीविका दीदियों व सेविकाओं द्वारा एक-एक महिला का बंध्याकरण का लक्ष्य निर्धारित किया। साथ ही, नसबंदी के लिए ज्यादा से ज्यादा पुरुषों को प्रेरित करने को कहा। उन्होंने सभी फ्रंट लाइन वर्कर को आशा कार्यकताओं के साथ समन्वय स्थापित करते हुए लक्ष्य प्राप्त करने का सख्त निर्देश दिया। साथ ही, लक्ष्य प्राप्ति नहीं होने पर संबंधित संबंधित फ्रंट लाइन वर्कर पर कार्रवाई की चेतावनी दी।

11 जुलाई को आयोजित किया जाएगा परिवार नियोजन मेला : प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक रवि रंजन कुमार ने बताया कि पखवाड़ा को सफल बनाने के लिए पंचायतों व ग्राम स्तर पर लोगों को सामूहिक स्तर पर जागरूक किया जाएगा। जिसमें आशा, आंगनबाड़ी सेविका, जीविका दीदी, विकास मित्र आदि की भागीदारी सुनिश्चित करनी है। इस दौरान आम जनों में जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने, बहु-बेटी सम्मेलन के आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा 11 जुलाई को परिवार नियोजन मेला आयोजित किया जाएगा। वहीं, प्रखंड सामुदायिक उत्प्रेरक मोहम्मद तस्लीम ने बताया कि योग्य दंपतियों को उत्प्रेरित कर के पूर्व पंजीयन गर्व निरोधक सामग्रियां का वितरण सुनिश्चित करने के अलावा बंध्याकरण, नसबंदी आदि के कार्य अनिवार्य रूप से कराएं। साथ ही, लोगों को सही उम्र में शादी के कम से कम दो साल के बाद पहला बच्चा, दो बच्चों में तीन साल का अंतर तथा अन्य परिवार कल्याण से संबंधित जानकारी भी दी जाए, ताकि लोगों की जानकारी इस संबंध में बढ़ सकें। साथ ही, अभियान के व्यापक प्रचार प्रसार के लिए गांवों में सारथी रथ घुमाया जायेगा।

बैठक में मुखियागण, जीविका प्रबंधक, बीएमसी, एसटीएस, काउंसलर, एलएस, विकास मित्र, सभी आशा फैसिलिटेटर उपस्थित रही।

सुरक्षित गर्भपात के बाद 90 प्रतिशत दंपतियों में परिवार नियोजन की मांग : एमओआईसी

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. कमलेश कुमार ने बताया कि दंपति संपर्क पखवाड़े के दौरान आमजन में जागरुकता लाने के लिए सही उम्र में शादी, शादी के बाद कम से कम 2 साल के बाद पहला बच्चा, दो बच्चों में कम से कम 3 साल का अंतराल व प्रसव के बाद या गर्भपात के बाद परिवार नियोजन के स्थायी एवं अस्थायी साधनों पर जोर दिया जा रहा है। वहीं, परिवार नियोजन सेवा सप्ताह के दौरान प्रथम रेफरल इकाइयों में नसबंदी शिविर का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि संस्थागत प्रसव के बाद लगभग 60 प्रतिशत व सुरक्षित गर्भपात के बाद लगभग 90 प्रतिशत दंपतियों में परिवार नियोजन की मांग है। इसे ध्यान में रखते हुए अभियान के दौरान प्रसव के बाद महिला नसबंदी एवं कॉपर टी संस्थापन पर विशेष बल दिया जाएगा। इसके लिए प्रसव कक्ष में परिवार कल्याण परामर्शी, एएनएम, स्टाफ नर्स के माध्यम से प्रसव एवं गर्भपात के लिए आई इच्छुक महिलाओं को उत्प्रेरित करते हुए सुविधा प्रदान कराई जाएगी।

एक नजर

डुमरांव पीएचसी क्षेत्र के आंगनबाड़ी केन्द्रों पर दवा वितरण का नहीं दिया जाता रिपोर्ट

डुमरांव। जिले के हर आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पीएचसी से बच्चों, गर्भवती महिलाओं, प्रसवी महिलाओं को दवा खिलाने के लिए भेजी जाती है। जो दवा भेजी जाती है, उसका कोई आंगनबाड़ी केन्द्र रिपोर्ट नहीं करता है, जिससे यह मालूम नहीं हो पाता है कि भेजी गई दवा खिलाई गई की नहीं। कतनी दवा खिलाई गई और कितनी बची है, सीडीपीओ कार्यालय द्वारा नहीं बताया जाता। अब सवाल यह उठता है कि पीएचसी जितनी जिम्मेवारी के साथ दवा आंगनबाड़ी केन्द्र तक पहुंचाता है, उतनी ही जवाबदेही के साथ सीडीपीओ कार्यालय द्वारा वितरण का रिपोर्ट नहीं दिया जाता। जबकि सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों दवा पीएचसी जिम्मवारी पूर्वक पीएचसी दवा को भेजा जाता है। भेजी गई दवा में आयरन की गोली के अलावे 5 से 9 वर्ष के बच्चों के लिए गुलाबी गोली और 10 से 19 साल के बच्चों के लिए हर बुधवार को नीली गोली खिलाने के लिए भेजा जाता है। दवा तो पीएचसी हर केन्द्र पर अपने रूटीन के अनुसार भेजता है, लेकिन नहीं सीडीपीओ कार्यालय इसका रिपोर्ट भेजता है और नहीं सीडीपीओ कार्यालय ही। शनिवार को ग्रामीण क्षेत्र के आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पेटी मे भर कर दवा भेजी जा रही थी।

सासाराम सदर अंचल कार्यालय के वीडियो वायरल, लोग तरह तरह की कर रहे चर्चा

सासाराम। जिले के सदर अंचल कार्यालय का वायरल वीडियो की चर्चा की लोगों के बीच जोर पकड़ रहा है। एक तरफ जहां नीतीश सरकार जीरो टॉलरेंस की बात करती है, वहीं दूसरी तरफ जिले में बैठे अधिकारी नीतीश कुमार के दावों को फेल करते हुए दिखाई दे रहे हैं। जिले के किसी भी कार्यालय में बिना चढ़ावा चढ़ाए कोई कार्य नहीं हो रहा है। कहने को तो प्रत्येक अंचल कार्यालय पर जनता दरबार लगाकर लोगों की फरियाद सुनकर उनकी समस्याओं का समाधान करना है, लेकिन जब तक आप पैसे का चढ़ावा नहीं चढ़ाते तब तक कोई समाधान नहीं होता। कुछ ऐसा ही हाल रोहतास जिला मुख्यालय सासाराम अंचल कार्यालय में भी देखने को मिल रहा है। कर्मचारी हो या अधिकारी उनको बिना चढ़ावा चढ़ाए कोई कार्य नहीं हो रहा है। इतना ही नहीं अधिकारी ही पैसे का चढ़ावा चढ़ाने की बात कह कर काम करवाने की बात करते हैं। आइए जरा सुनते हैं सासाराम अंचल कार्यालय के सीईओ और एक फरियादी की वातालर्लाप। जिसमे फरियादी ने सीओ साहब के सामने ही कबूल किया की कर्मचारी को खर्चा दे चुके है। यह तो हो गई चढ़ावा चढ़ाने की बात। आपको एक और वीडियो दिखाते हैं। जिसमें साफ दिखाई देगा की अंचल कार्यालय के कर्मचारी किस तरह से घूस लेकर काम को करते हैं। तो आपने इस दोनों वीडियो में देखा कि अंचल कार्यालय में घूसखोरी किस कदर बढ़ी हुई है। इतना ही नहीं जानता दरबार में जब चढ़ावा चढ़ाने की बात मोबाइल कैमरे में रिकॉर्ड की गई तो पत्रकार का कैमरा छीन कर वीडियो जबरदस्ती डिलीट कर दिया गया और धमकी दे डाली गई। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि अंचल कार्यालय में अधिकारियों के साथ-साथ कर्मचारी बिना पैसे लिए कोई कार्य नहीं कर रहें है। और सरकार जीरो टॉलरेंस की बात कर रही है।

एक पेड़ अपनी मां के नाम पर लगाएं और इस महोत्सव का हिस्सा बनें: मंत्री

केटी न्यूज/सासाराम

जिले के मां तुतला भवानी धाम पर वन पर्यावरण मंत्री प्रेम कुमार ने शनिवार को वन महोत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कई स्थानीय नेता और ग्रामीण भी उपस्थित थे। मंत्री प्रेम कुमार ने इस महोत्सव की महत्ता और उद्देश्य पर प्रकाश डाला और इसे पर्यावरण संरक्षण का महत्वपूर्ण कदम बताया। वन महोत्सव के दौरान वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। मंत्री प्रेम कुमार ने खुद वृक्षारोपण करके इस अभियान की शुरूआत की। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे एक पेड़ अपनी मां के नाम पर लगाएं और इस महोत्सव का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने में सहायक होंगे।

मंत्री प्रेम कुमार ने अपने भाषण में कहा कि आज देश में जलवायु परिवर्तन हो रहा है और इसके लिए हमें मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाना, पहाड़ों को हरे-भरे रखना और जल जीवन हरियाली योजना जैसे कार्यक्रमों में लोगों को बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। इन कार्यक्रमों से पर्यावरण की रक्षा होगी और हमारी भावी पीढ़ी को स्वच्छ और हरियाली युक्त वातावरण मिलेगा। वन महोत्सव को लेकर मां तुतला भवानी और गुप्ता धाम में वृक्षारोपण कार्य शुरू किया गया है। इसके अलावा, श्रावण मास में गुप्ता धाम में लगने वाले मेले की तैयारी भी की जा रही है। मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि मेले की सभी तैयारियां समय पर पूरी की जाएं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। मंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि गुप्ता धाम पहुंचने के रास्ते की मरम्मत की जा रही है। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि रास्ते की मरम्मत का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए ताकि श्रद्धालुओं को आसानी से गुप्ता धाम पहुंचने में कोई समस्या न हो। उन्होंने कहा कि वन महोत्सव और अन्य पर्यावरणीय कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार पर्यावरण संरक्षण और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

किसानों एवं मजदूरों ने किया प्रदर्शन

सासाराम। जिला मुख्यालय में शनिवार की अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सड़क मार्च तथा प्रदर्शन किया। जिला सचिव अयोध्या राम ने बताया कि जिले के तिलौथू में भूदान की जमीन अवैध तरीके से खरीद ब्रिक्री की जा रही है। भूमिहीन सड़क पर रात गुजारने को मजबूर हैं। तिलौथू स्टेट के भू दान की भूमि को भूमिहीनों के वितरण करने की मांग को लेकर शांतिपूर्ण तरीके पिछले दिनों तिलौथू प्रदर्शन किया जा रहा था। जहां कब्जा धारियों ने अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा के कार्यकताओं पर बर्बता की। मौके पर प्रशासन पुलिस ने पहुंचकर कार्यालय बुलाकर वार्ता की। लेकिन बाद में सीओ तथा थानेदार ने अलग-अलग केस दर्ज कराया। सचिव ने बताया कि झूठे मुकदमे की वापसी, भू दान जमीन से अबैध कब्जा हटाना, भूमिहीनों के बीच भू दान जमीन वितरण आदि मांगों को लेकर सड़क मार्च प्रदर्शन किया गया।

राजपुर के नौ पंचायतों में पंचायत सरकार भवन के लिए स्थल चिन्हित

केटी न्यूज/राजपुर। पंचायती राज विभाग के निर्देश पर बक्सर जिले के प्रखंड के नौ पंचायतों में जल्दी ही पंचायत सरकार भवन बनाने की कवायद शुरू होगी। सीओ डॉ. शोभा कुमारी ने पंचायतों में जमीन चिन्हित कर उसकी रिपोर्ट सौंप दी है। तीसरे फेज में इस बार हेठुआ, मंगराव, रसेन, देवढ़िया, सिकठी, दुल्फा, तियरा, बारुपुर एवं नागपुर पंचायत में इसकी आधारशीला रखी जाएगी। सीओ ने बताई कि शीघ्र ही इन पंचायतों में पंचायत सरकार भवन बनाने का काम शुरू होगा। इससे पहले से ही यह भवन निर्माण की प्रक्रिया क्लस्टर वाइज हो रही है।

पहले कलस्टर में क्षेत्र के कैथहरकला एवं समहुता पंचायत में पंचायत सरकार भवन बनकर तैयार हो गया है। हालांकि, भवन बनने के बाद भी अब तक यहां पर ग्रामीणों को मिलने वाली सुविधा का लाभ नहीं मिलता है। वर्ष 2019-20 से धनसोई, अकबरपुर एवं राजपुर पंचायत में पंचायत सरकार भवन बनाने का निर्माण कार्य चल रहा है। कार्य प्रारंभ होने के बाद इन सभी पंचायतों में भवनों का कार्य आधा अधूरा कर छोड़ दिया गया है। इस पंचायत सरकार भवन के लिए आवंटित राशि से 26 कमरे के साथ विशाल भवन बनेगा। जिस भवन में पंचायत स्तरीय कर्मियों के लिए स्थान, ग्राम कचहरी के लिए न्यायालय कक्ष, अभिलेख संरक्षण के लिए स्थान, पंचायत समिति की बैठकों के लिए हॉल, नागरिकों के लिए स्वागत कक्ष, कंप्यूटर रूम एवं शौचालय का प्रधान किया गया है। यह भवन दो मंजिला होगा। जिसका उपयोग बहुउद्देशीय होगा। इसके अलावा बाढ़ व अन्य आपदा में भी इसका उपयोग किया

भोजपुर में ठनका गिरने से महिला की मौत

आरा। भोजपुर जिले के बड़हरा थाना क्षेत्र के एकौना गांव में शनिवार की शाम ठनका गिरने से महिला की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतका बड़हरा थाना क्षेत्र के एकौना गांव निवासी मो.चांद की 41 वषीर्या पत्नी गुड़िया बेगम है।

इधर मृतका के पति मो.चांद ने बताया कि शुक्रवार की शाम बारिश हो रही थी। उसी बीच बकरी का छोटा बच्चा घर के बाहर भाग गया। जब वह उसे घर में आने के लिए बाहर हकाने गई। तभी अचानक ठनका उस पर गिर पड़ा और वह जमीन पर गिरकर बेहोश हो गई। इसके बाद बच्चों द्वारा इसकी सूचना उसे दी गई। सूचना पाकर वह फौरन घर पहुंचा और उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लेकर आया। जहां चिकित्सक ने देख उसे मृत घोषित कर दिया। इसके पश्चात परिजन द्वारा इसकी सूचना सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी के दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच शव का पोस्टमार्टम करवाया।

मुजफ्फरपुर के युवक की ट्रेन से गिरकर मौत

आरा। दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर कुल्हड़िया एवं कोईलवर स्टेशन के बीच अप लाइन पर शनिवार की सुबह बरौनी-अहमदाबाद एक्सप्रेस ट्रेन से गिरकर मुजफ्फरपुर निवासी एक युवक की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। इसके बाद स्थानीय लोगों द्वारा इसकी सूचना आरा रेल पुलिस को दी। सूचना पाकर आरा रेल पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। जानकारी के अनुसार मृतक मुजफ्फरपुर जिला के सकरा थाना क्षेत्र के ढोली गांव निवासी महेश्वर ठाकुर का 30 वर्षीय पुत्र मणि भूषण ठाकुर है। वह सीएसएसपीएल कंपनी के अंतर्गत बरौनी- अहमदाबाद एक्सप्रेस के एसी बोगी में चादर बिछाने का काम करता था। इधर मृतक के चाचा हरी शंकर ठाकुर ने बताया कि वह बरौनी-अहमदाबाद एक्सप्रेस के एसी बोगी में चादर बिछाने का काम करता था। शुक्रवार को वह अपनी पत्नी से घर से कह कर निकाला था कि मैं ट्रेन में ड्यूटी करने जा रहा हूं और उसने मोबाइल भी अपनी पत्नी को देकर बिना मोबाइल के ड्यूटी पर आया था। इसी बीच बरौनी- अहमदाबाद एक्सप्रेस ट्रेन से गिरकर उसकी मौत हो गई।

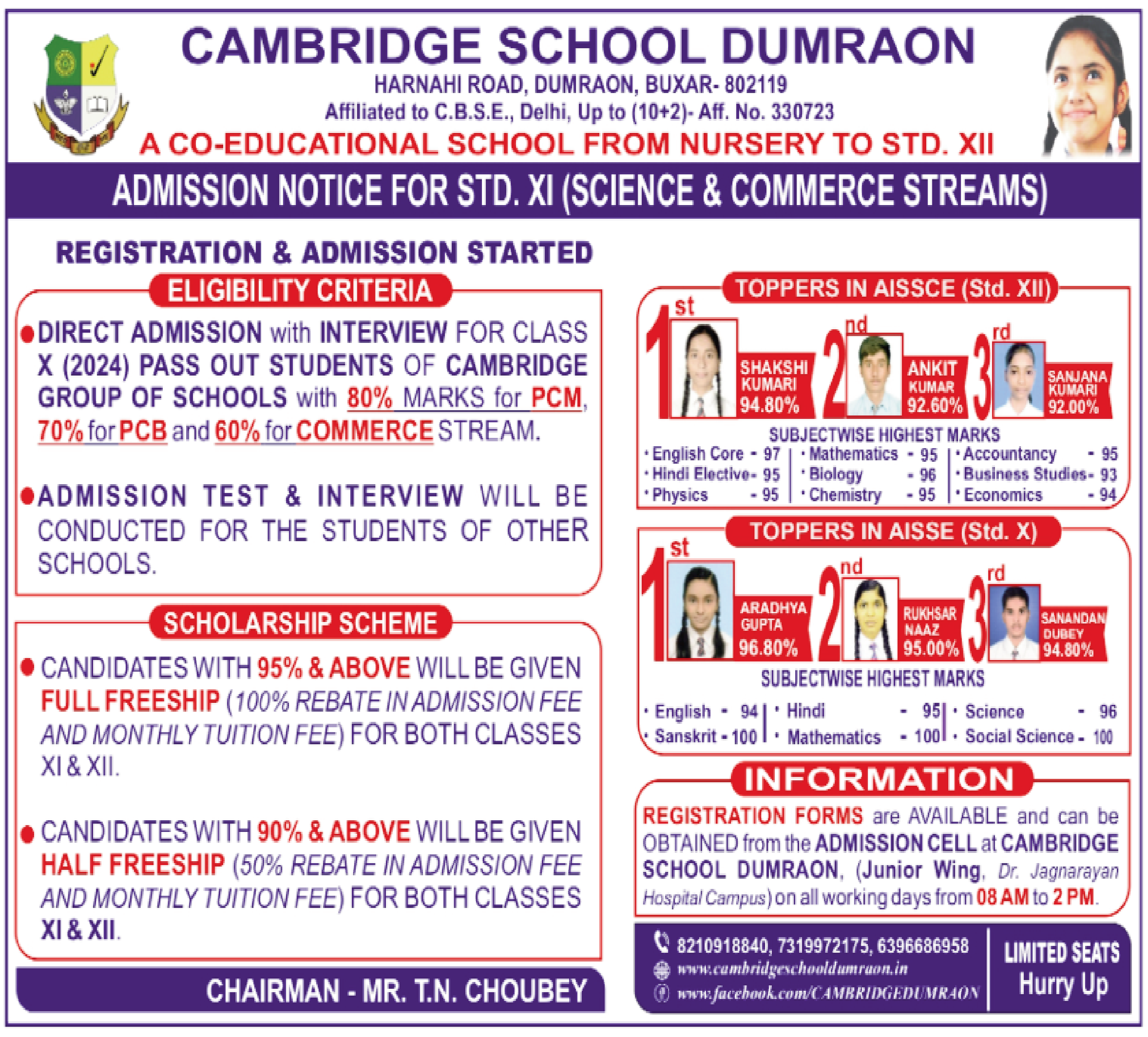

कीचड़ में चलने को मजबूर, अधिकारियों को आवेदन देते-देते थक चुके हैं ग्रामीण

♦ आखिर उदासीनता के लिए जिम्मेदार कौन !

केटी न्यूज / गाजीपुर

दुल्लहपुर थाने के हनुमानगढ़ी मोहल्ला और रेलवे स्टेशन रोड मार्ग नाबदान के पानी और बारिश के पानी से जलमग्न हो चुका है। यह कोई नई बात नहीं है। दुल्लहपुर शंकर सिंह ग्रामसभा में हनुमानगढ़ी मुहल्ला की आबादी लगभग 1000 के आस-पास है। इस मार्ग का इंटरलॉकिंग जय सतगुरु देव आश्रम के पास और गाजीपुर आजमगढ़ राजमार्ग से हमीद मार्ग तक लगभग पांच साल पूर्व रेलवे विभाग में इंटरलॉकिंग सड़क बनाई

थी। इस मार्ग और हनुमानगढी तिराहे के पास से लेकर 100 मीटर के आसपास सड़के नाबदान के पानी से जलमग्न पहले से रहता था। लेकिन इन दोनों बारिश की वजह से पूरी तरह से सड़क जलमग्न हो चुकी है। मोहल्ले के लोग इसी पानी कीचड़ में से आने-जाने को मजबूर है। बहुत से लोगों को वाहन और पैदल आवागमन करना पड़ता है।जो इस कीचड़ में से आवागमन करते हैं। पूर्व में ग्रामीणों द्वारा प्रदर्शन करके रेलवे विभाग को भी अवगत कराया था लेकिन आश्वासन के बाद समस्या जस की तस रही।

वहीं, खंड विकास अधिकारी के निर्देश पर दुल्लहपुर ग्राम प्रधान हरिओम मद्धेशिया ने लगभग 7 लाख रुपए की लागत से हनुमानगढी मार्ग पर ही सोखता बनाया गया था लेकिन मोहल्ले का ज्यादा पानी होने की वजह से वह भी कुछ दिन में ही भरकर फिर पानी मार्ग पर ही इकट्ठा होने लगा है। गांव के विनोद राजभर, अविनाश गुप्ता, कर्मवीर गुप्ता, पिंटू चौरसिया, राजेंद्र राजभर, सोनू सहित ग्रामीणों ने कहा कि पांच वर्षों से मोहल्ले के लोग परेशान हैं नाबदान के पानी में से ही आवा गमन करने को मजबूर है। कई बार अवगत कराने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

ग्राम प्रधान हरिओम मद्धेशिया ने कहा कि अंग्रेजों के जमाने से पूरे दुल्लहपुर का पानी रेलवे फाटक के पास बने नाबदान से क्रॉस होकर पीडब्ल्यूडी के नाली से होकर खुदाबख्शपुर गांव होते हुए खड़ौरा ताल में जाती थी, लेकिन बिगत दिनों बाजार में नाली को कुछ लोगों ने पाट दिया तथा रेलवे विभाग भी अब उसे नाबदान को बंद करके सुलभ शौचालय बनाने जा रहा है और जो गाजीपुर आजमगढ़ मार्ग है उसका फाटक थोड़ा और आगे जा रही है। अब जल निकासी को लेकर दुल्लहपुर में बड़ी समस्या सामने लोगों के हैं। हम लोग पूरी तरह से मजबूर है रेलवे विभाग को अभी हाल ही में अवगत पत्रक देकर कराया गया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। पूरे दुल्लहपुर का पानी रेलवे विभाग की भूमि में इकट्ठा होती है। अब रेलवे विभाग उसको भी बंद कर दिया।

एक नजर

बोले डीएम... 15 फीट से अधिक न हो ताजिया

बलिया। मुहर्रम, महावीरी झंडा जुलुस, श्रावण मास त्यौहार को देखते हुए जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में शान्ति समिति की बैठक हुई। इसमें सभी सदस्यों से आवश्यक सुझाव लिए गए। जुलूस निकालने वाले आयोजकों ने जरूरी समस्याएँ भी बताई, जिनका निस्तारण कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया। ज़िलाधिकारी ने विद्युत विभाग के इंजीनियर को निर्देश दिया कि जुलुस वाले सड़कों पर ढीले ढाले तारों को तत्काल दुरुस्त कर दिया जाय। पीडब्लूडी के अधिशासी अभियंता को निर्देश दिए कि टूटी सड़कों को तत्काल मरम्मत करा दें। जिलाधिकारी ने जुलूसकताओं को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि शासन की गाइडलाइन के अनुसार कार्यक्रम संपन्न कराएँ। ताजिया 15 फीट ऊंचाई से अधिक नहीं होनी चाहिए। डीजे की उंचाई मानक के अनुरूप हो और ध्वनि की आवाज कम होनी चाहिए, अन्यथा डीजे चलाने वालों के खिलाफ और जुलूसकर्ता के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। जुलूस की ड्रोन से निगरानी होगी। शासन का निर्देश है कि कोई नई परंपरा स्थापित नहीं होगी।

हाई-वे के किनारे भूमिगत पाइप लाइन क्षतिग्रस्त

गाजीपुर। मेदनीपुर स्थित पानी टंकी से गावों को होने वाली पेयजल आपूर्ति के लिए चार विभिन्न जगहों पर बिछाई गई भूमिगत पाइप लाइन मेदनीपुर से कालूपुर हाई-वे किनारे पिछले एक हफ्ते से क्षतिग्रस्त है। मगर अभी तक उसकी मरम्मत नहीं हो सकी है। जिसके कारण जहां कई गांवों की आपूर्ति ठप्प है। यही नहीं हर दिन हजारों लीटर पानी बबार्दी की भेंट चढ रही। क्षतिग्रस्त पाइप लाइन से निकलने वाला पामी हाई-वे पर जमा होने से गुजरने वाले राहगीरों के लिए दिन रात हादसे का डर सता रहा। क्षेत्रीय ग्रामीणों ने बताया कि यह पानी टंकी ग्राम पंचायत के द्वारा संचालित की जाती है। आए दिन पाइप लाइन क्षतिग्रस्त होने से उनके घरों तक आपूर्ति नहीं हो पाती,जिसके कारण यह करोड़ों की लागत से पानी टंकी एक तरह से शोपीश बनकर रह गई है। कहा कि जल्द पाइपलाइन की मरम्मत की जाए ताकि पानी की बबार्दी न हो सके। इसको लेकर ग्राम प्रधान से शिकायत किया गया। मगर उन्हें जल्द मरम्मत का आश्वासन तो दिया गया,लेकिन इतने दिनों बाद भी पाइपलाइन की मरम्मत नहीं कराई जा सकी है, जो लापरवाही को प्रदर्शित कर रहा है। लोगों ने चेताया कि अगर इसकी मरम्मत जल्द नहीं कराई गई तो लोग सड़क पर उतरने को मजबूर होगें।क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि वर्ष 2020 में 1200 किलो लीटर (बारह लाख लीटर) क्षमता वाले पानी टंकी का निर्माण करीब छह करोड़ से कराया गया। आपूर्ति के लिए करीब 47 हजार मीटर भूमिगत पाइप लाइन भी बिछाई गई थी । मेदनीपुर पानी टंकी के संचालन का प्रभार संम्भाल रही ग्राम प्रधान रीता देवी ने बताया कि पाइप लाइन के क्षतिग्रस्त होने की जानकारी मिली है, दूरूस्त करने के लिए निर्देश दिए गए है। जल्द ही पाइप लाइन की मरम्मत कर आपूर्ति चालू कर दिया जाएगा।

पूर्व सांसद अतुल राय के जन्मदिन पर शुभचिंतकों ने किया रक्तदान

गाजीपुर। घोसी लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद अतुल राय के जन्मदिन को उनके समर्थकों ने जन कल्याणकारी दिवस के रूप में मनाया। इस दौरान सिंह हॉस्पिटल में शुक्रवार को नवीन राय टोनी के नेतृत्व में रक्त देने के लिए दर्जनों युवाओं की कतारें लग गईं। पूर्व सांसद अतुल के जन्मदिन का सबसे बड़ा आयोजन सिंह हॉस्पिटल में हुआ। इस रक्तदान शिविर का शुभारंभ डॉ. राजेश सिंह ने फीता काटकर किया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ होते ही एक-एक कर युवा आते गए और रक्त देते रहे। इस अवसर पर समर्थकों ने रक्तदान में बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। रक्तदान शिविर को लेकर नवीन राय टोनी ने कहा कि मऊ, गाजीपुर, वाराणसी, बलिया जिलों समेत दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, बिहार राज्यों में भी सांसद अतुल के समर्थकों ने सैकड़ों यूनिट रक्तदान किया। सिंह हॉस्पिटल में अयोजित रक्तदान शिविर में अनस जमाल, विक्रांत सिंह लक्की, हैप्पी राय, रेहान अशरफ, मिनाज, प्रमोद यादव लकी, ओमकार रॉय गोलू, नित्यानंद त्रिपाठी, हर्ष रॉय, योगेश, शिवम, अभिषेक राय, अभिषेक सिंह, सुनील राय, अमितोष राय, अमित पांडेय, पवन राय, बंटी राय, आयुष राय और अभिषेक त्रिपाठी सहित दर्जनों युवाओं ने रक्तदान किया।

खबरें फटाफट

नीति आयोग के तहत संपूर्णता अभियान कार्यक्रम का आयोजन

गाजीपुर। रेवतीपुर विकास खंड मुख्यालय के सभागार में शनिवार को

नीति आयोग के तहत संपूर्णता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि कौस्तूभ मणि पाठक ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान बच्चों एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने स्वागत गीत गाकर अतिथियों का स्वागत किया।

सम्पूर्णता अभियान कार्यक्रम के तहत विभाग स्वास्थ्य विभाग, पोषण विभाग, कृषि विभाग एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभागो की योजनाओं पर जानकारी दी।इस दौरान बोलते हुए मुख्य अतिथि बीडीओ कौस्तूभ मणि पाठक ने कहा कि इस कार्यक्रम में आए सभी विभागों के प्रतिनिधियों ने अपने तीन माह के कार्य योजना का विवरण दिया। जिससे की सम्बन्धित इंडीकेटर्स को 30 सितम्बर 2024 तक संतृप्त किया जा सके। उक्त विभागों द्वारा प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम के दौरान तीन गर्भवती महिलाओं की गोंद भराई एवं दो का अन्न प्रासन कराया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग के ओर से लगाए गये स्टाल में 100 से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उन्हें परामर्श दिया गया।बीडीओ कौस्तूभ मणि पाठक ने कहा कि प्रत्येक माह में विकास खण्ड स्तर पर इंडीकेंटर्स की समीक्षा की जायेगी, जिससे कि विकास खण्ड कों आंकाक्षी विकास खण्ड की श्रेणी से निकाल कर विकसित विकास खण्ड की श्रेणी में लाया जा सके।

एनडीपीएस एक्ट में आरोपी को एक वर्ष आठ माह की सजा

बलिया। एनडीपीएस एक्ट में दोषी पाते हुए सिविल कोर्ट के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने शनिवार को दोषी को एक वर्ष छह माह के कठोर कारावास की सजा सुनाई। दोषी का नाम मिथुन कुमार गुप्ता पुत्र धुरन्धर गुप्ता निवासी एकौनी थाना फेफना है। दोषी के खिलाफ वर्ष 2022 में फेफना थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस द्वारा न्यायालय में चार्जशीट प्रस्तुत करने के बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने दोषी को एक वर्ष छह माह के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

भाइयों की बात नहीं मानी तो बहन की हत्याकर फेंका था शव

3 भाइयों ने मिलकर की थी अपनी बहन की हत्या, सामान बरामद; दो गिरफ्तार

♦ घटना में प्रयुक्त विक्रम टेम्पो व अन्य सामान बरामद
♦ बहन किसी युवक से करती थी बात, भाइयों को लगा नागवार
♦ साड़ी बांधकर पहले की हत्या, फिर मुंह पर बैटरी वाला डाला तेजाब

केटी न्यूज / बलिया।

बांसडीह पुलिस ने बहन की हत्या कर साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से बांसडीहरोड थाना क्षेत्र के बाबा बालखंडी नाथ मंदिर के पास स्थित पुलिया के पास शव फेंकने के मामले में शनिवार को आरोपी दो भाइयों को गिरफ्तार कर संबंधीत धाराओं में चालान कर दिया। जबकि एक आरोपी भाई अभी फरार चल रहा है। जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। आपको बता दे कि 19 जून 2024 को बांसडीहरोड थाना क्षेत्र के बाबा बालखंडी नाथ मंदिर के पास स्थित पुलिया के पास एक अज्ञात किशोरी का शव बरामद हुआ था। जिसकी शिनाख्त कुमारी लीलावती 17 वर्ष पुत्री स्व पतरू राजभर निवासी पिण्डहरा थाना बांसडीह, जनपद बलिया के रूप में की गई।

पुलिस के तहकीकात में पता चला कि मृतका लीलावती किसी लड़के से मोबाइल पर बात करती थी। जिसकी जानकारी उसके

भाई बिकाऊ राजभर, जोगिन्दर राजभर, रविन्दर राजभर पुत्रगण स्व पतरु राजभर को हुई तो इन लोगों द्वारा आपत्ति करते हुए बात करने से मना किया गया, लेकिन उसके बावजूद भी किशोरी लगातार बात करती रही। जिससे नाराज होकर तीनों भाइयों ने मिलकर साड़ी से बांध कर उसकी हत्या किया। फिर पहचान छिपाने के लिये चेहरे पर बैटरी वाला तेजाब का पानी डालकर चेहरे को परिवर्तित कर दिया। इसके बाद शव को साड़ी में बांधकर विक्रम टैम्पो से तीनों भाई एक साथ ले जाकर बांसडीहरोड थाना के बाबा बालखण्डी मंदिर पुलिया के पास ले जाकर फेंक दिया था। शव की शिनाख्त होने के उपरांत पुलिस ने पांच जुलाई 2024 को ग्राम चौकीदार की तहरीर पर हत्या सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दिया। इसी क्रम में बांसडीह पुलिस ने शनिवार को बिकाऊ राजभर एवं जोगिन्दर राजभर पुत्रगण स्व पतरु राजभर निवासी पिण्डहरा थाना बांसडीह, जनपद बलिया को गिरफ्तार कर चालान कर दिया। वही हत्या में कारित एक साड़ी, एक प्लास्टिक की प्रयुक्त तेजाब बोतल व विक्रम टेम्पो बरामद किया।

छिनैती के दो आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

चितबड़ागांव। स्थानीय कस्बा स्थित एसबीआई की शाखा से बीते 27 जून को ग्राहक द्वारा अपने खाते से 22 हजार रूपए निकाल कर घर जाते समय

छिनैती के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को चांदनाला पुलिया के पास से शनिवार को गिरफ्तार किया। दोनों के पास से एक अवैध तमंचा व एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। जबकि 12500 रूपए नकदी भी बरामद हुई।दोनों आरोपियों का नाम विशाल तिवारी निवासी छपरा बह्मपुर व चंदन मिश्रा निवासी एकमा गोवरही है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को संबंधित धाराओं में न्यायालय भेज दिया।आपकी जानकारी के लिए बता दें कि बीते 27 जून को जब सुरही निवासी कविंद्र राय एसबीआई की शाखा से पैसा निकालकर जा रहे थे, तभी रास्ते में दो आरोपियों ने उनसे पैसा छीनकर भाग गया था। इसी मामले में मुकदमा दर्ज होने के बाद चितबड़ागांव थाने की पुलिस शिद्दत से दोनों आरोपियों की तलाश में जुट गई थी। शनिवार को मुखबिर की सूचना पर दोनों आरोपियों को चांदनाला पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया गया।

झमाझम बारिश से लोगों को मिली उमस से राहत

केटी न्यूज/ बलिया।

शुक्रवार की दोपहर झमाझम बारिश ने उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत दिलाई। पिछले कई दिनों से बारिश तो हो रही थी लेकिन टिप टिप बारिश फिर धूप ने लोगों ने उमस भरी गर्मी से परेशान करके रखा था।

शुक्रवार को सुबह से ही आसमान में बादल तैरता रहा, उमस भरा मौसम था। बिजली कटौती के चलते लोग व्याकुल थे। इसबीच दोपहर को हुई झमाझम बारिया ने मौसम को खुशनुमा बना दिया। वहीं जगह-जगह जल जमाव हो जाने से राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इस दौरान बच्चे और युवा मस्ती के लिए सड़क पर निकल आए। बारिश से किसान भी खुश नजर आए। ठीक ठाक बारिश न होने और बीच-बीच में धूप के कारण उमस से लोगों का बुरा हाल हो गया था। दोपहर को जब बारिश हुई तो लोगों के चेहरे खिल उठे।

नगर की सड़कों पर लबालब पानी भर गया। बच्चे और युवा सड़कों पर मस्ती करते दिखे। हालांकि बारिश के बाद नगर की हालत देखने लायक नहीं थी। कारण पानी निकासी न होने से काफी देर तक पानी सड़कों पर ही जमा रहा। राहगीर गिरते-पड़ते भी रहे। नालों की

सफाई न होने और सीवरेज की खुदाई के चलते और परेशानी हुई। नगर का आधा हिस्सा कीचड़युक्त हो गया। नगर के सतीश चंद कालेज, जापलिनगंज सहित कई अधिक मुख्य मार्गों पर देर तक पानी भरा रहा। उधर किसान भी कई दिनों से बारिश के लिए आसमान में टकटकी लगाए हुए थे। बारिश के बाद वे भी खुशी से झूम उठे। कई जगह खेतों में पानी लग गया है। किसान धान रोपाई के लिए खेत तैयार करने में जुट गए हैं।

कटानरोधी कार्य में आई तेजी

बलिया। मौसम के विभाग पटना के अनुसार बलिया में रविवार से बारिश और भी तेज होगी। उधर भीषण बारिश को देखते हुए कटानरोधी कार्य में तेजी लाई गई है। बाढ़ खंड की मानें तो देश के अलग-अलग हिस्सों में जैसे हरिद्वार आदि जगहों पर बाढ़ आने के कारण कभी भी गंगा या फिर घाघरा का जलस्तर बढ़ सकता है। ऐसे में कटानरोधी कार्य में तेजी लाई गई है।

बाइक की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

> रात में पुत्र को लाने के लिए गया था भगत सिंह तिराहा

बलिया। रसड़ा कस्बा के भगत सिंह तिराहे के समीप शुक्रवार की देर रात बाइक के टक्कर से एक वृद्ध की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की भेज दिया। वही बाइक सवार युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार रसड़ा कस्बा के पूरब मोहल्ला नई मस्जिद वार्ड नंबर 15 निवासी जलालुद्दीन शाह 60 वर्ष शुक्रवार की रात करीब दो बजे अपने घर से निकलकर भगत सिंह तिराहे पर आजमगढ़ से बस से आ रहे अपने पुत्र मोहम्मद शाबीर को लाने गया। जहां तेजगति से बाइक सवार ने वृद्ध को जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे वृद्ध गम्भीर रूप से घायल हो गया।आसपास के लोगों ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि बाइक सवार युवक के इलाज के बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जबकि बाइक पर बैठा दूसरा व्यक्ति फरार हो गया।

वन महोत्सव : एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत डीएम व एसपी ने किया पौधारोपण

पर्यावरण को संरक्षित करना हम सभी की जिम्मेदारी : डीएम

केटी न्यूज/ गाजीपुर।

वन महोत्सव के अंतर्गत सामाजिक वानिकी वन प्रभाग, रेंज सैदपुर द्वारा तहसील के प्रांगण में जिलाधिकारी अर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने कहा कि एक पौधा मां के नाम अभियान को सफल बनाएं, पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करें, पौधों के महत्व को समझें और इनका संरक्षण करें पर्यावरण को संरक्षित करने का सरकार के साथ-साथ हम सभी की भी जिम्मेदारी है। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने कहा कि वृक्ष एवं सामाजिक अथवा भौतिक विकास का संतुलन ही सभ्यता तथा संस्कृति को विकसित करती है, वृक्षों का योगदान केवल बढ़ते हुए प्रदूषण को रोकने में ही नहीं अपितु जलवायु एवं वातावरण के संतुलन में भी सर्वोपरि है। मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य ने भी पौधारोपण कर जन जन को पौधारोपित करने पर बल दिया। प्रभागीय निदेशक विवेक यादव ने कहा वन महोत्सव एक से सात जुलाई तक चलेगा पौधारोपण अभियान में लोगों को बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। इस अवसर पर क्षेत्रीय वन अधिकारी नम्रता सिंह एवं वन विभाग के कर्मी उपस्थित रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस पर 75 शिकायती पत्रों में 12 का किया निस्तारण

गाजीपुर। जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए संपूर्ण समाधान दिवस₹ तहसील सैदपुर में जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें 75 शिकायत व प्रार्थना प्राप्त हुए और मौके पर 12 का निस्तारण किया गया। जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए सातों तहसीलों संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सूचना के मुताबिक कुल 695 शिकायत प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिसमें मौके पर 52 शिकायत/प्रार्थना पत्रों का निस्तारण किया गया। इसी क्रम में तहसील कासिमाबाद में उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 90 शिकायत/प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिसमें चार का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील जमानियॉ में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 70 शिकायत/प्रार्थना प्राप्त हुए। जिसमें से सात का मौके पर निस्तारण किया गया। सदर तहसील में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 85 शिकायती प्रार्थना प्राप्त हुए। जिसमें मौके 05 का निस्तारण किया गया। तहसील मुहमम्दाबाद में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 145 शिकायत/प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें से 10 का मौके पर निस्तारण किया गया।

एसडीओ, जेई, कैशियर एवं लाइनमैन का तबादला होने पर विदाई समारोह आयोजित

केटी न्यूज/ गाजीपुर।

जखनियां और दुल्लहपुर पॉवर हाउस के बिजली विभाग के कर्मचारियों का स्थानान्तरण हो गया। जिनमें जखनियां के एसडीओ मिठाई लाल, दुल्लहपुर और जखनियां ज्वाइंट जेई प्रेमचंद गुप्ता, जखनियां के कैशियर शशिकांत यादव, लाइनमैन मुन्ना यादव का एक साथ अलग-अलग जगह पर स्थानांतरण हो गया। जखनियां विद्युत उपकेंद्र परिसर में विदाई समारोह आयोजित की गई। जिसमें बिजली विभाग के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने अंग वस्त्र और गिफ्ट देकर विदाई समारोह आयोजित हुई। समाजसेवी अनिकेत चौहान ने कहा कि बिजली विभाग के अधिकारी हमेशा क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को सुचारु रूप से चलने के लिए तत्पर रहते थे। दिन हो या रात लोगों को राहत पहुंचाने के लिए कभी भी कोई तार का फाल्ट होता था तो लोग मौके पर जाकर सही कर के बिजली सुचारू रूप से चालू करवाते थे। जिससे स्थानीय लोगों में एक अलग पहचान थी। बिजली विभाग के कर्मचारियों अधिकारियों का हर लोगों के साथ ऐसा ही कार्य होना चाहिए। इस मौके पर विधुत विभाग के कर्मचारी समीम खान ,विजय शंकर,हरिवंश, विशाल सिंह, प्रशांत ,विवेकानंद, महेंद्र यादव, बड़े बाबू विशाल खरवार ,और समाजसेवी अनिकेत चौहान समस्त कर्मचारी मौजूद थे।

सास-ससुर और साली के नाम 75 बीघा जमीन बैनामा कर दिया

- बिना वैध वारिस के करोड़ों रुपये कीमत की 75 बीघा भूमि का हुआ बंदरबांट
- हटाए गए नायब तहसीलदार

केटी न्यूज/ फिरोजाबाद

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में अफसरों ने ऐसा भ्रष्टाचार किया कि सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे। बिना वैध वारिस की करोड़ों रुपये कीमत की 75 बीघा भूमि के बंदरबांट में कोई पीछे नहीं रहा। नायब तहसीलदार तक ने अपने सास-ससुर और साली के नाम पर बैनामा करा लिया। इनका सौदा सिरसागंज के जिला पंचायत सदस्य ने तय कराया था। वहीं, राजस्व निरीक्षक कार्यालय (आरआइओ) का कार्य देख रहे लेखपाल ने भी हाथोंहाथ खतौनी में नाम चढ़ाने के बदले अपने करीबियों के नाम भूमि करा ली। एसडीएम के गांव के लोगों के नाम से भी बैनामे हुए हैं। मामला गांव रुधैनी की 75 बीघा जमीन का है, जिसके स्वामित्व को लेकर तीन पक्षों में विवाद है। ये जमीन सरदार सिंह की थी। उनकी पहली पत्नी रामबेटी से कोई बेटा नहीं था। रामबेटी की मृत्यु के बाद उन्होंने अपनी साली भगवती से शादी कर ली। भगवती से कोई संतान नहीं हुई। सरदार सिंह की मृत्यु के बाद भगवती ने कुछ लोगों को खेतीबाड़ी की रखवाली की जिम्मेदारी दे दी। 1985 में भगवती की मृत्यु के बाद श्यामादेवी नाम की महिला ने जमीन पर यह कहते हुए दावा किया कि वह रामबेटी की बेटी है। परिवार में और कोई न होने के कारण वह जमीन की मालिक है। रुधैनी में ही रहने वाले सरदार सिंह के परिवार के मनोज कुमार करसौलिया पक्ष ने दावा किया जमीन पर उनका अधिकार है। दोनों पक्ष कोर्ट गए। वहां गांव के ही योगेंद्र कुमार ने भी दावा किया कि भगवती ने उन्हें गोद लिया था। मनोज पक्ष ने अपंजीकृत वसीयत और योगेंद्र ने अपंजीकृत गोदनामा प्रस्तुत किया। श्यामा देवी के नाती मनु मिश्रा का कहना है कि 2019 में तहसीलदार न्यायालय ने उनका दावा सही मानते हुए उनके पक्ष में निर्णय दिया था। इसके बाद उनकी दादी का नाम भी खतौनी में चढ़ गया। इस निर्णय के विरुद्ध बाकी दो पक्ष ने एसडीएम के यहां अपील की, जिसमें एसडीएम ने उन्हें बिना बुलाए, बिना सुने गलत तरीके से निर्णय दे दिया। दोनों में से किसी पक्ष के पास न तो पंजीकृत वसीयत है और न गोदनामा। उन्होंने इसके विरुद्ध कमिश्नर के यहां अपील की है।

1985 से चल रहा था मुकदमा

वर्ष 1985 से तीन पक्षों के बीच चल रहे भू-स्वामित्व के विवाद को सुलझाने का सिरसागंज तहसील में अधिकारियों ने ऐसा तरीका निकाला, जिसे सुनकर हर कोई हैरान है। इसी वर्ष सात जून को तत्कालीन एसडीएम विवेक राजपूत ने तहसीलदार द्वारा 28 जनवरी 2019 को दिए निर्णय को पलट दिया। इसके बाद जो हुआ, उससे मामले में आरोपी सभी अधिकारियों की सत्यनिष्ठा कठघरे में आ गई है। एसडीएम के आदेश के बाद भी जहां किसान खतौनी में नाम दर्ज कराने के लिए महीनों तहसील के चक्कर काटते हैं, इस मामले में वह अगले कार्य दिवस में ही दर्ज हो गया।

रिश्तेदारों के नाम कराए बैनामे

8 जून को द्वितीय शनिवार और नौ जून को रविवार का अवकाश होने के बाद 10 जून को तहसील खुलते ही पहला काम मनोज कुमार करसौलिया आदि के नाम खतौनी में चढ़ाने का हुआ। इसी के आधार पर मनोज कुमार आदि ने 12 जून को पूरी भूमि बेच दी। 25 बीघा भूमि के तीन बैनामे प्रभारी तहसीलदार का कार्य देख रहे तत्कालीन नायब तहसीलदार नवीन कुमार की सास राजश्री चाहर, ससुर महिपाल और साली अनीता सिंह निवासी 26 डिफेंस कालोनी आगरा के नाम हुए। मामला सुर्खियों में आने के बाद डीएम रमेश रंजन ने एसडीएम विवेक राजपूत और नायब तहसीलदार नवीन कुमार को हटा दिया है।

एक नजर

नाबालिगों के हाथों में बाइक, पुलिस को करनी पड़ी कार्रवाई, 246 वाहनों का किया चालान

चंदौली। पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर मुगलसराय यातायात पुलिस और जनपद पुलिस ने अभियान चलाकर नियम विरुद्ध चलने वाले वाहनों के विरुद्ध कारवाई की है। सड़क दुर्घटनाओं के रोकने के लिए अभियान चलाकर टीम ने 246 वाहनों का चालान किया। पुलिस ने छह वाहनों को सीज किया, जिसमें से चार वाहन नाबालिक चला रहे थे। वाहनों की जांच करते सीओ ट्रैफिक रघुराज साथ में टीआई सुरेंद्र यादव क्षेत्राधिकारी यातायात, रघुराज ने बताया कि लापरवाही पूर्वक सड़क पर वाहन चलाएं जाने के कारण बढ़ती हुई घटनाओं को रोकने के लिए अभियान चलाकर कारवाई की गई हैं। बताया कि यातायात प्रभारी सुरेन्द्र यादव व सभी यातायात अधिकारी/कर्मचारीगण और जनपदीय पुलिस की ओर से शहर के प्रमुख चौराहों पर यातायात अपराधों के विरूद्ध विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाकर यातायात नियमों के पालन के लिये जागरुक किया गया। बताया कि यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए यातायात नियमों के पालन करने जैसे नशे की हालत में वाहन न चलाने, निर्धारित मानक से अधिक सवारी न बैठाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने, अवयस्क को वाहन न चलाने देने, सीट बेल्ट का प्रयोग करने, दो पहिया वाहनों पर हेलमेट का प्रयोग करने, वाहनों को ओवर लोड न चलाने आदि के संबन्ध में जागरूक किया गया।

सोलर सिंचाई पंप पर 60 फीसदी का अनुदान

चंदौली। वित्तीय वर्ष 2024-25 में जनपद में सोलर सिंचाई पंप की स्थापना के लिए 540 सोलर पंप लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके तहत अब तक 94 किसानों की ओर से पंप की बुकिंग विभागीय पोर्टल पर की गई है। उप कृषि निदेशक भीमसेन ने बताया कि दो, तीन, पांच व 10 एचपी के सोलर सिंचाई पंप पर 60 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा।किसान इसकी बुकिंग विभागीय पोर्टल पर कर सकते है। बुकिंग के समय किसान को पांच हजार रुपये टोकन मनी के रूप में आनलाइन भुगतान करना होगा। शेष 40 प्रतिशत कृषक अंश चालान के माध्यम से या आनलाइन भुगतान गेटवे के माध्यम से जमा कर सकते है। दो एचपी पर चार, तीन व पांच एचपी के लिए छह व 10 एचपी के लिए आठ इंच की बोरिंग कृषक के पास स्वयं का होना अनिवार्य है।

हवन पूजन के साथ शुरू हुई मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा

चंदौली। सदलपुरा गांव में स्थित प्राचीन देवी मंदिर का भव्य पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा का शुभारंभ बुधवार को हवन पूजन व कीर्तन के साथ शुरू किया गया। शनिवार को जलाभिषेक हरि कीर्तन का कार्यक्रम चला विद्वान पंडितों के द्वारा भजन कीर्तन और पूजा पाठ का दौर जारी है। कार्यक्रम के दौरान पूरा गांव भक्ति में डूबा हुआ है। सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा का कार्य पूर्ण कर भव्य भंडारे का आयोजन किया गया है। क्षेत्र के सदलपुरा गांव में प्राचीन देवी मंदिर जिर्णशिर्ण स्थिति में पहुंच चुका था ग्रामीणों के सहयोग से भव्य मंदिर का रूप दे दिया गया है। अब पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन बुधवार से शुरू होकर आठ जुलाई को प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपन्न होगा तत्पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। इसमें मुख्य रूप से ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विवेक सिंह बुद्धन, दिनेश सिंह ,कौशलेंद्र सिंह, जनार्दन सिंह, विनय सिंह, डबलू पाण्डे, आशु सिंह सहित भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे।

राष्ट्र के लिए समर्पित रहा जनसंघ संस्थापक डॉ. श्यामा चरण मुखर्जी का जीवन: प्रदेश मंत्री

चंदौली। भाजपा की बैठक शनिवार को जिला कार्यालय में आयोजित हुई। इसमें डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री शंकर गिरी ने कहा कि जनसंघ संस्थापक डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्र के लिए समर्पित रहा। उन्होंने भारत की एकता अखंडता के लिए सत्ता को त्याग दिया। कश्मीर को बचाने के लिए अपना बलिदान दे दिया। राज्य सभा सदस्य साधना सिंह ने कहा कि डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान को भाजपा ने निरर्थक नहीं होने दिया। उनका जो सपना था उसको पूरा किया। उनके बताए हुए रास्ते पर चलकर आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। अध्यक्षीय संबोधन में जिलाध्यक्ष काशीनाथ नाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू कश्मीर से धारा 370 व 35 ए को हटाकर उनके बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने दिया। कहा कि ऐसे महापुरुष के पदचिन्हों पर चलकर आज पार्टी देश और प्रदेश में सरकार चला रही है।

खबरें फटाफट

प्रॉपर्टी विवाद में धारदार हथियार से की बहन की हत्या

मऊ। प्रॉपर्टी विवाद में एक युवक ने अपनी बहन की धारदार हथियार हत्या कर दी। आरोपी भाई मौके से फरार हो गया। लोगों ने कहा कि युवक पुश्तैनी जमीन में बहन को हिस्सा मिलने से नाराज था। जिसे लेकर अक्सर विवाद होता था। मृतका की पहचान कोपागंज थाना क्षेत्र के जयरामगढ़ गांव निवासी गायत्री देवी (48) के रूप में हुई थी। जो अपने बेटे जसवंत के साथ मायके में रहती थी। गायत्री के बेटे ने हत्या के बाद मामा सहित पांच लोगों पर नामजद एफआईआर कराया है। पूरा मामला कोपागंज थाना क्षेत्र के जयरामगढ़ का है। आरोपी की पहचान निखलेश कुमार के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। बता दें कि घटना गुरुवार रात की है। जब निखलेश और गायत्री में जमीन को लेकर कहासुनी हुई। तभी गुस्से में निखलेख ने गायत्री पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। जिससे वह घायल हो गई। जिसका आज सुबह इलाज के दौरान वाराणसी ट्रामा सेंटर में मौत हो गई।

आम के लालच में दो मासूम की मौत

मऊ। घोसी कोतवाली स्थित रामपुर टड़वा में आम के बीनते वक्त तालाब में डूबने से दो किशोरों की मौत हो गई जबकि दो को बचा लिया गया। सूचना पर पहुंचे एडिशनल एसपी महेंद्र सिंह अत्री, सीओ घोसी दिनेश दत्त मिश्र व तहसीलदार धर्मेंद्र पांडे ने जांच पड़ताल किया। पुलिस ने दोनों किशोर के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मौत की खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बता दे कि रामपुर टड़वा निवासी कृष्णा (7) पुत्र रविन्द्र एवं राजन (10) पुत्र रामचेत गांव के ही कई बच्चों के साथ गांव के बगल में आम तोड़ने गए थे। जहां आम के पेड़ के बगल में पोखरा था। जिसमें बरसात में पानी भर गया था। कुछ आम तालाब में गिरे थे, जिसके निकालने के लालच में पानी भरे गड्ढे में चार बच्चे कूद गए। देखते ही देखते चारो बच्चे गहरे पानी मे डूबने लगे। बाहर खड़े कुछ बच्चों ने दो बच्चों को किसी तरह बाहर निकाला। वही दो बच्चे तालाब में डूब गए।

अच्छी खबर: चिकित्सा और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में गोरखपुर के नाम जुड़ी एक और उपलब्धि

महायोगी गोरखनाथ विवि को मिली एमबीबीएस पाठ्यक्रम की मान्यता

- एमबीबीएस कोर्स में दाखिला और पढ़ाई इसी सत्र से
- 1800 बेड के हाइटेक अस्पताल वाला होगा महायोगी गोरखनाथ विवि का मेडिकल कॉलेज

केटी न्यूज / गोरखपुर

चिकित्सा और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में गोरखपुर के नाम आज एक और उपलब्धि जुड़ गई। गोरखपुर में निजी क्षेत्र के पहले विश्वविद्यालय महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम के मेडिकल कॉलेज (श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर) को नेशनल मेडिकल कॉउंसिल से एमबीबीएस पाठ्यक्रम मान्यता प्राप्त हो गई है। इसी सत्र से यहां नीट काउंसलिंग के जरिये एमबीबीएस कोर्स में दाखिला और पढ़ाई प्रारंभ हो जाएगी। यह विश्वविद्यालय महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की तरफ से संचालित है और मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ इसके कुलाधिपति हैं।

महज तीन साल की अपनी प्रगति यात्रा में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने कई स्वर्णिम उपलब्धियां हासिल कर ली हैं। नर्सिंग, पैरामेडिकल, फामेर्सी के तमाम रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के साथ ही यहां गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के अंतर्गत 2021 से ही बीएएमएस का पाठ्यक्रम संचालित है। इस बीच आज नेशनल मेडिकल काउंसिल ने विश्वविद्यालय के मेडिकल कॉलेज (श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर) को एमबीबीएस की मान्यता भी प्रदान कर दी है। पहले सत्र के लिए यहां 50 एमबीबीएस सीटों के लिए मान्यता मिली है। एमबीबीएस की मान्यता मिलने पर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने विश्वविद्यालय परिवार एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में यह समूचे पूर्वांचल के युवाओं के लिए बड़ी सौगात है।

कुलपति एवं कुलसचिव ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का मेडिकल कॉलेज तीन चरणों में बनकर तैयार होगा। पहले, दूसरे और तीसरे चरण में 600-600 यानी कुल 1800 बेड का अस्पताल बनेगा। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्थापित यह मेडिकल कॉलेज गोरक्षपीठाधीश्वर एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट भी है। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के अनुसार पहले वर्ष इस मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की 50 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। इस संख्या को दूसरे और तीसरे चरण में और बढ़ाया जाएगा। एमबीबीएस की मान्यता मिल जाने से न सिर्फ पूर्वांचल के प्रतिभाशाली छात्र-छात्रों को अपने घर के पास

कुलसचिव डॉ राव ने बताया कि मेडिकल कॉलेज की स्थापना और रोल मॉडल के रूप में इसके विकास के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की दो कमेटियां सहयोग दे रही हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर की कमेटी प्रख्यात कैंसर रोग विशेषज्ञ एवं बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर डॉ संजय महेश्वरी की अध्यक्षता में बनाई गई है। इसमें एम्स नई दिल्ली के डॉ संजीव सिनहा, भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ जीएन सिंह, यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका के डॉ राघवेंद्र राव, डॉ असिथ मैली पिट्सबर्ग और डॉ केशव दास सदस्य के रूप में शामिल हैं। यह कमेटी मुख्य रूप से देश के भीतर और बाहर स्थित समक्ष संस्थाओं के साथ अकादमिक सहयोग स्थापित करने के लिए काम करेगी। इस समिति में कुलसचिव सदस्य सचिव के रूप में रहेंगे। इसके साथ ही बनाई गई प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग यूनिट में कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी अध्यक्ष, कर्नल (डॉ) राजेंद्र चतुर्वेदी संयोजक, डॉ. आर चंद्रशेखर प्रिंसिपल आर्किटेक्ट, जीएन सिंह, डॉ संजय माहेश्वरी, ब्रिगेडियर दीप ठाकुर, आर्किटेक्ट आशीष श्रीवास्तव, आरडी पटेल, वरुण भार्गव, राजेश सिंह, एसके सिंह, एके श्रीवास्तव शामिल हैं।

लाखों लोगों को होगा लाभ

गुणवत्तापरक चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध होगी बल्कि गोरखपुर-बस्ती-आजमगढ़ मंडल से लेकर पश्चिमी बिहार और नेपाल की तराई तक के लोगों को 1800 बेड का अत्याधुनिक सुपरस्पेशलिटी सुविधाओं से लैस चौबीसों घंटे सेवा देने वाला एक नया अस्पताल भी मिल जाएगा। कुलपति डॉ. वाजपेयी ने बताया कि यह वाराणसी और लखनऊ के बाद गोरखपुर में निजी क्षेत्र का पहला मेडिकल कॉलेज होगा। साथ ही एम्स गोरखपुर और बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज गोरखपुर के बाद शहर का यह तीसरा बड़ा चिकित्सा संस्थान होगा। विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. यूपी सिंह सहित सभी सदस्यों, भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह आदि ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

तत्कालीन राष्ट्रपति ने किया था विश्वविद्यालय का उद्घाटन

उल्लेखनीय है कि महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय का उद्घाटन 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया था। अब मेडिकल कॉलेज के जरिये 1800 बेड के अत्याधुनिक अस्पताल का सपना भी साकार हो रहा है। पहले सत्र में 50 सीटों के साथ शुरू हो रहे मेडिकल कॉलेज के पास 450 बेड का गोरखनाथ चिकित्सालय पहले से है। जल्द ही इसमें 1800 बेड का नया अस्पताल भी जुड़ जाएगा जिसके आधार पर आगामी सत्रों में मेडिकल कॉलेज में सीटों का विस्तार होगा।

वाराणसी की नेहा मिसेज यूपी तो जौनपुर की शैली बनी मिस यूपी क्वीन

केटी न्यूज / जौनपुर।

एक तरफ जहां केंद्र ब प्रदेश की सरकार बेटियों को पढ़ने के लिए और उन्हें सर्वोच्च पद पर बैठने के लिए हर तरह के प्रयास कर रही है साथ ही दिव्यांगजनों को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए तमाम तरह के प्रयास किया जा रहे हैं। तो वही इस काम में जनपद के होनहार और युवा कलाकार इस काम में लगे हुए हैं ।नगर के उत्सव होटल में फ्रेंड्स ग्रुप ट्रस्ट एवं जारा ग्रुप द्वारा आयोजित साल्वेशन हॉस्पिटल एवं उत्सव मोटल द्वारा प्रायोजित मिस एंड मिसेज क्वीन सीजन 3 2024 का आयोजन किया गया ।आयोजन का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों के लिए चैरिटी शो एवं प्रदेश की बेटियों के लिए प्रतिभा दिखाने का एक बड़ा मंच प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बॉलीवुड एक्ट्रेस स्नेहा उल्लाल ने विजेताओं के सिर पर ताज पहनाया और उन्हें ट्रॉफी दिया। वहीं संस्था द्वारा इस कार्यकम से एकत्रित किए गए कलेक्शन एक लाख रुपए का चेक स्नेहा ट्रस्ट आफ एजुकेशन दिव्यांग बच्चों के कल्याण एवं उनके पुनर्वास के लिए ट्रस्ट के संचालक समाजसेवी राजेश कुमार को दिया गया । प्रतियोगिता तीन चरण में हुआ पहले इंडियन राउंड दूसरा टैलेंट राउंड एवं तीसरा वेस्टर्न राउंड सभी राउंड में सारे प्रतिभागियों को पीछे करते हुए शैली मिश्रा ने मिस यूपी नेहा सिंह ने मिसेज यूपी क्वीन के खिताब को अपने नाम किया। पूरे यूपी से सेलेक्ट होकर 15 मिस एवं 10 मिसेज ने प्रतिभाग किया था। कार्यक्रम के निर्णायक मंडल के रूप में एकता सिंह मिसेज एशिया एकता तिवारी मिसेस इंडिया सोनल श्रीवास्तव मिसेज यूपी 2023 खुशबू प्रजापति मिस यूपी के क्वीन 2023 में निर्णय लिया टाइटल अवार्ड में आजमगढ़ की आयुषी गुप्ता मिस पूर्वांचल रही । पूजा सैनी मिसेज

मधुबन थाने का एसपी ने किया औचक निरीक्षण

मऊ। पुलिस अधीक्षक मऊ इलामारन जी ने शनिवार को मधुबन थाना का औचक निरीक्षण किया। दो दिन पूर्व थाना क्षेत्र में हुई छिनौती की घटना पर पुलिस द्वारा अब तक की गयी तफ्तीश का हाल जाना। सीओ मधुबन अभय कुमार सिंह एवं थाना प्रभारी रविंद्र नाथ राय को घटना के जल्द से जल्द पदार्फाश के निर्देश दिए। इस दौरान एसपी ने थाना के विभिन्न रजिस्टर का अवलोकन किया। थाना परिसर में साफ-सफाई के बेहतर व्यवस्था पर बल दिया। पुलिस अधीक्षक के इस औचक निरीक्षण से कुछ घंटों के लिए मधुबन थाना परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। जिम्मेदार 'आल इस वेल' दिखाने की कवायद में जुटे रहे। ज्ञात हो कि बीते गुरुवार की रात मधुबन थाना क्षेत्र के शहीद मार्ग पर एक व्यक्ति से 65 हजार की छिनौती हुई थी।

चंदौली में समाधान दिवस में डीएम के सामने महिला ने खुद पर छिड़का पेट्रोल, कहा -

अगर मुझे न्याय नहीं मिला तो कर लूंगी आत्मदाह

- जिलाधिकारी ने बताया कि महिला की शिकायत के संबंध में जांच टीम गठित की गई

केटी न्यूज / चंदौली

जिले के मुगलसराय तहसील में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस में उस वक्त हड़कंप मच गया. जब एक महिला फरियादी न्याय पाने के लिए खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह का प्रयास किया। हालांकि लोगों ने तत्परता दिखाते हुए महिला को पकड़ लिया और उसके हाथ पेट्रोल छीन लिया। इस घटना से तहसील सभागार में हड़कंप मच गया, जिलाधिकारी ने मामले का संज्ञान लेते हुए तत्काल सीओ और एसडीएम के लिए नेतृत्व में टीम गठित कर निस्तारण का निर्देश दिया।

मुगलसराय तहसील के तलपड़ा निवासी मधु कुमारी ने बताया कि उसके जमीन पर उसके पड़ोसियों द्वारा अतिक्रमण करते हुए उसके खेत जाने का रास्ता बंद कर दिया गया है। इससे उसका खेत तक जाना संभव नहीं हो पा रहा था। खेत की

ओर जाने पर गालीगलौज और मारपीट की जाती है। इससे उसके सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है ।जिसकी शिकायत लेकर मधु कई बार पुलिस थाना तहसील के चक्कर काट रही है. लेकिन उसे न्याय नहीं मिला। शनिवार को मुगलसराय में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया था, इस दौरान महिला ने अपना शिकायती पत्र जिलाधिकारी को सौंपते हुए न्याय गुहार लगाई. अभी जिलाधिकारी पत्रक पढ़ ही रहे थे कि महिला ने अपने ऊपर पेट्रोल छिड़क लिया और न्याय न मिलने पर आत्मदाह की धमकी देने लगी। अफरातफरी के बीच तहसील कर्मी व पुलिस की मदद से किसी तरह महिला को रोका गया। इस बाबत जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे ने बताया कि महिला की शिकायत के संबंध में तत्काल एसडीएम व सीओ की संयुक्त टीम गठित की गई। स्थलीय निरीक्षण में पड़ोसी द्वारा अतिक्रमण का आरोप सही पाया गया। टीम ने तत्काल अतिक्रमण हटाते हुए मामले का निस्तारण कर दिया है.,साथ जांच टीम गठित कर दी गई है ।दोषी के लिए खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सुभाषितम्

जो काम पड़ने पर सहायक होता है, वही मित्र है।

- दीर्घनिकाय

लोकसभा में नीट मामले पर चर्चा क्यों नहीं

18वीं लोकसभा का गठन हुआ है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में संसद के दोनों सदनों में चर्चा हुई। विपक्ष द्वारा स्थगन प्रस्ताव पेश किया गया था। विपक्ष चाहता था कि 24 लाख नीट के विद्यार्थियों पर चर्चा हो। सत्ता पक्ष ने इसको स्वीकार नहीं किया। सुप्रीमकोर्ट और हाईकोर्ट में नीट मामले की याचिकाएं विचाराधीन होने की आड़ में सरकार नीट मामले में सदन के अंदर चर्चा करने से बचती रही। संसद एक ऐसा मंच है। जहां पर सांसद किसी भी बात को निष्पक्षता और निडरता के साथ रख सकते हैं। सदन के अंदर सांसद न्यायपालिका और न्यायाधीशों के संबंध में भी अपनी बात खुलकर कह सकते हैं। न्यायालय में जो कार्रवाई चल रही होती है, उस पर जरूर कोई टीका-टिप्पणी सांसद नहीं करते हैं। लोकसभा में अध्यक्ष की सहमति से सार्वजनिक महत्व के किसी भी मामले में सदन के नियमित कामकाज को स्थगित करके चर्चा कराए जाने का प्रावधान है। पहले भी सदन के अंदर स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा होती रही हैं। नीट मामले में 24 लाख परीक्षार्थी प्रभावित हुए हैं। 100000 युवाओं का एडमिशन एमबीबीएस में होना है। इतने महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा नहीं कराया जाना, सार्वजनिक महत्व के मुद्दों से मुह मोड़ने के समान है। इस मामले में यदि लोकसभा में चर्चा होती तो निश्चित रूप से सरकार को इसका फायदा होता। सरकार के खिलाफ अभी पेपर लीक मामले और नीट के मामले में युवाओं में रोष देखने को मिल रहा है। यदि चर्चा हो जाती, आम सहमति से सदन में कोई सहमति बनती। इससे युवा वर्ग के घाव पर मलहम लगाने जैसा उपचार होता। सरकार ने सदन में नीट मामले में चर्चा नहीं होने दी। सुप्रीम कोर्ट में जो शपथ पत्र सरकार ने प्रस्तुत किया है उसमें कहा गया है, कि नीट परीक्षा में कोई गड़बड़ी नहीं हुई। जिसके कारण परीक्षा कैंसिल करनी पड़े। सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने नीट को लेकर जो पक्ष रखा है। युवाओं के जख्म पर नमक छिड़कने जैसा काम किया है। यही बात संसद के अंदर चर्चा में आती। पक्ष विपक्ष अपनी अपनी बात रखते। सरकार जिस आधार पर कह रही है, कि परीक्षा में कोई गड़बड़ी नहीं हुई है। संसद के माध्यम से वह बात सारे देश में पहुंचती। इससे युवाओं में जो नाराजी है, वह कम होती। युवाओं को लगता सदन में उनकी बात सुनी गई है। न्यायपालिका की आड़ लेकर पिछले कुछ वर्षों से महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषयों पर संसद में चर्चा नहीं कराई जा रही है। पहले भी कई मामलों में यह देखा जा चुका है। पैगासस, राफेल और हिडेनबर्ग जैसे मामले में सदन में चर्चा नहीं कराई गई। न्यायपालिका में विवाद को डाल दिया गया। न्यायपालिका की आड़ लेकर सरकार हमेशा अपना पक्ष रखने से बचती रही है। सरकार ने न्यायालय में सील बंद लिफाफे में जानकारी देने की नई परंपरा शुरू की। न्यायालय से सरकार ने अपने पक्ष में निर्णय भी प्राप्त कर लिया। इसको लेकर न्यायपालिका और सरकार के प्रति लोगों के विश्वास में कमी देखने को मिल रही है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलते हुए टीएमसी की सांसद महुआ मोइत्रा ने जिस तरह से न्यायपालिका की कार्यप्रणाली पर कटाक्ष किया है। उन्होंने न्यायपालिका को लेकर अपना पक्ष रखा है। उन्होंने यहां तक कह दिया, प्रेगनेंसी होगी या नहीं होगी। इसी तरह न्यायालयों से न्याय होगा या अन्याय होगा। जिस तरह से न्यायालय में आधे-अधूरे निर्णय दिए जा रहे हैं। विपक्ष के बारे में न्यायपालिका की भूमिका कुछ और है। सत्ता पक्ष के बारे में न्यायपालिका की भूमिका कुछ और है। उन्होंने सदन के अंदर न्यायपालिका के जजों की कार्यप्रणाली पर प्रत्यक्ष हमला किया है। वर्तमान केंद्र सरकार के पास स्पष्ट बहुमत नहीं है। विपक्ष अब आक्रामक मुद्रा में है। न्यायपालिका को भी अपनी साख बचा कर रखना जरूरी हो गया है। भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था है।

चिंतन-मनन

जीवन और मृत्यु

चीन में लाओत्से के समय में ऐसी प्रचलित धारण थी कि आदमी के शरीर में नौ छेद होते हैं। उन्हीं नौ छेदों से जीवन प्रवेश करता है और उन्हीं से बाहर निकलता है। दो आंखें, दो नाक के छेद, मुंह, दो कान, जननेंद्रिय, गुदा। इसके साथ चार अंग हैं- दो हाथ और दो पैर। सब मिला कर तेरह। यही तेरह अंग जीवन के साथी हैं और मृत्यु के भी साथी हैं। यही तेरह जीवन में लाते हैं और यही जीवन से बाहर ले जाते हैं। तेरह का मतलब यह पूरा शरीर। इन्हीं से तुम भोजन करते हो; इन्हीं से जीवन पाते हो; इन्हीं से उठते-बैठते और चलते हो। यही तुम्हारे स्वास्थ्य का आधार हैं और यही मृत्यु का भी आधार होंगे। क्योंकि जीवन और मृत्यु एक ही चीज के दो नाम हैं। इन्हीं से जीवन तुम्हारे नाम आएगा, इन्हीं से बाहर जाएगा। इन्हीं से शरीर के भीतर खड़े हो। इन्हीं के साथ शरीर टूटेगा, इनके द्वारा ही टूटेगा। हैरानी की बात है। यही तुम्हें संभालते हैं और यही मिटाएंगें। भोजन तुम्हें जीवन देता है, शक्ति देता है और भोजन की शक्ति से अपने भीतर की मृत्यु को बड़ा किये चले जाते हो। भोजन तुम्हें बुढ़ापे तक पहुंचा देगा, मृत्यु तक पहुंचा देगा। आंख, नाक, कान से जीवन की श्वास भीतर आती है। उन्हीं से बाहर जाती है। नौ द्वार और चार अंग। लाओत्से कहता है- तेरह ही जीवन के साथी, तेरह ही मौत के साथी। ये तेरह ही ले जाते हैं। अगर तुम सजग हो जाओ तो तुम चौदहवें हो। इन तेरह के पार हो। इस तेरह की संख्या के कारण चीन और फिर धीरे-धीरे सारी दुनिया में, तेरह का आंकड़ा अपशकुन हो गया। इस सुपरस्टीशन की पैदाइश चीन में हुई। अमेरिका में होटलों में तेरह नंबर का कमरा नहीं होता; तेरह नंबर की मंजिल भी नहीं होती। क्योंकि कोई तेरह नंबर पर ठहरने को राजी नहीं है। तेरह शब्द से ही घबराहट होती है। बारह नंबर के कमरे के बाद चौदह नंबर आता है। असल में होता तो वह तेरहवां ही है, लेकिन जो ठहरता है, उसे चौदह याद रहता है। तेरह की चिंता नही पकड़ती। चीन में बड़े अर्थपूर्ण कारण से यह विश्वास फैला। तेरह अपशकुन है।

नेपाल और इंग्लैंड में सरकारों का पतन

- राकेश अचल

भारत में भाजपा गठबंधन की सरकार जैसे-तैसे बच गयी लेकिन पड़ौस में नेपाल और इंग्लैण्ड की सरकारें गिर गयी। नेपाल में सरकार बैशाखी हटने से गिरी जबकि इंग्लैंड में जनादेश से। दुनिया में सरकारों का बनना, बिगड़ना एक सनातन प्रक्रिया का अंग है, लेकिन इनके बनने-बिगड़ने का असर आस=पड़ोस पर भी पड़ता ही है। भारत के साथ भी यही फामूर्ला लागू होता है। इसलिए भारत और भारतवासियों को इन घटनाओं पर नजर रखना पड़ती है। सबसे पहले बात नेपाल की करें। यहां प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल ह्यप्रचंडह्न की सरकार थी। बैशाखियों पर टिकी ये सरकार आखिर गिर गयी। सत्तारूढ़ गठबंधन के सहयोगी सीपीएन-यूएमएल ने प्रचंड को हटाने के लिए सबसे बड़ी पार्टी (नेपाली कांग्रेस) के साथ सत्ता-साझेदारी समझौते के बाद समर्थन वापस ले लिया है. अब यहां केपी शर्मा ओली के मुख्यमंत्री बनने की संभावना है। शर्मा जी भारत के नहीं चीन के समर्थक हैं। इसलिए भारत को शर्मा जी के आने से परेशानी होना स्वाभाविक है। नेपाल में पिछले 16 साल में 13 सरकारें गिरीं हैं, नेपाल की सरकारों के गिरने की कहानी अलग है। अभी तो हम प्रचंड के जाने और ओली के आने की बात कर रहे है। नेपाल में हमारे कुछ साहित्यिक मित्र हैं जो बताते रहते हैं की प्रचंड ने भारत की तर्ज पर नेपाल को हिन्दू राष्ट्र बनाने की दिशा में काफी काम किया। भारत में राम लाला की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर नेपाल में भी एक उन्माद पैदा करने की कोशिश की गयी। दीपावली मनाई गयी, लेकिन राम जी नेपाल सरकार के काम नहीं आये। प्रचंड को आखिर जाना ही पड़ा, दुनिया में धर्म की राजनीति ज्यादा नहीं चलती। वहां भी जहाँ धार्मिक आधार पर ही चुनाव होते है। बहरहाल हमें शर्मा जी के जाने और ओली जी के आने पर सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि खरबूजे को देखकर खरबूजा रंग बदलता है। हमारी सरकार के सहयोगी दल भी कब अपनी बैशाकहियाँ हटाकर मोदी जी को प्रचंड जैसा असहाय कर दें कोई नहीं जानता। अब चलिए इंग्लैंड। यहाँ भारत के कथित दामाद ऋषि सुनक की सरकार थी। ताजा चुनाव में इंग्लैंड की जनता ने सुनक की पार्टी को सत्ता से बाहर कर दिया। इस परिवर्तन में भारतवंशियों तक ने सुनक साहब का साथ नहीं दिया। सुनक को भारत की सरकार भारत का दमाद मानती थी। मानना ही चाहिए। हमारे यहां गांव-गोंड़े के रिश्ते बहुत चलते हैं। लेकिन सुनक साहब ने प्रधानमंत्री रहते हुए न भारत के लिए बहुत कुछ किया, और न भारतवंशियों के लिये। नतीजा ये हुआ कि उन्हें अब सत्ता से बाहर जाना पड़ा। सुनक के प्रधानमंत्री बनने पर उनके भारतवंशी होने को लेकर कभी कोई विवाद नहीं उठा, अन्यथा वहां कोई गुजराती प्रतिद्वंदी होता तो उन्हें श्यामा गाय का बछड़ा कह सकता था। हमारे यहां तो इटली मूल की भारतीय बहू को जर्सी गाय और बारबाला कहने वाले अनेक विद्वान हैं। बहरहाल ब्रिटेन में चार जुलाई को हुए आम चुनाव में लेबर पार्टी ने बहुमत हासिल कर लिया है. कंजर्वेटिव पार्टी को अब तक की सबसे बुरी हार का सामना करना पड़ा है. लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर महाराजा चार्ल्स तृतीय से मुलाकात के बाद आधिकारिक तौर पर ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री बन गए हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिटेन के आम चुनाव में जीत के लिए लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर को बधाई दी तथा दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के साथ ही पारस्परिक विकास व समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए सकारात्मक व रचनात्मक सहयोग की उम्मीद जताई. मोदी जी ने इसके साथ ही निवर्तमान प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के नेतृत्व की सराहना की और अपने कार्यकाल के दौरान भारत और ब्रिटेन के संबंधों को प्रगाढ़ करने में उनके ह्यसक्रिय योगदानह्न के प्रति आभार जताया।

भारत के आसपड़ोस में श्रीलंका है, पकिस्तान है, चीन है इन सबसे हमारे रिश्ते कैसे हैं, ये बताने की जरूरत नहीं। पाकिस्तान से हमारी कुट्टी हुए अरसा हो चुका है। चीन को हम साबरमती में झूला झूला चुके हैं, लेकिन उसकी फितरत नहीं बदली। पकिस्तान की फितरत तो बदलने का सवाल ही नही। श्रीलंका भी चीन के प्रभाव में है। उसके ऊपर हमारा प्रभाव न जाने क्यों नहीं पड़ रहा। श्रीलंका वाले तो हमारे मोदी जी के शपथर्ग्रहण समारोह में भी नजर नहीं आये। जो पड़ौसी आये थे उनमें से मालदीव वाले भी मन मारकर आये थे। ये सारे सन्दर्भ में इसलिए आपके सामने रख रहा हूँ क्योंकि आसपास की राजनीतिक गतिविधियां भारत के अनुकूल नहीं हैं। भारत में नेपाल जैसी ही गठबंधन की सरकार है। हमारी कामना और प्रार्थना है कि ये सरकार पूरे पांच साल चले, क्योंकि भारत जैसा गरीब देश दो-ढाई साल में चुनाव की मार सहने की स्थिति में नहीं है। लेकिन हमारी कामना और प्रार्थना से बात बनने वाली नहीं है। ये सरकार तो नायडू, नीतीश बाबू, जलते-बुझते चिराग और जीतनराम माझी के भरोसे चलने वाली सरकार है। जिस दिन भी इन छुटभैयों का माथा सटका उस दिन सरकार को प्रचंड गति मिलने से कोई रोक नहीं सकता। ऐसी सरकारें अक्सर हिकमत अमली से चलती हैं। पीव्ही नरसिम्हाराव, अटल बिहारी बाजपेयी और डॉ मनमोहन सिंह ने ऐसी सरकारें बाखूबी चलकर दिखाई। किन्तु माननीय मोदी जी के लिए ऐसा करना शायद कठिन हो। क्योंकि वे न राव हैं, न बाजपेयी हैं और न मनमोहन सिंह। वे मोदी जी हैं, नरेंद्र दामोदर मोदी। उनकी चाल, चरित्र और चेहरा बदलना आसान काम नहीं है। उनका एजेंडा हिडन नहीं है, खुल्ल्म-खुल्ला है। वे भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाना चाहते हैं क्योंकि आरएसएस ऐसा चाहता है। वे मजबूर हैं। वे भारत की विविधता, धर्मनिरपेक्षता को नहीं मानते। वे मुसलमानों को भारत का नागरिक नहीं मानते। उनके लिए मणिपुर भारत का कोई राज्य नहीं है। कुल जमा हमारे लोग ब्रिटेन में भी हैं और नेपाल में भी। इसलिए हमें यहां हुए सत्ता परिवर्तन के बाद अपनी विदेश नीति की भी समीक्षा करना पड़ेगी। आने वाले दिनों में अमेरिका में भी चुनाव होना है हमें सबको साथ लेकर इस मसले पर संसद में संसद के बाहर चाय पीते हुए भी बात करना पड़ेगी, अन्यथा हमारे लिए यानि भारत के लिए, नयी समस्याएं खड़ी हो सकतीं हैं। हमें उम्मीद है कि हमारी बैशखियों पर टिकी सरकार इस मामले में गाम्भीर्य का प्रदर्शन करेगी। नहीं करेगी तो सरकार के साथ-साथ पूरे देश को इसका खमियाजा भुगतना पडेगा। सरकार कि मुखिया का या है, वे तो फकीर हैं, लेकर अपना झोला झंडा चल पड़ेंगे।

गांवों से पलायन एवं बढ़ते शहरीकरण के खतरे

- ललित गर्ग

भारत में बढ़ता शहरीकरण भले ही विकास का आधार हो, लेकिन इसने अनेक समस्याओं को भी जन्म दिया है। बढ़ता शहरीकरण केवल भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के लिये एक बड़ी चुनौती बन रहा है। वर्तमान में दुनिया की कुल आबादी में से 56 फीसदी आबादी शहरों में रहने लगी है। गांवों से शहरों की ओर पलायन हो रहा है। यह प्रवृत्ति जारी रही तो 2050 तक शहरी आबादी अपने वर्तमान आकार से दोगुनी से भी अधिक हो जाएगी। भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने एवं नया भारत-विकसित भारत बनाने के लिये शहरीकरण पर बल दिया जा रहा है। एक विडम्बनापूर्ण सोच देश के विकास के साथ जुड़ गयी है कि जैसे-जैसे देश विकसित होता जायेगा वैसे-वैसे गांव की संरचना टूटती जायेगी। निश्चित ही जब भी शहरों में कोई नई कॉलोनी विकसित होती है तो हमें यह स्वीकारना ही होगा कि किसी न किसी गांव की कुबार्नी हुई है। एक और विडम्बना एवं त्रासदी है कि जिन्हें शहर कहा जा रहा है वहां अपने संसाधना से वंचित लोगों की बेतरतीब, बेचैन और विस्थापित भीड़ ही होगी। कुछ समय पूर्व स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच का सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें यह बात उभर कर सामने आई कि शहरों के विकास को ही भारत के विकास की धुरी माना जा रहा है। यह सही भी है क्योंकि किसी भी आधुनिक और विकासशील अर्थव्यवस्था में शहरों को विकास का सबसे बड़ा वाहक माना जाता है। भारत में नवीन भारत की पहल के विचार को आगे बढ़ाने की कड़ी में शहरी बुनियादी ढाँचों में सुधार के समग्र दृष्टिकोण को अपनाये जाने की अपेक्षा है। वैश्वीकरण के उपरांत शहरी विकास की अवधारणा समावेशी विकास की एक अनिवार्य शर्त बन गई है। शहरी विकास की इस प्रक्रिया ने गाँवों के सामने अस्तित्व का संकट उत्पन्न कर दिया है। शहरों का अनियोजित विकास, महानगरों का असुरक्षित परिवेश, पर्यावरण की समस्या, बढ़ता प्रदूषण, जल का अभाव एवं शहरी संस्कृति में बढ़ते जा रहे संबंधमूलक तनाव हमें यह सोचने पर विवश करते हैं कि शहरी विकास की अवधारणा पर एक बार फिर से विचार किया जाना चाहिये। विभिन्न प्रकार के प्रदूषण उत्पन्न करने में गाँवों की तुलना में शहरों की भूमिका अधिक है, तो क्या यह कहा जा सकता है कि विकास और प्रदूषण का एक-दूसरे के साथ सकारात्मक संबंध है? बेहतर रोजगार, आधुनिक जनसुविधाएं और उज्ज्वल भविष्य की लालसा में अपने पुश्तैनी घर-बार छोड़कर शहर की चकाचौंध की ओर पलायन करने की बढ़ती प्रवृत्ति का परिणाम है कि देश में एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की संख्या लगभग 350 हो गई है जबकि 1971 में ऐसे शहर मात्र 151 थे। यही हाल दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों का है। इसमें कोई दो राय नहीं कि शहरीकरण को विकास का पैमाना माना जाता है। शहरों में गांवों की तुलना में अधिक साधन, सुविधाएं, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा दूसरे शब्दों में आधारभूत सुविधाएं अधिक होती हैं। यह भी सच है कि ये सुविधाएं सभी को नसीब भी नहीं होतीं। रोजगार के लिए गांवों से शहरों में आने वाले बहुत सारे लोगों को कच्ची बस्तियों, चालों या एक से दो कमरें के मकानों में किराए पर रहने को बाध्य होना पड़ता है। शहरों में बुनियादी सुविधाओं के बावजूद सामाजिक और पर्यावरणीय क्षेत्र पर खासा नकारात्मक प्रभाव देखा जा सकता है। शहरों में रहना दूभर ही होता जा रहा है। असल में देखें तो संकट वायु प्रदूषण का हो या जंगल का, स्वच्छ वायु का हो या फिर स्वच्छ जल का, सभी के मूल में विकास की वह अवधारणा है जिससे शहर रूपी सुरसा सतत विस्तार कर रही है और उसकी चपेट में आ रही है प्रकृति और उसकी नैसर्गिकता। जिसके कारण मनुष्य की सांसें उलझती जा रही है, जीवन पर संकट मंडरा रहा है। अगर हमें पूरी समस्या से लड़ना है, तो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सहित महानगरों के स्तर पर और साथ ही पूरे देश के स्तर पर अपनी कई आदतों को बदलना होगा, विकास के तथाकथित मॉडल पर गंभीर चिन्तन करना होगा। वायु प्रदूषण का कारण पराली एवं सड़क पर दौड़ते निजी वाहनों में खोजने की बजाय हमें महानगरों के अनियोजित शहरीकरण में खोजना होगा। पर्यावरण सुरक्षा के मद्देनजर शहर एक बड़ी चुनौती बन रहे हैं क्योंकि शहर के विकास के लिये हरित क्षेत्र की बलि चढ़ाई जा रही है। जलवायु संबंधी परिवर्तनों ने कई शहरों के अस्तित्व को चुनौती दी है, विशेषतः समुद्र किनारे बसे शहर अब मानव निर्मित आपदाओं से अछूते नहीं रह गए हैं। इसके अलावा, तीव्र प्रौद्योगिकीय विकास शहरों में अनेक परंपरागत व्यवसाय करने वाले समूहों के लिये खतरा बन गया है क्योंकि इससे भी पर्यावरण को नुकसान होता है। देश के सभी बड़े शहरों और महानगरों में बड़ी संख्या में स्लम बस्तियाँ बन गई हैं। इनमें रहने वाले लोग शहरी जनसंख्या से संबंधित उच्च एवं मध्य वर्ग की अनेक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, परंतु वे न केवल गरीबी के शिकार हैं अपितु बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित हैं। प्रत्येक शहर में बेतरतीब यातायात एक गंभीर समस्या बन गया है क्योंकि सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को लगभग समाप्त कर दिया गया है। शहर में रहने वाले समृद्ध लोग अपनी शक्ति और संपन्नता के प्रदर्शन के लिये यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं और इससे बड़ी संख्या में सड़क हादसे होते हैं। शहर के लिए सड़क चाहिए, बिजली चाहिए, जल चाहिए, मकान चाहिए और दफ्तर चाहिए। इन सबके लिए या तो खेत होम हो रहे हैं या फिर जंगल। जंगल को हजम करने की चाल में पेड़, जंगली जानवर, पारंपरिक जल स्रोत सभी कुछ नष्ट हो रहा है। यह वह नुकसान है जिसका हजार्ना संभव नहीं है और यही वायु प्रदूषण का बड़ा कारण है। शहरीकरण यानी रफ्तार और रफ्तार का मतलब है वाहन और वाहन है कि विदेशी मुद्रा भंडार से खरीदे गए ईंधन को पी रहे हैं और बदले में दे रहे हैं दूषित वायु। शहर को ज्यादा बिजली चाहिए यानी ज्यादा कोयला जलेगा, ज्यादा परमाणु संयंत्र लगेंगे। शहर का मतलब है औद्योगिकीकरण और अनियोजित कारखानों की स्थापना, जिसका परिणाम है कि हमारी लगभग सभी नदियां अब जहरीली हो चुकी है। महानगरों की बढ़ती आबादी को सिर छुपाने को मकान चाहिए, जिसके लिये हरीतिमा क्षेत्रों को हम कंक्रीट के जंगल में तब्दील करते जा रहे हैं। नदी थी खेती के लिए, मछली के लिए, दैनिक कार्यों के लिए, न कि उसमें गंदगी बहाने के लिए।

बिहार में पूल क्यों ढह रहे हैं?

- संजय गोस्वामी

हाल ही में जिस तेजी से पुल ढह रहे हैं, उससे पुल निर्माण के लिए इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक में कमी का संकेत मिलता है। मानसून के मौसम में पानी के तेज बहाव के कारण पुल खराब हो रहे हैं। नए पुल में गुणवत्ता की कमी है और पुराने पुल की कभी मरम्मत नहीं की गई, जिसके कारण यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई। पुल एक जटिल ओवरपास संरचना है, जिसमें पुल के डेक, गर्डर, पियर्स और बियरिंग जैसे विभिन्न तत्व शामिल हैं जो यातायात को नदियों, घाटियों, निचली भूमि या सड़कों से गुजरने में सक्षम बनाते हैं। डिजाइन और निर्माण तकनीक में प्रगति के साथ, पुल की संरचनाएँ बड़ी होती जा रही हैं, लेकिन वे अभी भी निर्माण के दौरान या कठोर पर्यावरणीय परिस्थितियों के लंबे समय तक संपर्क में रहने से क्षतिग्रस्त होने की चपेट में रहने से हैं। परिवहन नेटवर्क में पुल सबसे महत्वपूर्ण संरचनाओं में से एक हैं। कोई नहीं जानता कि पुलों की अवधारणा वास्तव में कैसे शुरू हुई, लेकिन प्रारंभिक मनुष्यों ने भौगोलिक बाधाओं को पार करने के लिए गिरे हुए पेड़ों, सीढ़ियों के पत्थरों और अन्य प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाली सामग्रियों का उपयोग किया। प्रबलित का उपयोग संभवतः 1870 के दशक में शुरू हुआ जब लोहे को एम्बेडेड किया गया था, लेकिन 20वीं सदी के पहले दशक तक सुदृढीकरण, जैसा कि हम इसे आज जानते हैं, पेश नहीं किया गया था। फिर सुरक्षित परिवहन प्रदान करने के लिए उनमें सुधार किया जाता है। नतीजतन, अचानक ढहने से काफी नुकसान हो सकता है। इसके अलावा, लंबे समय तक सेवा में रहने वाले पुल की संरचनाएँ कठोर बाहरी परिस्थितियों के संपर्क में रहती हैं, जिससे वे क्षतिग्रस्त होने और अचानक ढहने की संभावना बढ़ती हैं। इसलिए, विनाशकारी सुरक्षा निरीक्षणों के माध्यम से प्रत्येक पुल की स्थिति और सुरक्षा स्तर का नियमित रूप से आकलन करना आवश्यक है। ऊंचाई बढ़ने के साथ प्रबलित कंक्रीट पुलों में पोस्ट-टेंशनिंग बल में कमी से टेंडन में शेष बल का अनुमान लगाने में चुनौतियाँ आती हैं। पीजोइलेक्ट्रिक पैच का उपयोग अवशिष्ट पोस्ट-टेंशनिंग बल का अनुमान लगाने की एक विधि है। इसमें एंकर लॉक पर दो पैच लगाना और फिर आठ चरणों में टेंडन को टेंशन देना शामिल है। प्री-टेंशनिंग और पोस्ट-टेंशनिंग कंक्रीट पुलों में टेंडन पर तनाव लगाने के दो तरीके हैं, जिसमें एंकरेज सिस्टम जैसे कि वेज, बेयरिंग प्लेट और ग्राउट कनेक्शन तनाव को स्थानांतरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन घटकों की निगरानी तनाव बलों से होने वाले नुकसान का अनुमान लगाने में मदद कर सकती है। तन्यता बल को मापने के पारंपरिक तरीके, जैसे कि प्रकाश परीक्षण, समय लेने वाले और महंगे हैं। ब्रिज की प्राकृतिक आवृत्ति और तनाव बल के बीच संबंध स्थापित करने से कंपन विश्लेषण के माध्यम से तनाव बल का अनुमान लगाने में मदद मिल सकती है। लोचदार बल, लोचदार तरंग वेग और लोचदार मापांक के बीच एक संबंध है, जो दशार्ता है कि लोचदार बल में वृद्धि के साथ तरंग वेग गैर-रैखिक रूप से बढ़ता है। पुल का डिजाइन बनाते समय, केवल निर्मित पुल के व्यवहार और साइट पर विशिष्ट ट्रैफि क का पूवार्नुमान लगाया जाता है। लोड और प्रतिरोध कारक डिजाइन विनिर्देश हैं, जो कठोरता और ताकत के कई माध्यमिक स्रोतों की उपेक्षा करते हैं। पुलों का डिजाइन बनाना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन लोड के दौरान पुल की निगरानी करना ट्रैफि क पर डेटा एकत्र करने के लिए सबसे अच्छा मॉडल प्रदान करता है ब्रिलौइन ऑप्टिकल टाइम डोमेन एनालिसिस (इडळऊअ) सेंसिंग तकनीक अत्यधिक क्वांटाइज्ड कंसेंट्रिक बीम में गर्मी के नुकसान की व्यापक निगरानी को सक्षम बनाती है। धारा के किनारे वैकल्पिक स्थलों पर मिट्टी और उप-मिट्टी की स्थिति भिन्न हो सकती है।

आज का राशिफल

मेष दिन शुभ है और भाग्य आपका साथ दे रहा है। कार्यक्षेत्र में आपके पक्ष में कुछ बदलाव हो सकते हैं।

तुला आज आपको शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि मिलने के योग हैं।

वृषभ आपके सुख में वृद्धि होगी। परिवार के लोगों के साथ आपका दिन खुशहाली में बीतेगा।

वृश्चिक आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होकर धन, सम्मान और यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।

मिथुन किसी बहुमूल्य वस्तु अथवा संपत्ति की प्राप्ति की अभिलाषा आज पूरी होगी।

धनु धन गृहोपयोगी वस्तुओं पर खर्च होगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी।

कर्क आज भाग्य साथ देगा और आपके लिए उत्तम वस्तुओं की प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

मकर आज लाभ होगा और आपको हर्ष होगा। आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में बेहतर होगी।

सिंह दिन सफलता से भरा होगा और सभी रुके कार्य पूर्ण होंगे। संतान के प्रति दायित्व की भी पूर्ति होगी।

कुंभ आज दिन मिलाजुला रहेगा और आज आपको अधिक खर्च करना पड़ सकता है।

कन्या आपको किस्मत का साथ मिलेगा आपके परिवार में मंगल कार्य की खुशी होगी।

मीन आपका जीवन आनंद में बीतेगा। पास और दूर की सकारणीय यात्रा भी हो सकती है।

विशेष

18वीं लोकसभा का पहला संसद सत्र नया इतिहास लिखेगा

18वीं लोकसभा के पहले सत्र का ट्रेलर एक नया इतिहास लिखने जा रहा है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में जो टकराव देखने को मिला है। वह सभी को आश्चर्य में डाल रहा है। गठबंधन की सरकार होने के बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से लोकसभा के अध्यक्ष पद पर ओम बिरला को विराजमान किया है। मंत्रिमंडल के सदस्यों को पुराने विभाग सोंपे हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जिस तरह से विपक्ष को चुनौती दी है। उससे अब संसद का नया इतिहास लिखा जाएगा। यह चचाओं में है।

किताबों का कानून अस्तित्व में आएगा?

1 जुलाई से भारत सरकार ने 3 नए कानून लागू कर दिए हैं। कानून में बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। यह कानून किताबों में रह जाएंगे, या अस्तित्व में भी आएंगे। कानून की किताबों तक सीमित होकर रह जाएंगे। निश्चित समय सीमा पर पुलिस और न्यायालय को काम करना है। पर्याप्त संख्या में पुलिस बल उपलब्ध नहीं है। जांच कार्य और अन्य कार्यों के लिए पुलिस बल को जिन चीजों की आवश्यकता है। वह उनके पास उपलब्ध नहीं है। सैकड़ों थानों में इंटरनेट की सुविधा नहीं मिल पा रही है। जांच अधिकारी प्रशिक्षित नहीं है। ऐसी स्थिति में क्या होगा, भगवान ही मालिक है। रही सही कसर न्यायालय में पूरी हो जाएगी। जब जांच अधिकारी अपनी रिपोर्ट ही नहीं प्रस्तुत कर पाएंगे। न्यायालय भी कैसे समय सीमा पर निर्णय सुना पाएंगी। संविधान में भी बहुत कुछ लिखा हुआ है।

कार्टून कोना

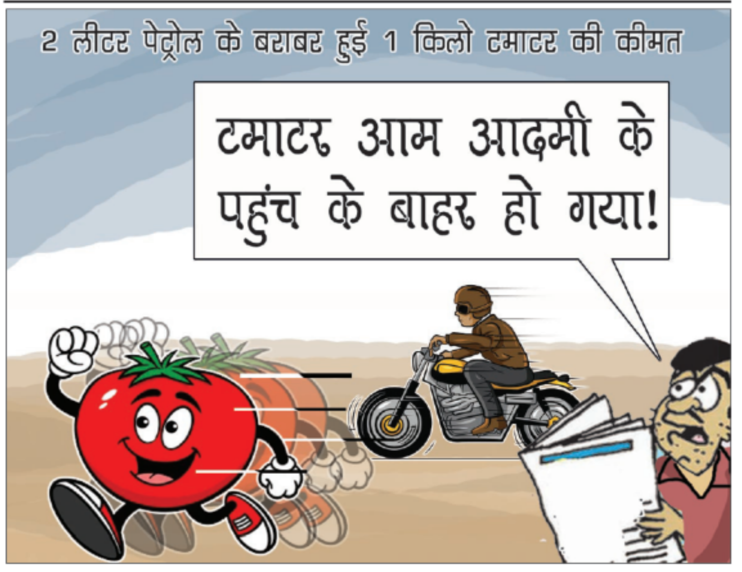

आज का इतिहास

1763: मीर जाफर दोबारा बंगाल के नवाब बने. 1804: हेली ने फ्रांस से स्वतंत्र होने की घोषणा की. 1845: नेपोलियन बोनापार्ट द्वारा गद्दी छोड़ने पर मित्र राष्ट्रों की सेनाएं पेरिस पहुंची. 1896: भारत में सिनेमा पहली बार फ्रांस से आया जब मुंबई के वाटसन होटल में फिल्म दिखाई गई. 1898: अमरीका ने हवाई पर अधिकार कर लिया. 1943 ब्रिटिश संसद ने आयरिश होम रूल्स विधेयक पारित किया. 1925: दक्षिण अफ्रीकी सीनेट ने रंगभेदी विधेयक को ठुकरा दिया. 1937: चीन जापान युद्ध भड़का. 1943: रास बिहारी बोस ने आजाद हिंद फौज की कमान सुभाष चंद्र बोस को सौंप दी. 1948: दामोदर घाटी निगम की स्थापना हुई. 1960: बेल्जियम ने कांगो में अपनी 'फौजें भेजी. 1973: सरकार का तख्ता पलटने के आरोप में इराक में 23 व्यक्तियों को मौत की सजा दी गई.

दैनिक पंचांग

7 जुलाई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मिथुन में
चंद्र	कर्क में
मंगल	मेष में
बुध	कर्क में
गुरु	वृष में
शुक्र	कर्क में
शनि	कुंभ में
राहु	मीन में
केतु	कन्या में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कर्क	06.04 बजे से
सिंह	08.20 बजे से
कन्या	10.32 बजे से
तुला	12.43 बजे से
वृश्चिक	14.58 ब.से
धनु	17.14 बजे से
मकर	19.19 बजे से
कुंभ	21.05 बजे से
मीन	22.38 बजे से
मेष	00.09 बजे से
वृष	01.49 बजे स
मिथुन	03.47 बजे से

रविवार 2024 वर्ष का 189 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वितीया 05.00 बजे प्रातः को समाप्त। **नक्षत्र** पुष्य अहोरात्र। **योग** हर्षण 02.13 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 16.39 बजे तदनन्तर कौलव 05.00 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 1.0 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 22° 33' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872033 **जूलियन दिन** 2460498.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1445 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 30 **विशेष** चंद्र दर्शन, जगन्नाथ पुरी रथ यात्रा।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23	बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09	बजे तक
चर	07.23 से	08.51	बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41	बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18	बजे तक	चर	08.41 से	10.14	बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46	बजे तक	रोग	10.14 से	11.46	बजे तक
काल	11.46 से	01.14	बजे तक	काल	11.46 से	01.19	बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41	बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51	बजे तक
रोग	02.41 से	04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36	बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

यूएस और यूके के मुकाबले रूस में किफायती है एजुकेशन

बिहार के छात्र तबरेज के मुताबिक यूएस और यूके के मुकाबले रूस में पढ़ाई काफी किफायती है। बिहार के औरंगाबाद जिले के एक छोटे से गांव मोबारक पुर के छात्र को जब रूस सरकार की ओर से मिलने वाली स्कॉलरशिप के बारे में पता चला तो उसकी जिंदगी बदल गई। एक अखबार पढ़ने के दौरान उनका झुकाव विदेश अध्ययन की तरफ हुआ। यह यात्रा आसान नहीं थी। तबरेज खान रूस की पीपल फ्रेंडशिप यूनिवर्सिटी से इंडिस्ट्रियल और सिविल इंजीनियरिंग में पीएचडी सेकंड इयर की पढ़ाई कर रहे हैं। उनके रिसर्च में भारत में कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट में इंजिनियरिंग मैनेजमेंट सिस्टम की पढ़ाई शामिल है।

तबरेज के मुताबिक 'मुझे अब यहां आठ साल हो चुके हैं। मैं यहां उच्च शिक्षा के लिए आया था। मैने टेक्नोलॉजी (सिविल इंजिनियरिंग) में यहां बैचलर और मास्टर्स की पढ़ाई पूरी की। मैने 2010-11 में रूसी भाषा का कोर्स करने के बाद अपनी पढ़ाई शुरू की। यहां शिक्षा का माध्यम रूसी होने के कारण रूसी भाषा का कोर्स करना जरूरी है'।

'रूसी भाषा सीखने से मेरे लिए कई दरवाजे खुले मैने 2015 2017 की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा के दौरान इंटरप्रेटर का काम किया इसके अलावा अक्टूबर 2013 में पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की यात्रा के दौरान मैं प्रतिनिधि मंडल का हिस्सा था।' बता दें कि तबरेज खान मॉस्को में भारतीय छात्रों की असोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं।

किफायती शिक्षा

बिहार के गया में शुरुआती शिक्षा के दौरान ही उनके मन में किसी यूरोपीय देश से सिविल इंजिनियरिंग करने का ख्याल आया। बाद में उन्होंने महसूस किया कि रूसी सिविल आर्किटेक्चर इस मामले में काफी आगे है। रूस में किसी भी दूसरे यूरोपीय शहर के मुकाबले रहना काफी सस्ता है। उन्होंने कहा कि 'मैं यहां स्कॉलरशिप पर पढ़ाई कर रहा था इसलिए मेरा रहने-खाने और पढ़ाई का पूरा खर्च रूसी सरकार उठाती थी।'

रूसी शिक्षा

रूस में थ्योरी के बजाय प्रैक्टिकल शिक्षा पर ज्यादा जोर दिया जाता है। रूसी शिक्षा मंत्रालय भारत के साथ एजुकेशन एक्सचेंज पर जोर देता है। जिसमें भारतीय छात्रों को स्कॉलरशिप दी जाती है

बीटेक कॉलेज का चुनाव करते समय इन बातों का रखें ध्यान

इंजीनियरिंग का क्रेज आज भी युवाओं के बीच बरकरार है। आईआईटी, एनआईटी और ट्रिपलआईटी संस्थानों में जिन स्टूडेंट्स का एडमिशन नहीं होता है वे अन्य कॉलेजों का रुख करते हैं। वहीं, कई बार जानकारी के अभाव में स्टूडेंट्स गलत बीटेक कॉलेज चुनाव कर लेते हैं, जिसकी वजह से उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। स्टूडेंट्स को इस तरह की दिक्कत न हो, इसके लिए हम यहां पर एक्सपर्ट्स द्वारा दिए गए टॉप टिप्स बता रहे हैं।

अपने करियर में जब आपने बी.टेक की फील्ड का चयन कर लिया है, तो अगला सबसे महत्वपूर्ण कदम अपनी डिग्री के लिए सही यूनिवर्सिटी या कॉलेज चुनना है। हालाँकि, बी.टेक. के लिए सही कॉलेज का चयन करते समय यह फील्ड थोड़ी चुनौतीपूर्ण लग सकती है क्योंकि विकल्प असंख्य हैं। सही विश्वविद्यालय में ग्रेजुएशन शिक्षा आपके भविष्य को कई मायनों में बदल सकती है। कॉलेज फीस के अतिरिक्त विश्वविद्यालय परिसर, स्थान, रैंकिंग अध्ययन परिवेश तक, कई अलग-अलग चीजों का ध्यान रखना काफी आवश्यक हैं। बतौर एक विद्यार्थी के तौर पर यूनिवर्सिटी का चुनाव करते समय आप कुछ जरूरी बातों का जरूर ध्यान रखें।

रैकिंग और एकरीडेशन

कॉलेज या यूनिवर्सिटी को शॉर्टलिस्ट करते समय सबसे पहले देखें कि वह यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त है या नहीं। यूजीसी से मान्यता प्राप्त बी.टेक इंजीनियरिंग और तकनीकी कॉलेज की डिग्री हमेशा अधिक मूल्यवान होगी और आपको भविष्य में प्रतिष्ठित कंपनियों से बेहतर नौकरी के ऑफर हासिल होगे। इसके साथ ही आप उनकी डंडिया, वर्ल्ड स्तर पर रैकिंग और इंजीनियरिंग क्षेत्र में उस यूनिवर्सिटी या कॉलेज का स्थान देख सकते है। यह आपको उनकी वेबसाइड पर मिल जाएगा।

इंडस्ट्री आधारित कार्यक्रम

टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में हो रहे लगातार बदलाव के चलते यूनिवर्सिटी भी अपना सिलेबस इंडस्ट्री के अनुसार तैयार कर रही है। जिसमें वह इंडस्ट्री के माहिरों की मदद लेती है और विद्यार्थियों को नए स्किल्स और ट्रेनिंग का मौका मिलता है। यूनिवर्सिटी का चुनाव करते समय जरूर देखें कि उनका राष्ट्रीय और अंतर राष्ट्रीय स्तर पर किस किस कंपनी के साथ ट्राइअप है।

रिसर्च के अवसर और गर्वमेंट प्रोजेक्ट

बी.टेक के क्षेत्र में कौन सा कॉलेज या यूनिवर्सिटी अपने विद्यार्थियों को रिसर्च के कितने अवसर व सुविधाएं प्रदान करता है यह विभिन्न प्रतियोगितायों की जीत और सरकारी ग्रांट से पता लग जाता है। सर्वश्रेष्ठ इंजीनियरिंग कॉलेज अपने छात्रों में रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए हमेशा बेहतरीन रिसर्च लैब्स, फंड व गर्वमेंट फंड उपलब्ध करवाते है। आप उस शिक्षण संस्थान के प्रकाशिंत हो चुके अनुसंधानों की संख्या को भी देख सकते है।

प्लेसमेंट

कहना को हर शिक्षण संस्थान कहता है कि हमारा प्लेसमेंट सबसे बेहतर है लेकिन एक यूनिवर्सिटी की कितनी प्लेसमेंट है आप उनके पिछले कुछ सालों के रिकॉर्ड देख कर पता लगा सकते है। इसके साथ ही उनका पैकेज, कंपनी की भी जाँच करें। यह भी देखें कि वह संस्थान बच्चों की प्लेसमेंट के लिए इन हाउस कितनी प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन करता है और क्या विद्यार्थियो के लिए अलग से प्लेसमेंट विभाग है।

परिसर का पर्यावरण

घर से कैंपस की दूरी के साथ यह भी देखें अगर आप होस्टल में रहने वाले तो कैंपस का माहौल कैसा है। वहां पर खेल, मनोरंजन, कैंटीन, मैडिकल, स्टूडेट वेल्फेयर विभाग व अन्य गतिविधियों की किस तरह की सुविधा उपलब्ध है क्योंकि पढ़ाई के माहौल के साथ आपके लिए यह सब भी अधिक महत्वपूर्ण है।

लैब्स और इंफ्रास्ट्रक्चर

बी.टेक एक तकनीकी क्षेत्र है इसलिए बिना सोचे आपको ऐसे कॉलेज का चुनाव करना चाहिए यहां पर अच्छी लैब्स और इंफ्रास्ट्रक्टर जैसे कि इनोवेशन सेंटर, मैकेनिकल लैब्स, वर्कशाप आदि नवीनतम उपकरणों के साथ उपलब्ध हो।

टीचर्स की गुणवत्ता

एक अच्छा शिक्षण संस्थान जो कि बेहतरीन शिक्षा देना चाहता है हमेशा बेहतरीन शिक्षण संस्थान से पीएचडी कर चुके अनुभवी शिक्षकों का चुनाव करते है जो तकनीकी और पढ़ाने में बेहतरीन हो। समय-समय विभिन्न वर्कशाप, गतिविधियों के माध्यम से वह अपने कौशल और ज्ञान को भी बढ़ाते रहते है।

पहली बार रखने जा रहे हैं कॉलेज में कदम तो फॉलो करें ये टिप्स

देश भर की सेंट्रल यूनिवर्सिटीज सहित अन्य भाग लेने वाले विश्वविद्यालयों में अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम में एडमिशन शुरू हो चुके हैं। ऐसे में कॉलेज के नए माहौल में एडजस्ट करने में थोड़ा समय लगता है। लेकिन आप इन टिप्स को फॉलो कर अपनी पढ़ाई को स्मूथ रख सकते हैं।

देश भर की सेंट्रल यूनिवर्सिटीज सहित अन्य भाग लेने वाले विश्वविद्यालयों में अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम में एडमिशन शुरू हो चुके हैं। कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट का रिजल्ट भी जारी हो चुका है। यूजी पाठ्यक्रमों के लिए अगस्त से कक्षाएं शुरू होंगी। ऐसे में नए कॉलेज के निए माहौल में खुद को ढालने में थोड़ा सा समय लग जाता है। इसलिए इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें फ़ॉलो कर आपको कॉलेज में किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना होगा। इसके साथ ही आपकी पढ़ाई भी काफी स्मूथ चलती रहेगी।

क्लास करें अटेंड

सबसे पहली और अहम बात यह है कि कॉलेज में मिलने वाली आजादी का गलत फायदा नहीं उठाना चाहिए। इसलिए हर क्लास को जरूर अडेंट करें। दोस्तों के साथ मौज-मस्ती एक तरफ रखें लेकिन अपनी पढ़ाई के साथ समझौता न करें। कभी भी अपनी दोस्ती और मौज-मस्ती को पढ़ाई के ऊपर हावी नहीं होने देना चाहिए। इसलिए समय पर क्लास में पहुंचे। अगर आप किसी वजह से क्लास अडेंट नहीं कर पाएं हैं, तो उसे अगले दिन दोस्तों की मदद से रिकवर कर लें।

टीचर से जरूर पूछे सवाल

रोजाना क्लास अटेंड करने के साथ ही क्लास में एक्टिव रहें। क्लास में जो भी पढ़ाया जा रहा है, उसे ध्यान से पढ़ें और फिर सब्जेक्ट से जुड़ा सवाल टीचर से पूछें। ऐसा करने से जिन सवालों में आपको कंफ्यूजन होगी, वह भी सॉल्व होंगे और आपका कोर्स भी क्लियर हो जाएगा।

एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटीज पर फोकस

पढ़ाई के साथ ही स्टूडेंट को सलाह दी जाती है कि वह एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटीज पर जरूर फोकस करें। पढ़ाई अच्छी होने के साथ ही छात्र-छात्राएं किसी भी स्किल्स को स्ट्रांग कर सकते हैं। इससे आपको फ्यूचर में फायदा होगा।

जेनेरेटिव एआई क्या है? एआई टूल क्या होते हैं? आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ट्रेनिंग क्यों जरूरी है? इंडस्ट्री एक्सपर्ट से जानिए बदलते दौर म एआई की ट्रेनिंग कंपनी और कर्मचारी दोनों के लिए फायदेमंद कैसे साबित होने वाली है? भारत के लिए जेनेरेटिव एआई क्यों जरूरी है?

नौकरी हो या बिजनेस..

अब सबके लिए जरूरी है एआई ट्रेनिंग

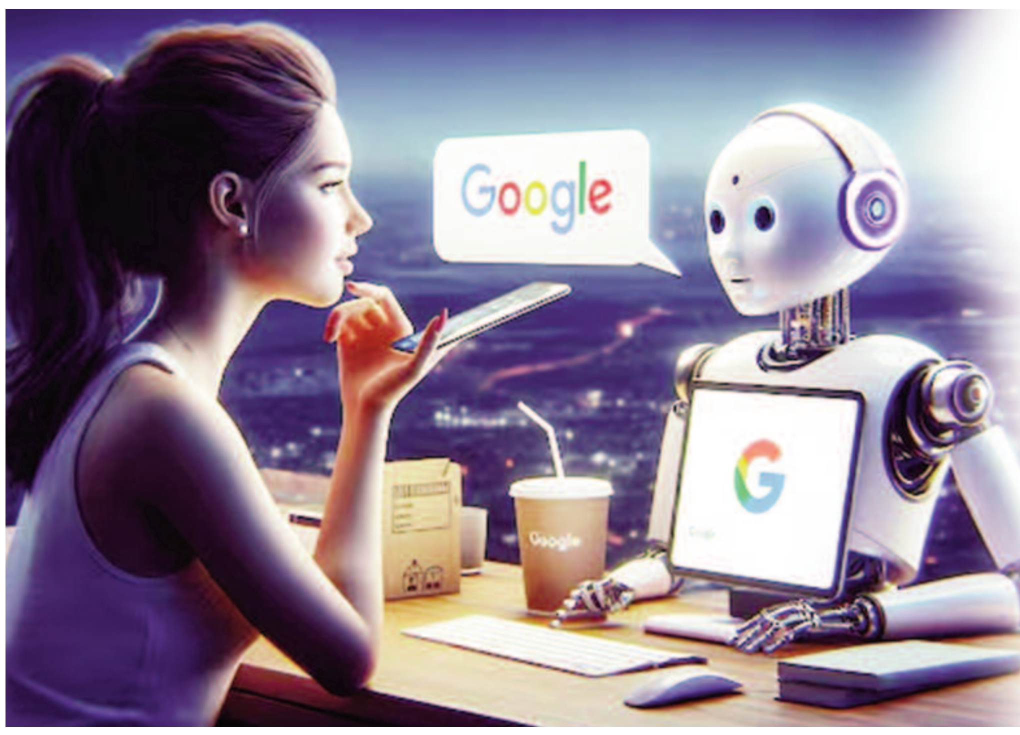

आजकल व्यापार तेजी से बदल रहा है और बाजार काफी प्रतिस्पर्धा वाला है। ऐसे माहौल में, कर्मचारियों को जेनेरेटिव एआई का उपयोग करके ट्रेनिंग देना कंपनियों के लिए काफी फायदेमंद है। वहीं, कर्मचारियों के लिए भी एआई सीखना बेहद जरूरी है। जानिए इससे क्या फायदे हो सकते हैं? एआई ट्रेनिंग के फायदे

कर्मचारी हमेशा अपडेट रहेंगे

एआई की मदद से दी जाने वाली ट्रेनिंग से कर्मचारी हमेशा अपने क्षेत्र में होने वाले बदलावों से वाकिफ रहेंगे और दूसरों से आगे रह सकेंगे।

काम करने की क्षमता बढ़ेगी

एआई ट्रेनिंग से कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़ेगी। समस्याओं को सुलझाने की उनकी क्षमता मजबूत होगी और वे बाजार के नए रुझानों को समझ पाएंगे।

इनोवेशन और प्रॉब्लम सॉल्विंग

एआई ट्रेनिंग से कर्मचारियों को एआई की मदद से रचनात्मकता बढ़ाने के तरीके सीखने को मिलेंगे। इससे कंपनी में नई चीजें विकसित करने और समस्याओं को सुलझाने की क्षमता बढ़ेगी।

काम की गति बढ़ेगी

एआई की मदद से कई बार होने वाले कामों को अपने आप कराया जा सकता है। इससे कर्मचारी ज्यादा महत्वपूर्ण कामों पर ध्यान लगा सकेंगे।

ग्राहकों को बेहतर सेवा

जेनेरेटिव एआई का इस्तेमाल करके कंपनियां ग्राहकों को उनकी जरूरतों के हिसाब से सेवा दे सकती हैं। इससे कंपटीशन में आगे रहने में मदद मिलेगी और कुल मिलाकर कारोबार के तरीकों में भी सुधार होगा।

भारत के लिए जेनेरेटिव एआई क्यों जरूरी है?

दुनिया की अर्थव्यवस्था तेजी से बदल रही है और भारत इस बदलाव में अहम भूमिका निभा रहा है। जल्द ही भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। ऐसे में, लोगों को यह जानना जरूरी है कि आने वाले समय में कौन से कारोबार सबसे ज्यादा चलन में रहेंगे। एआई जटिल कामों को खुद कर सकता है, जिससे काम की प्रक्रिया अपने आप हो जाती है। इससे न सिर्फ लागत कम होती है बल्कि बाजार के उतार-चढ़ाव का असर भी कम होता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस -दिक्कतें

हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि एआई का इस्तेमाल कर दूसरों से आगे निकलने की कोशिश में कंपनियों को कुछ दिक्कतों का भी सामना करना पड़ सकता है। उदाहरण के लिए-

- एआई में पूर्वाग्रह
- सरकार द्वारा एआई को नियंत्रित करना
- मशीन लर्निंग की पहल
- डेटा मैनेजमेंट जैसी समस्याएं

साथ ही, अगर कंपनी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चलाने के लिए जरूरी टेक्नोलॉजी का ज्ञान नहीं है, तो इससे कोई खास फायदा नहीं होगा।

संक्षिप्त समाचार

युद्ध विराम वार्ता के लिए कतर में टीम भेजेगा इजरायल

यरूशलम, एजेंसी। गाजा में युद्ध समाप्त करने के लिए क़तर के दोहा में बैठक चल रही है। इजरायल के मोसाद जासूसी एजेंसी के प्रमुख डेविड बार्निया ने मध्यस्थों के साथ दोहा में एक बैठक की। इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने घोषणा की है वार्ता जारी रखने के लिए अगले सप्ताह एक टीम फिर से दोहा भेजी जाएगी।इजरायल के पीएमओ ने शुक्रवार शाम को एक बयान में कहा, इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि दोनों पक्षों के बीच अभी भी मतभेद हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में हमास के साथ युद्ध विराम समझौते और बंधकों की रिहाई पर वार्ता के लिए एक प्रतिनिधिमंडल भेजने को मंजूरी दी है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने एक वरिष्ठ इजरायली अधिकारी का हवाला देते हुए ये जानकारी दी। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने शुक्रवार को बताया कि वार्ता से परिचित एक अधिकारी ने कहा कि मोसाद अधिकारियों ने मध्यस्थों से कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि इजरायली कैबिनेट युद्ध विराम प्रस्ताव को स्वीकार करेगी। इजरायल के चैनल 12 के सर्वे के अनुसार शुक्रवार को जब पूछा गया कि इस समय सबसे महत्वपूर्ण क्या चीज है, तो सर्वे में शामिल 67 प्रतिशत लोगों ने कहा कि गाजा से बंधकों को वापस लाना सबसे बड़ी प्राथमिकता है, जबकि 26 प्रतिशत ने कहा कि गाजा में युद्ध जारी रहना चाहिए और 7 प्रतिशत ने कहा कि उन्हें इसके बारे में कुछ नहीं पता।इस घटनाक्रम से लगभग नौ महीने से चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के नए प्रयास का संकेत मिलता है। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, अभी तक क्षेत्र में 38,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं।

कैरिबियन में तूफान बेरिल से 10 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित :संयुक्त राष्ट्र

सेंट विंसेंट, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय कार्यकर्ताओं ने बताया कि कैरिबियन में तूफान बेरिल से 10 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं।संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने शुक्रवार को बताया कि सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस में तूफान से लगभग 40 हजार, ग्रेनेडा में 1 लाख 10 हजार से ज्यादा और जमैका में 9 लाख 20 हजार लोग प्रभावित हुए हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, तूफान बेरिल से अब तक कम से कम 11 लोगों की मौत हुई है। तूफान ने सोमवार को ग्रेनेडा, सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस में तबाही मचाई। बुधवार को जमैका को प्रभावित किया। तूफान इस समय बेलीज और मैक्सिको को प्रभावित कर रहा है। अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन ने बताया कि ग्रेनेडा में तूफान ने कैरियाकू और पेट माटिर्टिनिकपों द्वीको बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचाया। कैरियाकू 70 प्रतिशत और पेटिट मार्टिनिक में 97 प्रतिशत इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस में यूनियन द्वीप पर 90 प्रतिशत घर प्रभावित हुए, जबकि कैनुआन द्वीप पर लगभग सभी इमारतों को नुकसान पहुंचा। कार्यालय ने कहा, हम तूफान बेरिल से हुई तबाही का आकलन करने और उससे निपटने के लिए अधिकारियों, कैरेबियन आपदा आपातकालीन एजेंसी और हमारे साझेदारों के साथ मिलकर काम करना और सहयोग करना जारी रखेंगे।

बिलावल भुट्टो ने आम चुनाव में पारदर्शिता की कमी की बात स्वीकारी, कहा- गड़बड़ियां बंद होनी चाहिए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने फरवरी में हुए आम चुनाव की आलोचना की। उन्होंने आम चुनाव में पारदर्शिता की कमी को स्वीकार किया। बिलावल भुट्टो ने दावा किया कि आठ फरवरी के चुनावों में पाकिस्तान के इतिहास में सबसे बड़ी धांधली हुई थी। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बिलावल भुट्टो ने आम चुनावों में होने वाली धांधली के मुद्दे को खत्म करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राजनेताओं को इस बात से सहमत होना होगा कि चुनाव निष्पक्ष तरीके से हो और इसके परिणाम को स्वीकार किए जाने चाहिए। बिलावल ने अन्य पार्टियों और राजनेताओं की तरफ से पैदा की जाने वाली बाधाओं पर अफसोस जताया। विकास पहलों के संबंध में बिलावल ने लीवर प्रत्यारोपण के लिए गम्बत में एक आधुनिक अस्पताल की स्थापना का हवाला देते हुए स्वास्थ्य सेवा में सिंध सरकार की उपलब्धियों की प्रशंसा की। उन्होंने क्वेटा में भी इस तरह के विकास का वादा किया। पीपीपी के घोषणापत्र पर चर्चा करते हुए बिलावल ने राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) को खत्म करने पर जोर दिया। उन्होंने राजनीतिक इंजीनियरिंग और राजनेताओं की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए एनएबी की आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि इससे पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर प्रभाव पड़ा। 2024-25 के बजट पर टिप्पणी करते हुए बिलावल ने कहा कि पीपीपी ने देश के हालात को स्थिर करने के लिए पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) का समर्थन किया। दोनों पार्टियों के बीच हुए समझौतों को जारी रखने के लिए उन्होंने पीएमएल-एन की असफलता पर असंतोष जताया। इसी के साथ उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र, आर्थिक सुधार, राष्ट्रीय चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी पार्टी में के प्रयासों को रेखांकित किया।

क्या ईरान में कोई बदलाव ला पाएंगे पजशकियान?, मुस्लिम देश में हिजाब का विरोध करते हैं नए राष्ट्रपति

तेहरान, एजेंसी। ईरान में राष्ट्रपति पद के चुनाव के बाद सत्ता में बड़ा उलटफेर हो गया है। पिछले सप्ताह हुए मतदान में शीर्ष स्थान पर रहे दो उम्मीदवारों के बीच सीधे मुकाबले में सुधारवादी नेता मसूद पेजेशकियान ने कट्टपंथी सईद जलीली को हराकर जीत हासिल कर ली। ईरान में पिछले महीने एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मृत्यु हो जाने के बाद, शुक्रवार को पेजेशकियान और जलीली के बीच सीधे मुकाबले के तहत मतदान हुआ था। पेजेशकियन एक करोड़ 63 लाख मतों के साथ विजयी घोषित किए गए जबकि जलीली को एक करोड़ 35 लाख वोट मिले। इससे पहले 28 जून को मतदान के शुरुआती दौर में किसी भी उम्मीदवार को 50 प्रतिशत से ज्यादा वोट नहीं मिले थे जिसके कारण शीर्ष दो उम्मीदवारों के बीच सीधा मुकाबला हुआ। पेजेशकियन की बढ़त मजबूत होने के साथ ही उनके समर्थकों ने तेहरान और अन्य शहरों में सड़कों पर उतरकर जश्न मनाना शुरू कर दिया था। तबरीज से सांसद पजशकियान की पहचान सबसे उदारवादी नेता के रूप में रही है। ईरानी मीडिया ईरान वायर के मुताबिक लोग पजशकियान को रिफॉर्मिस्ट के तौर पर देख रहे हैं। उन्हें पूर्व राष्ट्रपति हसन रूहानी का करीबी माना जाता है। पजशकियान पूर्व सर्जन हैं और फिलहाल देश के स्वास्थ्य मंत्री हैं। डिबेट में वे कई बार हिजाब का विरोध कर चुके हैं। उनका कहना है कि किसी को भी मॉरल पुलिसिंग

का हक नहीं है। 2022 में महसा अमीनी की मौत के बाद ईरान में हिजाब का विरोध हो रहा था। तब पजशकियान ने ईरान की सत्ता के खिलाफ जाते हुए एक इंटरव्यू में कहा था, यह हमारी गलती है। हम धार्मिक विश्वास को ताकत के जरिए थोपना चाहते हैं। यह साइटिफिक तौर पर मुमकिन नहीं है। पजशकियान ने कहा था, देश में जो भी हो रहा है उसके लिए मेरे साथ-साथ धार्मिक स्कॉलर और मस्जिदें, सब जिम्मेदार हैं। एक लड़की को पकड़कर, उसे मारने के बाद परिवार को उसका शव देने की जगह सभी को आगे आकर बदलाव की जिम्मेदारी लेनी होगी। 2012 में पजशकियान के चुनाव लड़ने पर लगी थी रोक पजशकियान सबसे पहले 2006 में तबरीज से सांसद बने थे। वे अमेरिका को अपना दुश्मन मानते हैं। 2011 में उन्होंने राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था, लेकिन बाद में अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली थी। 2012 में रईसी को राष्ट्रपति बनाने के लिए पजशकियान समेत बाकी उम्मीदवारों पर बैन लगा दिया गया था। पजशकियान ईरान में फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स को लागू करने और पश्चिमी देशों के आर्थिक प्रतिबंधों को हटाने के लिए नीतियां अपनाने पर जोर देते हैं। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फंडिंग पर नजर रखने वाली संस्था है। अमेरिकी थिंक टैंक चैथम हाउस के एक्सपर्ट समन वकील के मुताबिक पजशकियान ईरान के दूसरे राष्ट्रपतियों के मुकाबले ज्यादा मॉडरेट हैं। इससे उन्हें पश्चिमी देशों से डील करने में आसानी होगी।वे ईरान पर न्यूक्लियर प्रोग्राम के चलते लगी पाबंदियों में अमेरिका से कुछ रिआयत हासिल कर सकते हैं। उनके राष्ट्रपति बनते ही ईरान की सोशल पॉलिसीज में तुरंत बदलाव आने की संभावना है। पजशकियान को सत्ता ऐसै वक्त मिली है, जब मिडिल ईस्ट में जंग जारी है। ईरान पर आरोप लग रहे हैं कि वो लेबनान के हिजबुल्लाह के जरिए इजराइल से प्रॉक्सी जंग लड़ रहा है। हालांकि पजशकियान का इजराइल पर वही स्टैंड है जो उनके पहले के राष्ट्रपतियों का रहा है। ऐसे में दोनों के रिश्तों पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। चुनाव में उठा भ्रष्टाचार, हिजाब का मुद्दा इस चुनाव में पहली बार ऐसा हो रहा है जब भ्रष्टाचार, पश्चिमी देशों के प्रतिबंध, प्रेस की आजादी, पलायन रोकने जैसे नए मुद्दे छाए हुए हैं। सबसे चौंकाने वाला चुनावी मुद्दा हिजाब कानून का है। 2022 में ईरान में हिजाब विरोधी आंदोलन और उसके बाद सरकार के द्वारा उसके दमन के चलते कई वोटर्स के जेहन में यह सबसे बड़ा मुद्दा रहा है। हिजाब लंबे समय से धार्मिक पहचान का प्रतीक रहा है, लेकिन ईरान में यह एक राजनीतिक हथियार भी रहा है।

12 जुलाई को नेपाल में विश्वास मत, डेढ़ साल में पांचवी बार प्रधानमंत्री प्रचंड करेंगे सामना

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में पिछले 16 सालों में 13 बार सरकार बनी और गिरी है। जो देश की खराब राजनीतिक प्रणाली की नाजुक पहलू को दर्शाता है। देश के मौजूदा प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड से इसी हफ्ते सत्ता दो प्रमुख गठबंधन सहयोगियों से समर्थन खो दिया था। जिसके बाद ये घोषणा की गई कि प्रधानमंत्री प्रचंड आगामी गुरुवार 12 जुलाई को संसद में विश्वास मत हासिल करने के लिए तैयार हैं।

प्रधानमंत्री प्रचंड ने विश्वास मत का चुना विकल्प

जानकारी के मुताबिक प्रधानमंत्री प्रचंड ने संसद सचिवालय को एक पत्र भेजा है, जिसमें मतदान की व्यवस्था करने के लिए कहा गया है। प्रधानमंत्री दहल ने देश की संविधान के अनुच्छेद 100(2) के तहत विश्वास मत के लिए जाने का विकल्प चुना है, जिसमें कहा गया है कि अगर प्रधानमंत्री जिस राजनीतिक दल का प्रतिनिधित्व करते हैं, वह विभाजित है या गठबंधन सरकार में कोई राजनीतिक दल अपना समर्थन वापस ले लेता है, तो प्रधानमंत्री को 30 दिनों के अंदर संसद में विश्वास मत के लिए प्रस्ताव पेश करना चाहिए। इससे पहले, प्रधानमंत्री प्रचंड ने घोषणा की थी कि वो सबसे बड़ी पार्टी के आठ कैबिनेट मंत्रियों के इस्तीफे के बाद पद नहीं छोड़ेंगे और इसके बजाय संसद में विश्वास मत का सामना करेंगे। उन्होंने ये घोषणा नेपाली कांग्रेस (एनसी) के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड मार्क्सिस्ट लेनिनिस्ट (सीपीएन यूएमएल) के अध्यक्ष के. पी. शर्मा ओली के नए एनसी-यूएमएल गठबंधन सरकार बनाने के लिए सत्ता-साझाकरण समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद की गई। नेपाल की 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा (एचओआर) में सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस के पास 89 सीटें हैं, जबकि सीपीएन-यूएमएल के पास 78 सीटें हैं। प्रधानमंत्री प्रचंड की पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-माओवादी सेंटर (सीपीएन एमसी) के पास 32 सीटें हैं। वहीं निचले सदन में 10 सीट वाली सीपीएन-यूनिफाइड सोशलिस्ट (सीपीएन-यूएस) ने कहा है कि वह प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार के पक्ष में मतदान करेगी। इसके बावजूद, प्रधानमंत्री प्रचंड को संसद के केवल 63 सदस्यों का ही समर्थन प्राप्त है।

सूडान में सैन्य झड़पों से भागते समय डूबने से 25 लोगों की मौत

खार्तूम, एजेंसी। मध्य सूडान के सिन्नर राज्य में चल रही सैन्य झड़पों से भागते लोगों की नाव पलट गई। इस हादसे में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। बता दें कि पिछले साल से ही सूडान की सेना और पारा मिलिट्री फोर्स के बीच झड़पें चल रही हैं। सिन्नर में प्रतिरोध समितियों ने गुरुवार को एक बयान में कहा, जैसे ही रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) ने क्षेत्र में प्रवेश किया, लोग भागने लगे। इस बीच अल-दीबाबा और लूनी गांवों के बीच अबू हुजर शहर के पूर्व में एक नाव डूबने की घटना में 25 लोग मारे गए। मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल थे। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मरने वालों में अल-दीबाबा गांव का एक पूरा परिवार शामिल है।

संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) के अनुसार, जून में सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) और अर्धसैनिक आरएसएफ के बीच संघर्ष बढ़ने के बाद से 55 हजार 400 से ज्यादा लोग सिन्नर राज्य की राजधानी सिंगा से पलायन कर चुके हैं। ओसीएचए ने जून में एक रिपोर्ट में बताया था कि अप्रैल 2023 के मध्य में शुरू हुए सूडान संघर्ष में कम से कम 16 हजार 650 लोगों की मौत हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के 25 जून को जारी आंकड़ों के अनुसार, संघर्ष शुरू होने के बाद से 77 लाख से ज्यादा लोग सूडान में ही विस्थापित हो चुके हैं। वहीं लगभग 22 लाख लोग सीमा पार कर पड़ोसी देशों में चले गए हैं।

चीफ जस्टिस से परेशान इमरान खान, बोले- सुधार नहीं हुआ तो करेंगे भूख हड़ताल

रावलपिंडी, एजेंसी। पाकिस्तानी जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने चीफ जस्टिस के एक तरफा फैसलों के खिलाफ भूख हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। जेल में इमरान खान से मिलने गए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेताओं ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अगर चीफ जस्टिस काजी फैज ईसा अपने एक तरफा फैसलों को नहीं सुधारते और पीटीआई के वर्करों, नेताओं और इमरान खान के खिलाफ इसी तरह के गलत फैसले देते रहे, तो पार्टी के सबसे बड़े नेता भूख हड़ताल पर बैठ जाएंगे।

पीटीआई के नेता शमीम नकवी ने कहा कि अगर इमरान खान जेल के अंदर भूख हड़ताल पर बैठते हैं तो इससे पूरे देश में भूख हड़ताल शुरू हो सकती है, जो कि देश की सेहत के लिए अच्छी बात नहीं होगी।

रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद इमरान ने मुख्य न्यायाधीश की अपने और अपने पार्टी के कार्यकर्ताओं से जुड़े केसों में जरूरत से ज्यादा भागीदारी पर भी सवाल उठाए। 71 वर्षीय नेता ने कहा कि मेरी लीगल टीम ने लगातार इस बात को लेकर अपनी चिंताओं को मेरे सामने रखा है कि हमारे मामले की हर सुनवाई में चीफ जस्टिस शामिल होते हैं और लगातार हर फैसला हमारे खिलाफ ही जाता दिखता है, जिससे पार्टी कार्यकर्तोओं में यह भावना बनने लगी है कि इस तरीके से हमें न्याय नहीं मिलेगा। अगर चीफ जस्टिस अपने रवैए में बदलाव नहीं करते हैं और हमें न्याय नहीं देते हैं तो मैं भूख हड़ताल पर बैठ जाऊंगा। इमरान को

भरोसा ईसा नहीं करेंगे न्याय इमरान ने कहा कि पूर्व न्यायधीश गुलजार अहमद ने कहा था कि ईसा पीटीआई के मामलों की सुनवाई नहीं कर सकते, लेकिन अब ईसा लगभग हर केस की बैंच में शामिल होते हैं। पीटीआई के लीगल टीम का मानना है कि उन्हें न्याय नहीं मिलेगा या तो चीफ जस्टिस अपने रवैये में सुधार करें या फिर हमारे मामलों की सुनवाई कोई और करे। उन्हें(पाकिस्तानी फौज और सरकार) को लगता है कि मेरी पार्टी कमजोर है, उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए की मेरी पार्टी के पास सबसे मजबूत वोटिंग बेस है। ईसा बोले- मैं नहीं करता फैसला की किसको कौनसा केस मिलेगा मुख्य न्यायाधीश ईसा ने पीटीआई के एक मामले की सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि विभिन्न मामलों की सुनवाई के लिए गठित पैनल उनके द्वारा नहीं बल्कि अदालत के तीन वरिष्ठतम न्यायाधीशों की एक समिति द्वारा गठित किए जाते हैं और वह सिर्फ तीन सदस्यों में से एक हैं। दरअसल, खान और ईसा के बीच में एक दूसरे पर अविश्वास का पुराना इतिहास रहा है, खान के प्रधानमंत्री रहते ईसा को न्यायाधीश पद से हटाने के लिए खान द्वारा एक शिकायत की गई थी।

बाइडेन की पार्टी को डोनेशन देने वालों का अल्टीमेटम, राष्ट्रपति रेस से नहीं हटे तो पार्टी को चंदा बंद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में 5 नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में 4 महीने से भी कम समय बचा है। उससे पहले डेमोक्रेटिक पार्टी ?की तरफ से दूसरे कार्यकाल के लिए मैदान में उतरे 81 साल के राष्ट्रपति जो बाइडेन और पार्टी की परेशानियां कम होने का नाम नहीं ले रही हैं।

27 जून को पहली प्रेसीडेंशियल डिबेट में राष्ट्रपति बाइडेन के कमजोर प्रदर्शन ने पूरी पार्टी की मुसीबतें बढ़ा दी है। इस डिबेट के बाद बाइडेन की लोकप्रियता कम हुई है। इसके बावजूद राष्ट्रपति बाइडेन अड़े हुए हैं कि वे रेस में बने रहेंगे। इसी बीच, डेमोक्रेटिक पार्टी की चिंता बढ़ गई है क्योंकि पार्टी को डोनेशन देने वाले कई लोगों ने खुलकर कहा है कि या तो बाइडेन राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की जिद छोड़ दें नहीं तो वे पार्टी को चुनावी चंदा देना बंद कर देंगे। उन्हें उम्मीद नहीं है कि बाइडेन चुनाव जीत पाएंगे। चंदा देने वाली बड़ी कंपनियों के मालिक ने हाथ खींचे, कहा- कमला प्रत्याशी बनें डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए चुनावी चंदा इकट्ठा करने वाली नेक्स्ट जेनरेशन पीएसी ने 834 करोड़ रुपए जुटाए हैं। उसने कहा है कि यह

राशि बाइडेन की जगह लेने वाले प्रत्याशी के लिए इस्तेमाल होगी। पीएसी का कहना है कि बाइडेन को राष्ट्रपति की रेस से हट जाना चाहिए और उनकी जगह उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को मौका दिया जाना चाहिए। वे बाइडेन से बेहतर प्रत्याशी साबित हो सकती हैं। नेटफ्लिक्स के सह संस्थापक रीड हेस्टिंग्स ने सार्वजनिक रूप से कहा कि बाइडेन को हटना चाहिए ताकि एक सशक्त नेता ट्रम्प को हरा सके। हेस्टिंग्स और उनकी पत्नी पैटी क्विलिन डेमोक्रेटिक पार्टी के सबसे बड़े डोनर में से एक हैं। परोपकारी संगठन चलाने वाले गिडोन स्टीन ने कहा कि बाइडेन के रेस से हटने तक उनका परिवार 29 करोड़ का दान को रोक रहा है। वे कहते हैं कि अधिकांश डोनर्स का मानना है कि ट्रम्प को हराने के लिए डेमोक्रेट नया चेहरा उतारे। डिज्नी कंपनी के मालिक और फिल्म निर्माता एबिगेल ई. डिज्नी ने कहा है कि बाइडेन ने देश की बहुत सेवा की है लेकिन जब तक डेमोक्रेट नया प्रत्याशी नहीं लाते हैं मैं कोई दान नहीं दूंगी।

ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने विजय भाषण में कहा- बदलाव तो अब शुरू होगा, ऋषि सुनक के अतिरिक्त प्रयासों की सराहना की

लंदन, एजेंसी। लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर शुक्रवार को बकिंघम पैलेस में महाराजा चार्ल्स तृतीय से मुलाकात के बाद आधिकारिक रूप से ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री बन गए। ब्रिटेन के ऐतिहासिक आम चुनाव में उनकी पार्टी ने जीत हासिल की है। 61 साल के लेबर नेता स्टार्मर अपनी पत्नी विक्टोरिया स्टार्मर के साथ राजमहल पहुंचे। निवर्तमान नेता ऋषि सुनक ने चुनाव में अपनी हार स्वीकार कर ली है और उनकी कंजर्वेटिव पार्टी को इतिहास की सबसे बुरी चुनावी हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले, ऋषि सुनक ने महाराजा से मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।

कीर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल में राष्ट्रीय नवीनीकरण के एक चरण का वादा किया है। शुक्रवार को सुबह लेबर पार्टी को संसद में बहुमत के लिए आवश्यक 326 सीटों पर जीत मिल गई। उसके बाद स्टार्मर ने लंदन में अपना विजय भाषण देते हुए कहा, परिवर्तन अब शुरू होता है। यह अच्छा लगता है, मुझे ईमानदार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह के जनादेश साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी मिलती है। हमारा कार्य इस देश को एक साथ रखने वाले विचारों को नवीनीकृत करने से कम नहीं है। राष्ट्रीय नवीनीकरण।

ऋषि सुनक के अतिरिक्त प्रयासों की सराहना

बाद में, नए प्रधानमंत्री स्टार्मर ब्रिटेन के 58वें नेता के रूप में कार्यभार संभालने के लिए डाउनिंग स्ट्रीट पहुंचे। उन्होंने ब्रिटेन के पहले ब्रिटिश-एशियाई प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के अतिरिक्त प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि देश ने बदलाव के लिए मतदान किया है और हम सबको साथ मिलकर आगे बढ़ने की जरूरत है। बता दें कि सुनक ने उन दिवाली उत्सवों को याद किया जो उन्होंने भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री के रूप में डाउनिंग स्ट्रीट पर अपने परिवार के साथ मनाए थे। सुनक का कार्यकाल करीब 20 महीना रहा और प्रधानमंत्री के रूप में अपने विदाई भाषण में वह भावुक हो गए। उन्होंने मतदाताओं से माफी मांगी लेकिन जोर दिया कि उन्होंने बतौर प्रधानमंत्री पूरे समर्पण से अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया।

पाकिस्तान में इलाज के दौरान गायब हो गया 4 दिन का लड़का! अस्पताल ने थमा दी मरी हुई लड़की

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जहां एक अस्पताल ने बीमार बच्चे को मृत बच्ची से बदल दिया। इस घटना से पीड़ित परिवार में भारी आक्रोश है और वे न्याय की मांग कर रहे हैं। घटना के अनुसार, एक पिता अपने बीमार बेटे को इलाज के लिए लाहौर के चिल्ड्रन हॉस्पिटल लेकर आया था, जहां उन्हें बताया गया कि बच्चे की स्थिति गंभीर है। कुछ समय बाद अस्पताल के अधिकारियों ने परिवार को सूचना दी कि बच्चा मर चुका है और उन्हें एक मृत बच्ची सौंप दी। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, माता-पिता अपने चार दिन के बीमार बच्चे को इलाज के लिए लाहौर चिल्ड्रेंस हॉस्पिटल में लेकर आए थे। दुखद बात यह है कि इलाज के दौरान डॉक्टरों ने जटिलताओं के कारण बच्चे को मृत घोषित कर दिया और उसका शव उसके पिता इरफान को सौंप दिया। इसके बाद पिता शव को दफनाने के लिए अपने गृहनगर गुजरांवाला ले गए। स्थिति तब चौंकाने वाली हो गई जब इरफान एक बच्ची का शव लेकर अस्पताल लौटा। इरफान ने दावा किया कि वह अस्पताल में अपने बेटे का इलाज कराने के लिए लाया था लेकिन डॉक्टरों ने उसे मरी हुई बच्ची पकड़ा दी। अस्पताल के अधिकारी इस आरोप से हैरान रह गए और उन्होंने तुरंत मामले की जांच शुरू कर दी। रिपोर्ट के अनुसार बाद में पता चला कि बच्चा कथित तौर पर गायब हो गया था। नसीराबाद पुलिस थाने में दर्ज कराई गई औपचारिक शिकायत में इरफान ने घटनाक्रम का ब्यौरा देते हुए अस्पताल पर मृतक लड़की के शव को उसके बेटे से बदलने का आरोप लगाया है। उन्होंने पुलिस से अस्पताल प्रबंधन और जिम्मेदार डॉक्टरों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की

है और अपने बेटे की बरामदगी की मांग की है। पंजाब स्वास्थ्य विभाग ने इस घटना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए चिल्ड्रन हॉस्पिटल के तीन वरिष्ठ डॉक्टरों की एक जांच समिति बनाई। समिति को पूरी जांच करने और सच्चाई को उजागर करने के लिए एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का काम सौंपा गया। इस घटना ने पूरे देश में सनसनी फैला दी है और लोग परिवार के समर्थन में उतर आए हैं। परिवार का कहना है कि उन्हें न्याय चाहिए और वे इस मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग कर रहे हैं। स्थानीय पुलिस और स्वास्थ्य विभाग ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। यह घटना पाकिस्तान में स्वास्थ्य व्यवस्था की खामियों को उजागर करती है और लोगों में सुरक्षा और विश्वास की कमी को दर्शाती है।

संक्षिप्त समाचार

आरबीआई ने पीएनबी पर लगाया ?

1.31 करोड़ का जुर्माना

मुंबई एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि उसने 'अपने ग्राहक को जानो (केवाईसी) और ऋण और अग्रिम से संबंधित कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) पर 1.31 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि उसने 31 मार्च, 2022 तक बैंक की वितीय स्थिति के संदर्भ में वैधानिक निरीक्षण किया। उसके बाद बैंक को एक नोटिस जारी किया गया था।

नोटिस को लेकर बैंक के जवाब पर विचार करने के बाद, आरबीआई ने पाया कि पीएनबी ने सब्सिडी / रिफंड / रिम्बर्समेंट के माध्यम से सरकार से प्राप्त होने वाली राशि के एवज में दो राज्य सरकार के स्वामित्व वाले निगमों को कार्यशील पूंजी मांग ऋण मंजूर किए। रिजर्व बैंक ने कहा कि साथ ही, सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता इस बैंक के कुछ खातों में व्यावसायिक संबंधों के दौरान प्राप्त ग्राहकों की पहचान और उनके पते से संबंधित रिकॉर्ड को संरक्षित करने में विफल रहे। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने कहा कि यह जुर्माना विनियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित है और इसका उद्देश्य बैंक द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर कोई प्रभाव डालना नहीं है।

बैजूस के पूर्व कर्मचारी भी बकाये वेतन के लिए एनसीएलटी के पास पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। नकदी किल्लत का सामना कर रही एडटेक फर्म बैजूस के 62 पूर्व कर्मचारियों ने अपने बकाये वेतन भुगतान नहीं करने पर कंपनी को राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण के बेंगलूरु पीठ में दिवालिया कार्यवाही का मामला दायर करने के लिए नोटिस भेजा है। बैजूस ट्यूशन सेंटर दिल्ली के पूर्व गणित शिक्षक और पूर्व कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले रजत सिंह ने कहा, 'बेंगलूरु की कानूनी फर्म

कैनवास लीगल ने 62 कर्मचारियों की ओर से 2.30 करोड़ रुपए से अधिक का डिमांड नोटिस भेजा है।' डिमांड नोटिस में कर्मचारियों को पिछले साल से बकाया वेतन तुरंत देने की मांग की गई है। कंपनी द्वारा 4 जुलाई को भेजे गए पत्र में कहा गया है, 'हम आपसे अनुरोध करते हैं कि पत्र मिलने के 10 दिनों के भीतर बकाया परिचालन ऋण को बगैर किसी शर्त के पूरा चुकाएं और ऐसा नहीं करने पर हम थिंक ऐंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड (बैजूस की मूल कंपनी) के खिलाफ ऋण शोधन अक्षमता समाधान के तहत कार्यवाही शुरू करेंगे।' बैजूस के 1,500 से अधिक नाराज पूर्व कर्मचारी भी अपने अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ने के लिए एकजुट हो गए हैं। उनमें से अधिकतर कर्मचारी अपने बकाया राशि के भुगतान के लिए कंपनी को एनसीएलटी के बेंगलूरु पीठ ले जाने की प्रक्रिया में हैं। कर्नाटक के श्रम मंत्री संतोष लाड ने हाल में थिंक ऐंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की थी।

23 राज्यों ने 10 साल में स्टांप शुल्क से कमाए 13 लाख करोड़

मकानों की बिक्री में आया भारी उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्थव्यवस्था में तेजी और कोरोना के बाद बढ़ती मांग से मकानों की बिक्री में भारी उछाल आया है। इससे पिछले 10 वर्षों में 23 राज्यों ने संपत्तियों के पंजीकरण के एवज में 13.7 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की स्टांप ड्यूटी वसूली है। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2015 से 2019 के बीच 23 राज्यों में स्टांप शुल्क की वार्षिक चक्रवृद्धि दर 10.4 फीसदी रही है। महामारी के बाद वित्त वर्ष 2019 से 2024 के बीच यह दर 12.5 फीसदी रही है। इससे संकेत मिलता है कि कोरोना के बाद मकानों की बिक्री में अच्छा उछाल आया है। 23 राज्यों में से 16 राज्यों में स्टांप ड्यूटी बढ़ी है।

10 वर्षों में स्टांप शुल्क दर में काफी बदलाव आया है। कोरोना के समय कुछ राज्यों ने शुल्क को शून्य कर दिया था। हालांकि, अब यह कोरोना के पहले के स्तर पर वापस आ गया है। लोगों की आय स्तर में वृद्धि और खुद का घर होने की चाहत से मकानों की बिक्री में तेजी आई है। इससे स्टांप शुल्क की वसूली भी बढ़ी है। 5 वर्षों में तेलंगाना, बिहार, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, ओडीशा और मेघालय में स्टांप शुल्क में कमी आई है।

भारतीय अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में मजबूत गति से बढ़ने के लिए तैयार है। रियल एस्टेट क्षेत्र से बुनियादी ढांचे को पर्याप्त बढ़ावा देकर इसे और तेज किया जा सकता है। वर्ष 2030 तक रियल एस्टेट क्षेत्र के 83 लाख करोड़ रुपए होने का अनुमान है। रियल एस्टेट उद्योग 2047 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी में 15 फीसदी से अधिक योगदान कर सकता है। अभी यह सात फीसदी है। महंगी संपत्ति की बिक्री में भी लगातार वृद्धि हुई है, जो बढ़ती आय और दबी हुई मांग का संकेत है।

विदेशी निवेशकों ने जनवरी से जून के दौरान भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में 3.1 अरब डॉलर का निवेश किया है। जेएलएल इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, कुल निवेश का करीब 65 फीसदी हिस्सा है। पिछले 10 वर्षों में कई राज्यों ने स्टांप शुल्क बढ़ाया है तो कई ने घटाया है। उत्तर प्रदेश ने सबसे ज्यादा 5.5 फीसदी घटाया है। इस राज्य में पहले स्टांप शुल्क 12.5 फीसदी था जो अब सात फीसदी है।

मध्य प्रदेश ने 8 फीसदी से घटाकर 7.5 फीसदी किया है। हरियाणा ने बढ़ाकर 5 से 7 फीसदी कर दिया है जो पहले 3 से 7 फीसदी था। छत्तीसगढ़ ने 8 से घटाकर पांच फीसदी किया है।

80 के शेयर को खरीदने की लूट

लगातार लग रहा अपर सर्किट, टाटा और इसरो कंपनी के हैं क्लाइंट

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार की रिकॉर्ड बढ़त के बीच केबल-वायर बनाने वाली दिग्गज कंपनी पैरामाउंट कम्युनिकेशंस लिमिटेड के शेयर भी गुलजार हैं। बीते कुछ दिनों से इस शेयर में लगातार अपर सर्किट लग रहा है। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को पैरामाउंट कम्युनिकेशंस के शेयर में 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लगा और भाव 83 रुपये पर पहुंच गया। बता दें कि इस शेयर ने जनवरी 2024 में 52 हफ्ते के हाई को टच किया था। 23 जनवरी को शेयर की कीमत 116.70 रुपये तक गई थी। जुलाई 2023 में शेयर 34.15 रुपये के निचले स्तर पर था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। बीएसई एनालिटिक्स के अनुसार, पैरामाउंट केबल्स के शेयरों ने पिछले 10 वर्षों में अपने निवेशकों को 2,300 प्रतिशत से अधिक अमीर रिटर्न दिया है।

शेयरहोल्डिंग पैटर्न

पैरामाउंट कम्युनिकेशंस के शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें तो प्रमोटर्स के पास 49.31 प्रतिशत की

हिस्सेदारी है। वहीं, पब्लिक शेयरहोल्डर्स के पास 50.69 प्रतिशत स्टेक है। कंपनी के प्रमोटर्स में पैरामाउंट टेलीकेबल्स लिमिटेड और हर्ट इलेक्ट्रिकल (इंटरनेशनल) प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। इन दोनों के पास क्रमशः 12.77 और 11.11 फीसदी की हिस्सेदारी है।

कंपनी के बारे में

पैरामाउंट कम्युनिकेशंस लिमिटेड तारों और केबलों के मैन्युफैक्चरिंग में लगी है। इसमें बिजली केबल, दूरसंचार केबल, रेलवे केबल और अन्य तरह के केबल शामिल हैं। कंपनी की मैन्युफैक्चरिंग फैसलिटीज खुशखेड़ा, राजस्थान और धारूहेड़ा, हरियाणा में स्थित हैं।

टाटा से इसरो तक हैं क्लाइंट

कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक क्लाइंट में कई सरकारी कंपनी या संस्था इसके क्लाइंट हैं। इसमें इसरो, रेलवे, मिनिस्ट्री ऑफ डिफेंस, भेल, एचपी जैसी कंपनियां शामिल हैं। वहीं, टाटा और रिलायंस भी कंपनी के क्लाइंट की सूची में शामिल हैं।

बीएसई मार्केट कैपिटल रिकॉर्ड हाई पर

बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का मार्केट कैपिटल शुक्रवार को 449.88 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 53.07 अंक गिरकर 79,996.60 पर बंद हुआ। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का मार्केट कैपिटल शुक्रवार को 4,49,88,985.87 करोड़ रुपये (5.39 लाख करोड़ डॉलर) के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया।

छह महीने में पैसा डबल

अब मुकुल अग्रवाल ने खरीदें लाखों शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज निवेशक मुकुल महावीर अग्रवाल ने एक बड़ा निवेश किया है। उन्होंने एएसएम टेक्नोलॉजीज में 6.5 प्रतिशत हिस्सेदारी को खरीदा है। कंपनी के जून तिमाही के शेयर होल्डिंग में ये बात सामने आई है। इससे पहले उनकी कंपनी में कोई भी हिस्सेदारी नहीं थी। शुक्रवार को मुकुल अग्रवाल के निवेश वाली कंपनी के शेयर एनएसई में 1.6 प्रतिशत की तेजी के साथ 1200 रुपये के पार बंद हुआ। बता दें, एक साल में इस कंपनी का प्रदर्शन काफी शानदार रहा है। कंपनी की लेटेस्ट शेयर होल्डिंग के अनुसार प्रमोटर्स के पास 47.36 प्रतिशत हिस्सा है। वहीं, 42.46 प्रतिशत

हिस्सा पब्लिक के पास है। लेकिन पब्लिक के पास मौजूद हिस्से में म्युचुअल फंड्स और विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी जीरो है। बता दें, एएसएम टेक्नोलॉजीज एक स्मॉल कैप कंपनी है। इसका मार्केट कैप 1000 करोड़ रुपये से कम का है।

6 महीने में पैसा डबल

मुकुल अग्रवाल शेयर बाजार के उन चुनिंदा निवेशकों में से एक हैं, जिनके पोर्टफोलियो पर सबकी निगाह टिकी रहती है। इकनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार मुकुल अग्रवाल ने कुल 51 कंपनियों में निवेश किया है। उनकी नेट वर्थ 2658 करोड़ रुपये का है। इस बार उन्होंने जिस कंपनी पर दांव खेला है उसका प्रदर्शन बीते 6 महीने के दौरान काफी शानदार रहा है। पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 156 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

2024 में 160 प्रतिशत का रिटर्न

नईदिल्ली। शेयर बाजार में रेल विकास में निगम के शेयरों में तेजी बरकरार है। शुक्रवार को लगातार तीसरा सत्र रहा जब कंपनी के शेयरों में तेजी दिखी। कल यह सरकारी रेलवे स्टॉक 18.94 प्रतिशत की तेजी के साथ अपने आल टाइम हाई 498.05 रुपये के इंट्रा-डे पर पहुंच गया। हालांकि, बाजार बंद होने के समय पर कीमतों में नरमी देखने को मिली। तब रेलवे के शेयर 17.36 प्रतिशत की तेजी के साथ 491.45 रुपये के लेवल पर बंद हुए। रेल विकास निगम के पोजीशनल निवेशकों के लिए 2024 का साल अबतक शानदार साबित हुआ है।

1 शेयर पर 100 का डिविडेंड दे रही है कंपनी, निवेशकों को मिलेगा 1 पर 4 शेयर फ्री

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में कल यानी शुक्रवार को केसी इंडस्ट्रीज के शेयर एक्स-बोनस और एक्स-स्प्लिट साथ ट्रेड किए थे। इस पेनी स्टॉक के शेयरों में कल यानी 5 जुलाई को 2 प्रतिशत का अपर सर्किट लग गया था। बता दें, कंपनी पहली बार निवेशकों को बोनस शेयर देने जा रही है।

कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा था कि 100 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 10 टुकड़ों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 10 रुपये प्रति शेयर हो गई। वहीं, कंपनी हर एक शेयर पर 4 बोनस शेयर भी देगी। बोनस शेयर और शेयरों के बंटवारे के लिए रिकॉर्ड डेट 5 जुलाई तय की गई थी। अब जिन निवेशकों को नाम कंपनी के रिकॉर्ड बुक में रहेगा उन्हें इसका लाभ होगा।

कंपनी ने निवेशकों को डिविडेंड का भी ऐलान किया है। 28 मई को कंपनी ने शेयर बाजारों को बताया था कि हर 31 मार्च को समाप्त हुए वित्त वर्ष के लिए एक शेयर पर 60 रुपये का फाइनल डिविडेंड दिया जाएगा। कंपनी हर एक शेयर पर 40 रुपये का स्पेशल डिविडेंड भी दे रही है। यानी योग्य निवेशकों को हर एक शेयर पर 100 रुपये का फायदा होगा। बता दें, केसी इंडस्ट्रीज ने इस डिविडेंड के लिए 9 अगस्त की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है।

शेयर बाजारों में भी कंपनी का प्रदर्शन शानदार- शुक्रवार को 2 प्रतिशत का अपर सर्किट लगने के बाद कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 1365.50 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। बीते एक साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 470 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 6 महीने से स्टॉक को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 217 प्रतिशत का लाभ मिला है।

भारत ऑर्गेनिक्स के आटे की लॉन्चिंग, गांधीनगर में अयोजित हुआ सहकार से समृद्धि तक कार्यक्रम

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री, अमित शाह और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर में सहकारिता के 102वें अंतरराष्ट्रीय दिवस पर आयोजित सहकार से समृद्धि तक कार्यक्रम में भाग लिया। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर में सहकारिता के 102वें अंतरराष्ट्रीय दिवस को संबोधित किया। इस दौरान भारत ऑर्गेनिक्स की ओर से तैयार गेहूं के आटे और दिल्ली के मयूर विहार में अमूल ऑर्गेनिक्स स्टोर की लॉन्चिंग की गई।

2024 में 160 प्रतिशत का रिटर्न, रेलवे स्टॉक का बुलरनजारी

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में रेल विकास में निगम के शेयरों में तेजी बरकरार है। शुक्रवार को लगातार तीसरा सत्र रहा जब कंपनी के शेयरों में तेजी दिखी। कल यह सरकारी रेलवे स्टॉक 18.94 प्रतिशत की तेजी के साथ अपने आल टाइम हाई 498.05 रुपये के इंट्रा-डे पर पहुंच गया। हालांकि, बाजार बंद होने के समय पर कीमतों में नरमी देखने को मिली। तब रेलवे के शेयर 17.36 प्रतिशत की तेजी के साथ 491.45 रुपये के लेवल पर बंद हुए। रेल विकास निगम के पोजीशनल निवेशकों के लिए 2024 का साल अबतक शानदार साबित हुआ है। इस दौरान रेलवे स्टॉक की कीमतों में 169.81 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। यानी उनका पैसा दोगुना से अधिक हो चुका है। **इस खबर ने निवेशकों को किया गदगद-** रेल विकास निगम के शेयरों में तेजी के पीछे की वजह कंपनी का दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड के साथ एक करार साइन करना है। कंपनी ने शेयर बाज़ारों को दी जानकारी में बताया था कि इस एमओयू के तहत देश और देश के बाहर के प्रोजेक्ट में कंपनी इच्छुक के लिए सर्विस प्रवाइडर का काम करेगी। बता दें, इससे पहले कंपनी सेंट्रल रेलवे के एक कॉन्ट्रैक्ट के लिए न्यूनतम बोली लगाने वाली कंपनी के तौर पर उभरी थी।

अगले हफ्ते बाधित रहेंगी एचडीएफसी की सेवाएं

बैंक ने बताया कारण, ग्राहक बरतें सावधानी

नई दिल्ली, एजेंसी। एचडीएफसी बैंक ने अपने ग्राहकों को अपने आंतरिक सिस्टम अपग्रेड के बारे में सूचित किया है। बैंक ने बताया है कि उसकी कुछ सेवाएं इस दौरान डाउनटाइम से प्रभावित रहेंगी। बैंक के अनुसार यह तकनीकी अपग्रेड बैंक के सर्वर की गति को बढ़ाकर खुद को अधिक ट्रैफिक के लिए सक्षम बनाना है। इससे ग्राहकों के लिए बैंकिंग अनुभव बेहतर बनेगा

डाउनटाइम कब होगा?

एचडीएफसी बैंक का निर्धारित डाउनटाइम शनिवार, 13 जुलाई, 2024 को होगा। अपग्रेड उसी दिन सुबह 3:00 बजे शुरू होगा और शाम 4:30 बजे समाप्त होगा। बैंक ने असुविधा को कम करने के लिए दूसरे शनिवार को बैंक अवकाश का दिन चुना है। बैंक ने ग्राहकों को सलाह दी है कि वे अपनी बैंकिंग गतिविधियों की योजना पहले से बना लें।

नकद निकासी

आप अपने एचडीएफसी बैंक डेबिट कार्ड (प्रतिबंधित सीमा तक) या क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके किसी भी एटीएम से नकदी निकाल सकते हैं।

खरीदारी और भुगतान

डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड और यूपीआई - आप स्वाइप मशीनों पर अपने एचडीएफसी बैंक डेबिट कार्ड (प्रतिबंधित सीमा तक) या क्रेडिट कार्ड का उपयोग कर सकते हैं। आप अपने एचडीएफसी बैंक डेबिट कार्ड (प्रतिबंधित सीमा तक) और क्रेडिट कार्ड से ऑनलाइन खरीदारी कर सकते हैं, जिसमें पेज़ैप भी शामिल है।

यूपीआई सेवा: शनिवार, 13 जुलाई, 2024 को सुबह 3:00 बजे से 3:45 बजे तक और सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:45 बजे के बीच के समय को छोड़कर उपलब्ध रहेगी।

इंडिया विमेंस ने पहला टी-20 गंवाया

- **साउथ अफ्रीका 12 रन से जीता, टॉप ऑर्डर के सामने फ्लॉप रहीं इंडियन बॉलर्स**

नईदिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका को टेस्ट और वनडे सीरीज में एकतरफा हराने के बाद इंडिया विमेंस टीम को पहले टी–20 में हार का सामना करना पड़ा। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में शुक्रवार रात साउथ अफ्रीका को 12 रन से जीत मिली। साउथ अफ्रीका से ओपनर ताजमिन ब्रिट्ज ने 81, मारिजान कैप ने 57 और कप्तान लौरा वॉल्वार्ट ने 33 रन बनाए। टॉप ऑर्डर ने टीम का स्कोर 189 तक पहुंच दिया। जिसके जवाब में टीम इंडिया 4 विकेट गंवाकर भी 177 रन ही बना सकी। शतक चूकीं ब्रिट्ज प्लेयर ऑफ द मैच रहीं। सीरीज का दूसरा टी–20 मैच 7 जुलाई को चेन्नई में शाम 7 बजे से खेला जाएगा।

अफ्रीकी ओपनर्स ने की फिफ्टी पार्टनरशिप
इंडिया विमेंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। साउथ अफ्रीका से वॉल्वार्ट और ब्रिट्ज ने 7 ओवर में फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली। 8वें ओवर में राधा यादव ने वोल्वार्ट को बोल्ड किया और ओपनिंग पार्टनरशिप तोड़ी। वोल्वार्ट ने 33 रन बनाए।

कैप ने फिफ्टी लगाई

नंबर–3 पर उतरीं अनुभवी ऑलराउंडर मारिजान कैप ने ओपनर ब्रिट्ज का साथ दिया। दोनों ने 12वें ओवर में ही टीम का स्कोर 100 के पार पहुंचा दिया। ब्रिट्ज ने पूजा वस्त्राकर के खिलाफ 16वें ओवर में चौका लगाकर अपनी फिफ्टी पूरी की। इसी ओवर में कैप ने भी चौका लगाकर अर्धशतक पूरा कर लिया।

राधा ने फिर तोड़ी पार्टनरशिप– 17वें ओवर में राधा यादव ने ही कैप को कैच आउट कराया, कैप ने 57 रन बनाए। इस विकेट के साथ दूसरे विकेट के लिए 96 रन की साझेदारी भी टूटी। इसी ओवर की आखिरी 2 गेंदों पर ब्रिट्ज ने 2 सिक्स लगाकर ओवर को बड़ा बना लिया। आखिरी 3 ओवरों में ब्रिट्ज ने क्लो ट्रायन के साथ टीम का स्कोर 185 के पार पहुंचा दिया। ट्रायन ने 12 रन बनाए। वहीं ब्रिट्ज पारी की आखिरी बॉल पर 81 रन बनाकर आउट हुईं। दोनों को पूजा वस्त्राकर ने पवेलियन भेजा। टीम ने 4 विकेट के नुकसान पर 189 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

भारत ने भी की मजबूत शुरुआत– शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने भारत को भी मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों ने 5 ही ओवर में टीम का स्कोर 50 रन के पार पहुंचा दिया। अच्छी शुरुआत के बाद छठे ओवर में आयाबोंगा खाका ने शेफाली को कॉट बिहाइंड करा दिया। शेफाली ने 18 रन बनाए।

अच्छी शुरुआत के बाद बिखरी पारी– दयालन हेमलता नंबर–3 पर उतरीं, लेकिन उन्होंने मंधाना पर ही दबाव बना दिया। अगले 5 ओवर में 5 ही चौके आए। 9 ओवर में 86 रन बने, 10वें ओवर में क्लो ट्रायन ने 4 गेंदे डॉट करा दीं, नतीजा यह हुआ कि मंधाना आखिरी बॉल पर स्टंपिंग हो गईं। उन्होंने 46 रन बनाए। अगले ही ओवर में हेमलता भी 17 बॉल पर 14 रन की धीमी पारी खेलकर आउट हो गईं।

रोड्रिग्ज–कौर ने संभाली पारी– 87 रन के स्कोर पर भारत ने 3 विकेट गंवा दिए। यहां से कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्ज ने पारी संभाली। पारी संभाली, लेकिन स्कोरिंग रेट बहुत धीमे रहा। 11 से 14 ओवर के बीच 23 ही रन बने। 15वें ओवर में 15 रन बने, लेकिन 16 ओवर खत्म होने के बाद स्कोर 131 रन ही रहा।

आखिरी 4 ओवर में 59 रन की जरूरत– 17वें ओवर में 12, 18वें ओवर में 8 और 19वें ओवर में 18 रन बन गए। आखिरी ओवर में 21 रन की जरूरत, हरमन ने पहली ही बॉल पर चौका लगा दिया, दूसरी बॉल पर भी शॉट खेलने की कोशिश, लेकिन 2 ही रन बने। 4 बॉल पर 15 रन जरूरत, यहां 2 गेंदों पर 2 ही रन बने। अब 2 बॉल पर 13 रन चाहिए, लेकिन हरमन पूरी ताकत लगाने के बावजूद भी इन पर कोई रन नहीं बना सकीं। वह आखिरी गेंद पर स्टंपिंग हुई। जेमिमा ने 53 और हरमन ने 35 रन बनाए। साउथ अफ्रीका से खाका, ट्रायन, नदीन डी क्लर्क और नोन्कुलुलेको मलाबा ने 1–1 विकेट लिया।

फिफ्टी लगाने के बावजूद टीम को जीत न दिला पाने से दुखी जेमिमा रोड्रिग्ज।

सभी टी-20 चेन्नई में

पहला टी–20 जीतकर साउथ अफ्रीका ने सीरीज में 1–0 की बढ़त बना ली है। दूसरा मैच 7 जुलाई और तीसरा मैच 9 जुलाई को चेन्नई में ही खेला जाएगा। टी–20

साइना नेहवाल बोलीं-

छह सात महीनों के नतीजों से किसी खिलाड़ी का आकलन नहीं कर सकते

लंदन ओलंपिक की कांस्य विजेता साइना नेहवाल ने दो बार की पदक विजेता पी वी सिंधू का समर्थन करते हुए कहा कि पेरिस ओलंपिक में पदक के लिए उनके हालिया प्रदर्शन को पैमाना नहीं बनाया जाना चाहिये और वह समय पर लय हासिल कर लेंगी। साइना ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतने की संभावना काफी हद तक फिटनेस और अभ्यास पर निर्भर करेगी।

नईदिल्ली, एजेंसी। सिंधू फ्रांस की राजधानी में अपने लगातार तीसरे ओलंपिक पदक के लिए प्रयास करेंगी। सिंधू ने घुटने की चोट से उबरने के बाद इस साल फरवरी में खेल में वापसी की है। चोट से वापसी के बाद सिधू के खेल में निरंतरता कमी रही है। वह इस दौरान सिर्फ मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 के फाइनल में पहुंची है और शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ उन्हें संघर्ष करना पड़ा है। लंदन ओलंपिक की कांस्य विजेता साइना नेहवाल ने दो बार की पदक विजेता पी वी सिंधू का समर्थन करते हुए कहा कि पेरिस ओलंपिक में पदक के लिए उनके हालिया प्रदर्शन को पैमाना नहीं बनाया जाना चाहिये और वह समय पर लय हासिल कर लेंगी। साइना ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतने की संभावना काफी हद तक फिटनेस और अभ्यास पर निर्भर करेगी।

सिंधू फ्रांस की राजधानी में अपने लगातार तीसरे ओलंपिक पदक के लिए प्रयास करेंगी। सिंधू ने घुटने की चोट से उबरने के बाद इस साल फरवरी में खेल में वापसी की है। चोट से वापसी के बाद सिधू के खेल में निरंतरता कमी रही है। वह इस दौरान सिर्फ मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 के फाइनल में पहुंची है और शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ उन्हें संघर्ष करना पड़ा है। साइना ने कहा, आप पिछले छह सात महीनों के नतीजों से किसी भी खिलाड़ी का आकलन नहीं कर सकते। सिंधू कई वर्षों से वास्तव में अच्छा खेल रही है और उसके पास काफी अनुभव है। यह सिर्फ इतना है कि उस विशेष टूर्नामेंट में क्या होता है, यह उस समय पर निर्भर करेगा जब आयोजन शुरू होगा। पिछले छह

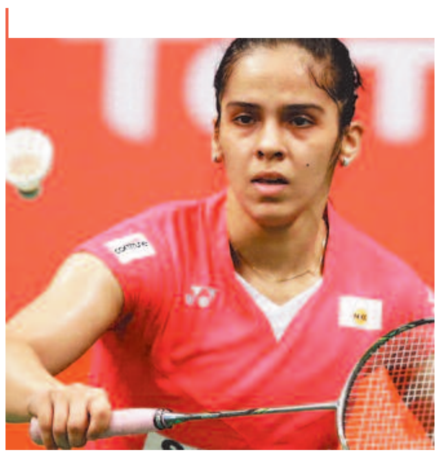

ङ्क सात महीने में वह ज्यादा मैच नहीं जीती है लेकिन यह मुकाबले काफी करीबी रहे हैं। उन्होंने कहा, जीत या हार आपकी लय को नहीं दिखाते हैं लेकिन आप कभी भी इसे हासिल कर सकते है। शीर्ष स्तर पर सभी खिलाड़ी वास्तव में कड़ी मेहनत करते हैं। मुझे यकीन है कि सिंधू लय और पदक हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत पूरी कोशिश कर रही होंगी। सिंधू के लिए पिछले कुछ समय में सबसे ज्यादा परेशानी की बात यह रही है कि वह मैच पर पकड़ बनाने के बाद उसे जीत में नहीं बदल पा रही है। सिंधू इस समय जर्मनी के सारब्रुकन में ओलंपिक के लिए अपनी तैयारियों को को अंतिम रूप दे रही हैं। साइना ने कहा कि ऐसी चिंताओं (अच्छी स्थिति से मैच हारना) से छुटकारा पाने के लिए अभ्यास ही एकमात्र समाधान है। उन्होंने कहा, इन खामियों को अभ्यास से ही दूर किया जा सकता है। आपके अभ्यास में कमी है तो कोई भी खिलाड़ी आपको हरा सकता है लेकिन अगर अपने अच्छे से प्रशिक्षण लिया है तो ऐसी चीजें कम होंगी। यह वास्तव में मायने रखता है। साइना ने कहा कि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल के पास पेरिस में स्वर्ण जीतने का सुनहरा मौका है। साइना ने कहा कि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल के पास पेरिस में स्वर्ण जीतने का सुनहरा मौका है। हैदराबाद की इस 34 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, पुरुष युगल में हमारे पास स्वर्ण जीतने की बहुत मजबूत संभावना है।

विश्वकप विजेता पूर्व टी-20 कप्तान रोहित शर्मा बोले-

सूर्यकुमार अगर वो कैच छोड़ देता तो उसे बाहर बिठा देता

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के लिए शुक्रवार को 11 करोड़ रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की। यह घोषणा यहां विधान भवन में की गई जहां भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, यशस्वी जायसवाल और शिवम दुबे को सम्मानित किया गया। शिंदे ने अपने भाषण में विश्व कप में टीम की चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर मिली जीत के अलावा सूर्यकुमार के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मैच में लिए गए शानदार कैच की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने सहयोगी टीम के सदस्य पारस म्हाम्ब्रे और अरूण कनाडे के योगदान की प्रशंसा करते हुए उन्हें सम्मानित किया। साथ ही उन्होंने मुंबई पुलिस की गुरुवार को विजय परेड के दौरान भीड़ प्रबंधन की भी सराहना की। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री अजीत पवार और देवेंद्र फडनवीस भी मौजूद थे।

पवार ने कहा कि रोहत शर्मा ने स्पष्ट कर दिया कि वह टी 20 अंतरराष्ट्रीय में अब नहीं खेलेंगे। लेकिन जब भी हम एक टी 20 मैच देखेंगे , हम हमेशा आपको और आपकी टीम की उपलब्धियों को याद रखेंगे। फडनवीस ने रोहित की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका नाम अब हमेशा के लिए क्रिकेट इतिहास में लिखा जायेगा। उन्होंने कहा कि रोहित ने हमें एक ही दिन में अच्छी और बुरी खबर दोनों दीं। उन्होंने टी 20 विश्व कप जीता लेकिन साथ ही टी 20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में संन्यास की घोषणा भी कर दी। उनका नाम भारतीय क्रिकेट इतिहास में हमेशा के लिए लिखा जा चुका है। रोहित ने कहा कि फाइनल में टीम प्रयास से जीत मिली। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुझे कहा कि इस तरह का आयोजन विधान भवन परिसर में कभी नहीं किया गया है। इतने लंबे इंतजार के बाद क्रिकेट विश्व कप भारत लाकर सपना सच हो गया। यह टीम प्रयास था। उन्होंने मजाक करते हुए कहा कि यह पूरी तरह से टीम प्रयास था। सूर्या ने सभी को कहा कि वह भाग्यशाली रहे कि गेंद उनके हाथ में आ गई। अगर ऐसा नहीं हुआ होता तो मैं उसे अगले मैच में बाहर बिठा देता। फाइनल में मैच का रूख बदलने वाला कैच लेने वाले सूर्यकुमार ने कहा कि मैं आप सभी से मिलकर खुश हूं। हमें कल और आज यहां विधान भवन में जो समर्थन मिला, मैं उसे कभी नहीं भुला पाऊंगा। दुबे ने कहा कि मुझे गर्व है कि मैं महाराष्ट्र में रह रहा हूं। हम कल मिले स्वागत से अभिभूत हो गए।

पुर्तगाल वर्सेस फ्रांस

यूरो कप 2024 में फ्रांस से पेनल्टी शूटआउट में हारकर बाहर हुई पुर्तगाल, अब स्पेन से सामना

बर्लिन, एजेंसी। फ्रांस की टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई। अब उसका सामना अंतिम-4 में स्पेन से होगा। फुल टाइम और फिर एक्स्ट्रा टाइम तक स्कोर 0-0 की बराबरी पर छूटा था। फ्रांस की टीम यूरो कप 2024 के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। उसने शुक्रवार खेले गए मुकाबले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल की टीम को पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से हरा दिया। इस हार के साथ पुर्तगाल की टीम क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गई, जबकि फ्रांस की टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई। अब उसका सामना अंतिम-4 में स्पेन से होगा। फुल टाइम और फिर एक्स्ट्रा टाइम तक स्कोर 0-0 की बराबरी पर छूटा था।

अभय सिंह एशियन डबल्स स्‍ ‍श चैंपियनशिप के दो सेमीफाइनल में

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रतिभाशाली अभय सिंह जोहोर (मलेशिया) में चल रही एशियन डबल्स स्क्वैश चैंपियनशिप में दो सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। शुक्रवार को, एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय अनुभवी जोशना चिनप्पा के साथ मिश्रित युगल के अंतिम चार में पहुंच गए और राष्ट्रीय चैंपियन वेलावन सेंथिलकुमार के साथ पुरुषों के ग्रुप चरण में शीर्ष पर रहे और सेमीफाइनल में पहुंच गए। पुरुष वर्ग में, अभय और वेलावन ने मलेशिया के हाफ़िज़ ज़फ़री / डंकन ली को 11–3, 11–9; से तथा हांगकांग के लाउ त्सज़ क्वान / चुंग याट लुंग को 11–8, 11–10 से हराया। मिश्रित युगल में क्वार्टरफ़ाइनल में अभय और जोशना ने मलेशियाई जोड़ी सयाफिक कमाल / ऐरा आज़मान को 11–9, 11–6 से पराजित किया।

मोहम्मद सिराज का हीरो की तरह वेलकम

टी-20 वर्ल्ड चैंपियन के स्वागत में पूरा हैदराबाद शहर सड़कों पर उमड़ आया

हैदराबाद, एजेंसी। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद सिराज पांच जुलाई को अपने होमटाउन हैदराबाद पहुंचे। इस दौरान मोतियों के शहर ने सिराज का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। दाएं हाथ के इस स्टार तेज गेंदबाज ने पिछले महीने टी-20 विश्व कप में भारतीय क्रिकेट टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। अपने लोकल हीरो का हैदराबाद के लोगों ने दिल खोलकर स्वागत किया। भारत की विश्व कप विजेता टीम में शामिल होने वाले हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन से जुड़े एकमात्र क्रिकेटर सिराज का स्वागत करने के लिए प्रशंसक बड़ी संख्या में उमड़ पड़े।

मोहम्मद सिराज सिर्फ लीग स्टेज राउंड ही खेल पाए थे। सुपर-8 और नॉकआउट स्टेज के लिए वह प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने में असफल रहे, लेकिन तीन मैच में दो फील्डिंग मेडल और एक विकेट के साथ उनका योगदान नकारा नहीं जा सकता। एक दिन पहले सोशल मीडिया पर अपने रोड शो की घोषणा करने के बाद सिराज का स्वागत आतिशबाजी, देशभक्ति गाने और लाउडस्पीकर पर मार्फा संगीत के साथ किया गया। उत्साहित प्रशंसकों ने 30 वर्षीय तेज गेंदबाज को सिर आंखों पर बिठा रखा था।

ओलंपिक 2028 में खेलेंगे विराट और रोहित, राहुल द्रविड़ ने किया खुलासा!

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2024 में शानदार प्रदर्शन किया और खिताब अपने नाम किया। भारतीय टीम ने 17 सालों के टी20 वर्ल्ड कप के इंतजार को खत्म किया और 4 जुलाई को भारत पहुंचे। जहां सबसे पहले वह भारत के प्रधानमंत्री से मिलने के लिए पीएम आवास पहुंचे। इस दौरान पीएम मोदी ने टीम इंडिया के सभी खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनके अनुभवों के बारे में जाना। प्रधानमंत्री से मिलने के लिए टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ भी पहुंचे थे। राहुल द्रविड़ ने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ 2028 ओलंपिक के लिए भारत की तैयारियों के बारे में अपने विचार साझा किए

राहुल द्रविड़ का बड़ा बयान– राहुल द्रविड़ ने बतौर खिलाड़ी या कोच अपनी पहली आईसीसी ट्रॉफी जीती। इसी के साथ उन्होंने बतौर मुख्य कोच अपना कार्यकाल एक आईसीसी ट्रॉफी के साथ समाप्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने द्रविड़ से 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक में खेला जाने वाले क्रिकेट के बारे में पूछा और इसके लिए भारत की योजनाओं और तैयारियों पर उनकी सोच के बारे में पूछा। इस दौरान राहुल द्रविड़ ने कुछ ऐसा कह दिया जिसे सुनकर वहां बैठा हर कोई हंस पड़ा।

द्रविड़ ने ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल किए जाने के महत्व के बारे में बात की और कहा कि यह क्रिकेट के लिए गर्व की बात है। अपनी बातचीत के अंत में द्रविड़ ने कहा कि 2024 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के कई खिलाड़ी, जिनमें युवा रोहित और विराट भी शामिल हैं, 2028 ओलंपिक में भाग लेंगे।

विराट ने जोड़ लिए हाथ

हेड कोच के इस बात से वहां बैठे सभी क्रिकेटर और पीएम मोदी को हंसने लगे क्योंकि पिछले हफ्ते वर्ल्ड कप फाइनल खत्म होने के बाद रोहित और विराट दोनों ने टी20 इंटरनेशनल से संन्यास की घोषणा की थी। इसके अलावा, कोहली ने राहुल द्रविड़ की बातों को सुनते ही हाथ जोड़कर कहा अब मुझे छोड़ दो। राहुल द्रविड़ ने कहा कि मोदीजी, हम क्रिकेटरों को ओलंपिक में भाग लेने का अवसर नहीं मिलता, लेकिन अब क्रिकेट ओलंपिक का हिस्सा बनने जा रहा है। यह क्रिकेटरों, देश और क्रिकेट बोर्ड के लिए बहुत बड़ी बात होने जा रही है। हमें टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। और दूसरे खिलाड़ियों के साथ रहना, उनसे सीखना, बहुत अच्छी बात है। मुझे लगता है कि क्रिकेट के लिए ओलंपिक का हिस्सा बनना गर्व की बात है।

दोस्ताना-2 का हिस्सा न होने पर कार्तिक को नहीं अफसोस

पिछले दिनों कार्तिक आर्यन फिल्म चंदू चैंपियन की वजह से चर्चा में थे। कुछ समय पहले खबर आई थी कि कार्तिक, करण जौहर की फिल्म दोस्ताना 2 से अलग हो गए हैं। रिपोर्ट्स में दावा किया था कि किसी अनबन की वजह से कार्तिक और करण ने अपनी राहें अलग कर लीं।

अब इस मुद्दे पर कार्तिक ने बातचीत की है। कार्तिक का कहना है कि वे इंडस्ट्री में काम करने आए हैं, दोस्ती करने नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रोफेशनल लाइफ में मिस कम्युनिकेशन होता रहता है। वहीं, डायरेक्टर कबीर खान ने भी फिल्म चंदू चैंपियन की सफलता के बाद हमारे साथ बातचीत की। उन्होंने अनुराग कश्यप के बयान पर अपनी राय दी, जिसमें अनुराग ने कहा था कि आज कल फिल्में नहीं बल्कि प्रोजेक्ट्स बनते हैं।

श्रुति ने रजनीकांत स्टारर कुली की शूटिंग की शुरू

एक्ट्रेस श्रुति हासन ने अपनी अपकमिंग फिल्म कुली की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म के जरिए वह पहली बार तमिल मेगास्टार रजनीकांत के साथ बड़े पर्दे पर नजर आएंगी। श्रुति सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर घर की छत से कई तस्वीरें शेयर कीं। पहली तस्वीर में श्रुति छत पर बैठ कैमरे की तरफ देखकर मुस्कुराती दिख रही हैं। इसे अपना सोलो होम बताते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैं 18 साल की उम्र में इस छत पर आराम किया करती थी। यह मेरा पहला सोलो होम है। मैंने यहां जिंदगी और अपने बारे में बहुत कुछ सीखा है। इसके बाद उन्होंने छत से एक और तस्वीर शेयर की और कहा कि उन्होंने यहां अपने लिए सपने देखना शुरू किया था और म्यूजिक लिखा। उन्होंने लिखा कि यहां मैंने अपने लिए सपने देखना शुरू किया, मैंने म्यूजिक लिखना शुरू किया और यहां बैठकर मैंने म्यूजिक स्कूल जाने के बारे में सोचा, और मुझे पहली बार अपनी जिंदगी और खुद से प्यार हो गया। एक और तस्वीर में वह छत पर खड़ी होकर आसमान की ओर देखती नजर आ रही हैं। इस पर श्रुति ने लिखा कि भविष्य को बेहतर बनाने और सपने देखने में कई दिन बीते। मैं अपने आज को काफी एन्जॉय कर रही हूं, मैं चेन्नई की उस लड़की को कभी भूल नहीं सकती, जो अपनी शर्तों पर जिंदगी जीने के सपने देखती थी। एक्ट्रेस के करियर की बात करें तो 2009 में लक से श्रुति ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की। 2011 में, उन्होंने अपना तेलुगु डेब्यू अनागनागा ओ धीरुदु से और तमिल डेब्यू 7ओम अरिवु से किया। उन्होंने वेदलम और एसआई3, गब्बर इज बैक, वेलकम बैक, डी-डे और सलार~ पार्ट 1 - सीजफायर जैसी कुछ फिल्मों में काम किया है।

अक्षय कुमार की फिल्म सरफिरा को सेंसर बोर्ड ने दिया यू सर्टिफिकेट

फिल्म सरफिरा ने सेंसर औपचारिकताओं को पूरा कर लिया है। अक्षय कुमार अभिनीत इस फिल्म को सीबीएफसी ने यू सर्टिफिकेट दिया है। साथ ही इसके रनटाइम से भी पर्दा उठ गया है। अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म सरफिरा की रिलीज का प्रशंसकों को बेसब्री से इंतजार है। बीते दिन निर्माताओं ने इसका दिलचस्प ट्रेलर जारी किया, जिसने खूब वाहवाहियां बटोरीं। वहीं, अब सेंसर बोर्ड की ओर से भी खिलाड़ी कुमार की फिल्म को हरी झंडी मिल गई है। मूवी को यू सर्टिफिकेट के साथ पास कर दिया गया है। फिल्म सरफिरा% में अक्षय कुमार नायक की भूमिका में हैं, जबकि राधिका मदान और परेश रावल भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। राधिका और परेश मूल फिल्म का भी हिस्सा थे। रिपोर्ट के अनुसार, सरफिरा ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से यू प्रमाणपत्र के साथ सेंसर औपचारिकताओं को पूरा कर लिया है। तमिल ब्लॉकबस्टर सोरारई पोटरू की इस रीमेक फिल्म को 2 घंटे और 35 मिनट (155 मिनट) का नाटकीय रन-टाइम दिया गया है। सूर्या फिल्म में एक विशेष भूमिका निभाएंगे।

मदर्स अगेंस्ट वेपिंग अभियान से जुड़ीं नंदिता दास

अभिनेत्री-फिल्म निर्माता और राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता नंदिता दास मदर्स अगेंस्ट वेपिंग अभियान से जुड़ गई हैं। यह भारतीय बच्चों और युवाओं के बीच ई-सिगरेट, वेप्स, इलेक्ट्रॉनिक निकोटीन डिलीवरी सिस्टम, हीट-नॉट-बर्न उत्पाद, ई-हुक्का और इसी तरह के अन्य उपकरणों जैसे नए युग के तंबाकू उपकरणों के प्रचार का विरोध करने वाली चिंतित माताओं का एक संयुक्त मोर्चा है। नंदिता दास, बाइचुंग भूटिया, दीपा मलिक, दुती चंद, नेहा धूपिया, खुशबू सुंदर और किश्वर देसाई जैसी प्रभावशाली रोल मॉडल इस समूह में शामिल हो गई हैं। जो बच्चों और युवाओं में वेपिंग के बढ़ते खतरे के खिलाफ मदर्स अगेंस्ट वेपिंग के अभियान का समर्थन करेंगी। बच्चों और युवाओं में वेपिंग की समस्या से निपटने के लिए नंदिता अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

यह अभियान इस स्वास्थ्य संकट को संबोधित करने और नए युग के तंबाकू उपकरणों के उपयोग के खिलाफ सुरक्षात्मक उपायों करने की आवश्यकता पर जोर देगा। मदर्स अगेंस्ट वेपिंग के अभियान से जुड़ने पर नंदिता दास ने कहा कि हमारे बच्चों और युवाओं में आधुनिक नए जमाने के तम्बाकू उपकरणों का बढ़ता प्रचलन हम सभी के लिए गहरी चिंता का विषय होना चाहिए। एक किशोर की मां होने के नाते मैं सभी बच्चों को लेकर बेहद चिंतित हूं और आशा करती हूं कि वे इस तरह की हानिकारक लत के शिकार न हों। हमें इस ओर व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से ध्यान देने की जरूरत है। मैं ई-सिगरेट, वेप्स और हीट-नॉट-बर्न उत्पादों जैसे उपकरणों के प्रचार का मुकाबला करने के उनके प्रयासों में मदर्स अगेंस्ट वेपिंग का पूरे दिल से समर्थन करती हूं। नंदिता ने कहा कि आजकल के बच्चे बेहद समझदार हैं। उन्हें बाहर से कई तरह की बहुत सारी जानकारियां मिलती रहती है। इसलिए हमें उन्हें तार्किक रूप से ऐसे उपकरणों के खतरों के बारे में समझाना चाहिए जो उन्हें आकर्षक या कूल लग सकते हैं।

अगर हम उनके साथ बेहतर तरीके से पेश आएंगे तो वह हमारे तर्क को समझ सकते हैं। ऐसी उम्र में साथियों के दबाव से बचना मुश्किल है इसलिए हमें उनका आत्मविश्वास बढ़ाने का काम करेंगे। आइए हम उन्हें स्वस्थ निर्णय लेने में सहायता करें। नंदिता ने मिशन में शामिल होने के अवसर पर ऐसे बच्चों और किशोरों के लिए एक नए खतरे पर भी बात की। उन्होंने कहा कि इन बच्चों के अब यूरेनियम और सीसे के संपर्क में आने का जोखिम बढ़ गया है। इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट, वेपिंग डिवाइस और अन्य हीट नॉट बर्न डिवाइस जैसे नए युग के तंबाकू उपकरणों के संपर्क में आने से बच्चों और किशोरों के मस्तिष्क को नुकसान पहुंच सकता है और उसके विकास पर असर पड़ सकता है। टोबैको कंट्रोल जर्नल में प्रकाशित एक हालिया शोध का हवाला देते हुए वेपिंग को यूरेनियम और सीसे के बढ़े हुए स्तर से जोड़ने वाले निष्कर्षों पर प्रकाश डाला।

पायल मलिक ने राखी सावंत द्वारा उनके रिश्ते पर की गई टिप्पणियों पर पलटवार किया

बिग बॉस ओटीटी 3 फेम पायल मलिक ने राखी सावंत द्वारा उनके रिश्ते पर की गई टिप्पणियों पर पलटवार किया, घटनाओं के एक नाटकीय मोड़ में पायल मलिक ने राखी सावंत द्वारा उनके पति अरमान के साथ उनके रिश्ते के बारे में हाल ही में की गई टिप्पणियों पर जमकर जवाब दिया है। राखी सावंत ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें उन्होंने कहा था, अगर मैं शो में आई तो कहीं तीसरी बीवी बनके बाहर ना निकलूं। राखी द्वारा पायल मलिक के परिवार पर किए गए कटाक्ष को उन्होंने पसंद नहीं किया। अरमान की शादियों और राखी की टिप्पणियों को लेकर पायल ने अपने सोशल मीडिया चैनलों पर एक वीडियो पोस्ट किया, वीडियो में पायल ने जोरदार तरीके से जवाब देते हुए कहा- मुझे लगता है कि आपके पास कोई काम नहीं है, इसलिए आप मेरे परिवार को निशाना बना रहे हैं। मैंने आपसे किसी तरह का न्याय नहीं मांगा। आपको उन तीनों या चार पुरुषों को न्याय देने की ज़रूरत है जिनसे आपने शादी की है। आप सिर्फ़ विवाद पैदा करना चाहते हैं। बस इतना ही। हमारे परिवार में ऐसी कोई समस्या नहीं है, इसलिए बेहतर होगा कि आप इससे दूर रहें। यह मेरा अंतिम वीडियो नहीं होगा। अगर आप हमारी छवि को नुकसान पहुँचाने की कोशिश करेंगे, तो मैं आपको इसका जवाब दूँगी।

निर्देशकों के प्यार में पड़ीं ये टीवी हसीनाएं, सेट से सात फेरे तक का तय किया सफर

सेट पर जोड़ियां बनना कोई नई बात नहीं है। कई बॉलीवुड सितारे फिल्मों के सेट पर दिल हारने के बाद एक-दूसरे से शादी कर चुकी हैं। ऐसा सिर्फ बॉलीवुड में ही नहीं है, बल्कि कई टीवी धारावाहिकों के सेट पर भी सितारों की जोड़ियां बन चुकी हैं। टीवी के सेट पर न सिर्फ अभिनेता और अभिनेत्रियों के बीच मे इश्क के पेंच लड़े हैं, बल्कि अभिनेत्रियों और निर्देशकों की जोड़ी भी बन चुकी है। जी हां टीवी की कई हसीनाएं निर्देशकों पर दिल हार बैठी और बाद में इन्होंने शादी भी रचा ली। तो चलिए जानते हैं इन हसीनाओं के बारे में....

दीपिका सिंह

टीवी की जानी-मानी अभिनेत्री दीपिका सिंह का नाम इस लिस्ट में पहले नंबर पर आता है। दीपिका को सीरीयल दीया और बाती हम से घर-घर में पहचान मिली थी। इसी शो के बाद उन्होंने शादी रचा ली थी। दीपिका ने शो के डायरेक्टर रोहित गोयल के साथ शादी रचाई है। दोनों को सेट पर एक-दूसरे के साथ काम करते हुए प्यार हो गया था। बाद में दोनों शादी के बंधन में बंध गए थे।

ज्योत्सना चंदोला

अभिनेत्री ज्योत्सना चंदोला का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। ज्योत्सना चंदोला कई टीवी सीरीयल में अपने शानदार अभिनय के जलवा बिखेर चुकी हैं। ज्योत्सना को ससुराल सिमर का के उनके किरदार के लिए काफी प्रशंसा मिली थी। उन्होंने इसी शो के निर्देशक नितेश के साथ शादी रचाई। दोनों को शो के सेट पर प्यार हो गया था।

मानसी साल्वी

मानसी साल्वी टीवी का जाना-माना नाम हैं। वह कई टीवी धारावाहिकों में अपनी शादी अदाकारी से दर्शकों का दिल लूट चुकी हैं। इस लिस्ट में उनका नाम भी शामिल है। अभिनेत्री ने अपने शो सती सत्य की शक्ति के निर्देशक हेमंत आर प्रभु संग सात फेरे लिए थे। शो पर एक-दूसरे पर दिल हारने के बाद दोनों ने सात जन्मों का सफर तय किया।

प्रिया आहूजा

फेमस कॉमेडी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा में रीता रिपोर्टर का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री प्रिया आहूजा का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। उन्होंने इसी शो के निर्देशक मालव राजदा के साथ शादी की है। प्रिया आहूजा को देश के घर-घर में रीता रिपोर्टर के रूप में खूब पहचान मिली है।

विभाजन के काले इतिहास पर प्रकाश डालेगी राइमा सेन की फिल्म

राइमा सेन और अभिषेक सिंह अभिनीत, फ़िल्म का टीज़र दर्शकों को 16 अगस्त, 1946 की घटनाओं की याद दिलाता है, जिसमें बंगाल में हिंदुओं पर की गई क्रूरता और उसके बाद ब्रिटिश भारत में विभाजन की आग फैलने का खुलासा किया गया है। इस साल इन घटनाओं की 78वीं वर्षगांठ के अवसर पर रिलीज़ होने वाली यह फ़िल्म क्रूर नरसंहार में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देती है और इसका उद्देश्य उन राजनीतिक षड्यंत्रों को उजागर करना है, जिनके कारण 20वीं सदी का सबसे बड़ा मानवीय संकट पैदा हुआ। यह इस बात पर भी प्रकाश डालती है कि इन घटनाओं के दुष्परिणाम आज भी कैसे महसूस किए जाते हैं।

-साभार एजेंसी